

रजिस्ट्री सं. दी—(दी) —

REGISTERED NO. D-(D)-73



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 32] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 11, 1979 (श्रावण 20, 1901)

No. 32] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 11, 1979 (SRAVANA 20, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संक्षेप के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—पार्ट 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110 011, दिनांक 30 जून 1979

नई दिल्ली-110 011, दिनांक 16 जुलाई 1979

सं. ए. 12026/1/79-प्रशा. II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के० स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री वाई० आर० गांधी को 10-7-79 से तीन महीने की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो

सं. पी० 1150/प्रशा. II—श्री एम० एल० खण्डूरी, स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ग) तथा स्थानामन्त्र वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ख), ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित [सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1977 में अनुत्ती प्राप्त कर ली थी।

दिनांक 9 जुलाई 1979

सं० पी०/1526-प्रशा० (भाग II)—मारुति जांच आयोग से प्रत्यावर्तित होने के परिणामस्वरूप के० स० से० के चयन घेड अधिकारी श्री एन० के० प्रसाद ने 30-6-1979 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एस० बालचन्द्रन,
उपर सचिव

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० ए०-19020/1/79-प्रशासन-5—यू० के० में कोलम्बो योजना के अधीन मानचेस्टर विश्वविद्यालय में विवेशी अतिथि सदस्यों के लिए प्रशासनिक अध्ययन विभाग में लोक-प्रशासन अध्ययन कार्यक्रम में प्रशिक्षण मे दिनांक 12-6-1979 के पूर्वाह्न में लौटने के बाद, श्री जी० पी० पिलानिया, भारतीय पुलिस सेवा (1955-राजस्थान), पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएँ दिनांक 12-6-1979 से राजस्थान सरकार को वापस सौधर्दा गई हैं।

सतीश कुमार ज्ञा,
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1979

सं० सी०-३/73-प्रशासन 5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री सी० एम० शर्मा, भारतीय पुलिस सेवा (1962-उत्तर प्रदेश), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो को दिनांक 7 जुलाई, 1979 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जुलाई 1979

सं० के०-३०/65-प्रशा० 5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री के० एम० रंगाचारी ने दिनांक 30-6-79 के अपराह्न

अन्वेषण व्यूरो की सेवाएँ दिनांक 30 जून, 1979 के अपराह्न में हिमाचल प्रदेश सरकार को वापस सौंपी जाती है।

हीरो ए० शहानी,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 जुलाई 1979

सं० ओ० दो० 129/75-स्थापना—ले० कर्नेल एम० एम० अलव (अवकाश प्राप्त) ने पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्ति पर सहायक कमान्डेन्ट ए० डब्ल्य० एस०, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल हैदराबाद के पद का कार्यभार दिनांक 12-5-79 (अपराह्न) से त्याग दिया।

सं० ओ० दो० 1045/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर बी० वलीप मूर्ति को 25-6-1979 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अवधा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० ओ० दो० 1440/79-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर सुनिल कुमार मिश्रा को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल इयटी प्राफिसर घेड I (सहायक कमान्डेन्ट) के पद पर 14-6-1979 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
महायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 जुलाई 1979

सं० 10/25/78-प्रशा०-1/13808—राष्ट्रपति, भारतीय मांड्यकीय सेवा के घेड 3 के अधिकारी श्रीर भूतपूर्व केन्द्रीय सांख्यकीय संगठन, सांख्यकी विभाग नई दिल्ली में भूतपूर्व उप-निदेशक कुमारी जी० सुगुना कुमारी को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 30 जून, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहृदय नियुक्त करते हैं।

तक श्रुणाचल प्रदेश, शिलांग में जनगणना कार्य निवेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री राय का मुख्यालय शिलांग में होगा।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 4 अगस्त 1979

सं० 23/3/79-सी ती० आई०—जून; 1979 में प्रौद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपमोक्ता सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) मई, 1979 के स्तर से छः अंक बढ़ कर 345 (तीन सौ पेंतालिस) रहा है। जून, 1979 माह का सूचकांक आधार वर्ष

1949=100 पर परिवर्तित किये जाने पर 419 (चार सौ उन्नीस) आता है।

त्रिभुवन सिंह,
उप निवेशक

वित्त मंत्रालय
(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० 491/ए०—दिं० 8-5-1979 के क्रम में श्री एस० एन० चक्रवर्ती को उप नियंत्रण अधिकारी के रूप में तदर्थ नियुक्त दिं० 4-6-1979 से भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में नियमित मानी जाएगी।

डी० सी० मुखर्जी,
महा प्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग
भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 1216-स०० ए० 1/44-79--प्रत्र उप नियंत्रक महा लेखा परीक्षक (वा०) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को पदोन्नत करके नेत्रापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं और आगे आदेश दिए जाने तक प्रत्येक नाम के सामने कालम 4 में लिखित कार्यालय में कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं।

क्रम सं०	अनुभाग अधिकारी (वा०) का नाम	कार्यालय जहाँ पदोन्नति से पहले कार्यरत है	कार्यालय जहाँ पदोन्नति के बाद लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनात किए गए	स्थानापन्न लेखा- परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनात की तारीख
1	2	3	4	5

1	सर्वथ्री एम० एम० घोष	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निवेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निवेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता।	18-5-79(पूर्वाह्न)
2	निरंजन पाल	महालेखाकार-II, पश्चिमी बंगाल, कलकत्ता।	महालेखाकार-II, पश्चिमी बंगाल, कलकत्ता।	18-5-79(पूर्वाह्न)
3	जी० डी० माहा	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निवेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निवेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता।	18-5-79(पूर्वाह्न)
4	उपोत्तमामय मंजुमदेर	भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक नई दिल्ली।	महालेखाकार-II, पश्चिमी बंगाल, कलकत्ता।	13-6-79(पूर्वाह्न)
5	आर० त्रयनाथत II	महालेखाकार-II, तमिलनाडु, मद्रास।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निवेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षक, बम्बई।	14-6-79(पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5
	सर्व/थी			
6	जी० टी० अशोहम	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मद्रास।	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बम्बई।	15-6-79 (पूर्वाह्न)
7	ग्यारसी लाल यादव	महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर।	—घटी—	15-6-79 (पूर्वाह्न)

एम० एस० ग्रोवर, उप निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय निदेशक, लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व
नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1979

सं० प्रशा० 1/का० आ०-167/पी० एफ०/एम० एल० बह०/79-80/754—भारत सरकार, गृह मंत्रालय के कार्यालय शापन सं० 25013/7/77-स्था० (क) दिनांक 26-8-1977 की शर्ती के अधीन 20 वर्ष से अधिक की अर्हक सेवा पूरी कर लेने के पश्चात् श्री एम० एल० बहल इस कार्यालय के एक स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी भारत सरकार की सेवा से स्वेच्छापूर्वक दिनांक 20-7-1979 के पूर्वाह्न से सेवा निवृत्त होंगे।

2. श्री बहल ने भारत सरकार की सेवा में दिनांक 9 जून, 1947 को प्रवेश किया था तथा उनकी जन्म तिथि 10 अप्रैल, 1929 है।

समर राय, उप-निदेशक
लेखापरीक्षा (प्रशासन)

नई दिल्ली-110054, दिनांक 17 जुलाई 1979

सं० प्रशा० III-195/23(ए०)(२) अधिसूचनाएं—
पात्रा लेखा परीक्षा कार्यालय मद्रास के स्थायी लेखा परीक्षाधिकारी श्री एम० एस० स्काफ्टर दिनांक 31-5-1979 (अपराह्न) से निवृत्ति पर सेवा निवृत्त हो गये हैं।

लष्मन सिंह, संयुक्त निदेशक
लेखा परीक्षा

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० 2122/ए-प्रशासन/130/79—वार्षिक निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर सर्वश्री एच० एल० मल्होत्रा और टी० एस० बी० राव, स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी, दिनांक 30-6-79 (अपराह्न) लेखा परीक्षा सेवाएं विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 2123/ए-प्रशासन—130/79 निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं निम्नलिखित अधीनस्थ लेखा सेवा के स्थाई सदस्यों को

उनके सामने अंकित तिथि से लेखा परीक्षा अधिकारी के स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	कार्यालय जहां नियुक्ति की गयी	नियुक्ति की तिथि
		1	
(1)	श्री बी० एस० जगोदा	लेखा परीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवाएं जलन्धर।	25-6-79
(2)	श्री झी० सनयाल	संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, पूर्वी कमान, पटना।	18-6-79
(3)	श्री जी० आर० बगूर	संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, दक्षिणी कमान, पूर्ण।	25-6-79
(4)	श्री ए० बी० गोपालारम्भ	सहायक निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं मद्रास।	5-7-79

सं० 2124/ए० प्रशासन/130/79—श्री के० एम० मेथ-कुंज, स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी जो संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, पूर्ण, में नियुक्त थे, उनका दिनांक 2-7-79 को देहान्त हो गया।

के० बी० दास भौमिक, संयुक्त निदेशक

रक्षा लेखा विभाग
कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक
नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1979

सं० 3583/प्रशासन-I—गाप्टपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर I के एक स्थाई अधिकारी,

वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग में सचिव (व्यय) के रूप में प्रतिनियुक्ति, श्री जे० पी० कक्कड़ को दिनांक 1 दिसम्बर, 1977 से रक्षा लेखा महानियंत्रक के ग्रेड में मूल पदधारी के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

आर० एल० बख्शी, रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक
(प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनैन्स एवं आर्डनैन्स उपस्कर फैक्टरियाँ

कलकत्ता, दिनांक 30 जून 1979

सं० 5/79/ए०/एम०—दिनांक 12-5-1979 को समाप्त होने वाले सप्ताह के भारत के राजपत्र भाग III खण्ड I के पृष्ठ 3671 (अंग्रेजी) और 3569 (हिन्दी) पर प्रकाशित स्थायी सहायक चिकित्सा अधिकारियों की स्थानापन्थ वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों के पद पर प्रोत्तरति सम्बन्धी दिनांक 7-2-1979 की मसौदा गजट अधिसूचना सं० 1/79/ए०/एम० जिसे संख्या 408/ए०/एम० दिनांक 7-2-1979 के अन्तर्गत जारी किया गया था, एतद् द्वारा निरस्त किया जाता है।

सं० 6/79/ए०/एम—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित स्थायी सहायक चिकित्सा अधिकारियों को आर्डनैन्स फैक्टरी स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत स्थानापन्थ वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों के रूप में प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आवेदन न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति स्थान	तारीख
1	2	3	4
1.	डा० श्रीमती बी० सरकार	आर्डनैन्स फैक्टरी, कानपुर	29-6-78 (31-8-78 को सेवा निवृत्त)
2.	डा० बी० एन० सेन	आर्डनैन्स फैक्टरी, वरणगांव	29-6-78
3.	डा० डी० के० सान्याल	कार्डिट फैक्टरी, अरुणकाळु	4-7-78
4.	डा० ए० आर० चट्टो-पाठ्याय	आर्डनैन्स फैक्टरी, अस्वरताथ	29-6-78
5.	डा० एस० के० भट्टा-चार्या	आर्डनैन्स फैक्टरी, भण्डारा	29-6-78
6.	डा० कुमारी जे० आर० बरुआ	आर्डनैन्स फैक्टरी, मुरादनगर।	29-6-78
7.	डा० आर० के० पाल	आर्डनैन्स फैक्टरी, कटनी	29-6-78

1	2	3	4
8.	डा० पी० जी० सरकार	आर्डनैन्स फैक्टरी, तिलचिरापल्ली।	29-7-78
9.	डा० प्रियकेश मुखर्जी	आर्डनैन्स फैक्टरी, देहरादून।	29-6-78
10.	डा० के० बी० दासगुप्ता	आर्डनैन्स फैक्टरी, कानपुर	15-9-78
11.	डा० एस० के० मजुमा-दार	गनकैरिज फैक्टरी जबलपुर।	1-7-78
12.	डा० एम० जी० चक्रवर्ती	आर्डनैन्स फैक्टरी, अम्बाजारी	24-7-78
13.	डा० कुमारी के० सुवय्या	वेहिकल फैक्टरी, जबलपुर	15-10-78
14.	डा० पी० के० सरकार	आर्डनैन्स फैक्टरी, भुसावल	16-5-79

प्रो० पी० बहल, अपर महानिदेशक,
कूत्रे महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्टरियाँ

उद्योग मंत्रालय

(भौद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई शिल्पी-110011, दिनांक 2 जुलाई 1979

सं० 12/639/69-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर के श्री एन० के० ए० राव, निदेशक ग्रेड II (यांत्रिक) को दिनांक 1 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर में तदर्थे आधार पर निदेशक, ग्रेड I (यांत्रिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

महेन्द्रपाल गुप्त, उप निदेशक
(प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० प्र०-1/(470)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में स्थायी सहायक निदेशक ग्रेड-I और स्थानापन्थ उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) श्री डी० आर० नागपाल निवृत्तमान आयु होने पर दिनांक 30-6-79 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सं० प्र०-1/1(1138)/79—इस कार्यालय की दिनांक 19-6-79 की इसी संख्या की अधिसूचना के आंशिक संशोधन में स्थानापन्थ सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) श्री बी० के० सक्षमान को दिनांक 21-6-79 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मण्डल नई दिल्ली

के कार्यालय में अधीक्षक के स्थायी पद पर अवनति किया जाता है।

कृष्ण किशोर
उप निदेशक (प्रशासन)
हृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० ई०-II(7) — इस विभाग के 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-II(7) में श्रेणी 3 भाग 2 के अधीन "ब्लामिक्स-बी" प्रविष्टि के पश्चात् "असाउडेक्स" जोड़ा जाये।

इंगुव नरसिंग भूति
मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

सूचना प्रौढ़ और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 18 जुलाई 1979

सं० ए०-३१०१४/८/७५—सिब्बन्दी-I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने फिल्म प्रभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके सामने दिखाये हुए दिनांक से छायाग्राहक के पद पर मौलिक क्षमता में नियुक्त किया है:—

क्र०	नाम	दिनांक
सं०		
1.	श्री एन० नरसिंह राव, स्थायीवत् छायाग्राहक	19-1-1965
2.	श्री बलदेव खोसला, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्थ मुख्य छायाग्राहक	28-6-1968
3.	श्री एम० एस० पेंडुरकर, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्थ छायाग्राहक	18-12-1969
4.	श्री डी० एन० चांदेकर, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्थ छायाग्राहक	16-4-1972
5.	श्री व्ही० पी० परमार, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्थ छायाग्राहक	16-3-1976
6.	श्री एम० एस० गंगाधर, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्थ छायाग्राहक	16-3-1976
7.	श्री एच० आर० बोरेस्वामी, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्थ छायाग्राहक	16-3-1976
8.	श्री पी० डब्ल्यू० बाबकर, स्थायीवत् सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्थ छायाग्राहक	29-3-1976

1	2	3
9.	श्री के० एन० एस० अम्बिंगार, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्थ छायाग्राहक	29-3-1976
10.	श्री बी० एस० माथुर, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्थ छायाग्राहक	29-3-1976
11.	श्री के० जगजीवनराम स्थायीवत् छायाग्राहक	13-8-1977
12.	श्री डी० आर० हुलवणकर, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्थ छायाग्राहक	15-1-1978

एम० चन्द्रन् नायर
प्रशासकीय अधिकारी
हृते मुख्य निर्माता

आकाशवाणी

चंडीगढ़, दिनांक 16 जून 1979

आदेश

सं० 21(22)/75-3—जैसा कि श्री भिन्दर सिंह पुत्र श्री करनैल सिंह जो इस समय भारत सरकार, आकाशवाणी, चंडीगढ़ में प्रतिलिपिक के पद पर नियुक्त हैं ने घोषणा की है कि उन्होंने अपना नाम भूपिन्दर सिंह तबदील कर लिया है।

2. जैसा कि उपरोक्त श्री भिन्दर सिंह पुत्र श्री करनैल सिंह ने 8-3-79 को एक दस्तावेज निष्पादित करते हुए अपने पूर्व नाम श्री भिन्दर सिंह का प्रयोग पूरी तरह से छोड़ और त्याग दिया है और उसके स्थान पर भूपिन्दर सिंह नाम को अपना लिया है ताकि वह अपने पहले नाम भिन्दर सिंह से नहीं बिल्कु भूपिन्दर सिंह के नाम से पुकारा, पहचाना और जाना जाए और उसी दस्तावेज के द्वारा सब लोगों को अधिकृत और विनती की है कि हमेशा के लिए अब के बाद उन्हें भूपिन्दर सिंह के नाम से पुकारा, पहचाना और जाना जाए।

3. जैसा कि उपरोक्त श्री भिन्दर सिंह ने अपने इस कार्य की एक लोक जन-सूचना जारी की है और उसको दिनांक 13-12-78 को इण्डियन एक्सप्रेस में प्रकाशित करवाया है ताकि सब सम्बन्धित व्यक्तियों को जान और पता चल जाए कि उन्होंने अपना नाम भूपिन्दर सिंह तबदील कर लिया है।

4. जैसा कि उपरोक्त श्री भिन्दर सिंह ने इस कार्य की सूचना दिनांक 24-2-1979 के भारत राजपत्र में प्रकाशित करवायी है कि उन्होंने अपना नाम बदल दिया है और इसके बाद भूपिन्दर सिंह के नाम से जाना जाए।

5. श्रव इसलिए अधिकारी हस्ताक्षरी, कार्यालय के मुख्यिया के रूप में जिसमें श्री भिन्दर सिंह प्रतिलिपिक के पद पर कार्य कर रहे हैं, श्री भिन्दर सिंह को उपरलिखित बिनती की उनका मौजूदा नाम श्री भिन्दर सिंह से भूपिन्दर सिंह की तबदीली मारे मरकारी कागजात और मरकारी रिकार्ड जिनका सम्बन्ध श्री भिन्दर सिंह से है इस हुकम के जारी होने की तारीख से मंजूर की जाती है।

हृषि अपठनीय
केन्द्र निवेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई, 1979

सं. ए० 12025/14/78-(एफ० आर० एस० एल०) (प्रशासन-I)—राष्ट्रपति ने खाद्य अनुसंधान और मानकीकरण प्रयोगशाला गाजियाबाद में कार्य कर रहे कनिष्ठ विश्लेषक श्री आर० चक्रवर्ती को उसी प्रयोगशाला में 12 जन, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 21 जुलाई 1979

सं. 9-30/72-प्र०-1—अपना इस्तीफा मंजूर हो जाने के फलस्वरूप श्रीमती शुक्ला नन्दा ने 31 मार्च, 1979 अपराह्न को राजकुमारी अमृत कौर कालेज आफ नर्सिंग, नई दिल्ली से बल्टीनिकल मनोवैज्ञानिक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं. ए० 12025/8/77-(जे० आर० पी०)/प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने डा० आर० राजन को 15 मई, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डित्येरी में जीव रसायन के सहायक प्रोफेसर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निवेशक प्रशासन (ओ० एण्ड एम०)

नई दिल्ली दिनांक 21 जुलाई 1979

सं. ए० 32014/4/79-भण्डार 1—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने चिकित्सा सामग्री भण्डार, कलकत्ता के आफिस सुराइन्टनेंट श्री के० डी० लाहिरी को 19-6-1979 अपराह्न से छः मर्हाने की अवधि के लिए उसी विभाग में सहायक डिपो ऐनेजर (ग्रुप बी०-राजपत्रित) के पद पर नियुक्त किया है।

आर० सो० शर्मा,
महानिवेशक

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय
विस्तार निवेशालय

सं. 2(1)/79-स्था० (1)—सहायक संपादक (हिन्दी) के पद पर श्री घोम प्रकाश गुप्त की तदर्थ नियुक्ति 30 जून, 1979 से आगे 31 अगस्त, 1979 तक बढ़ा दी गयी है।

बद्री नाथ चौहान
निवेशक प्रशासन

(ग्राम विकास विभाग)

विषयन एवं निरीक्षण निवेशालय

फरीदाबद, दिनांक 18 जुलाई, 1979

सं. ए० 19023/57/78-प्र०III—विषयन अधिकारी वर्ग-I) के पद पर निम्नलिखित अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को तारीख 30-9-79 तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किये जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

1. श्री एम० चक्रवर्ती
2. श्री एस० बी० चक्रवर्ती
3. श्री आर० बी० कुरुप
4. एस० बी० कृष्णमूर्ति
5. श्री एस० डी० फड़के

सं. ए० 19025/65/78-प्र०III—सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग-I) के पदों पर निम्नलिखित अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को 31 जुलाई, 1979 तक या जब तक फोर्म नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है:—

सर्वेश्वरी:

1. आर० एस० सिंह
2. बी० एन० के० सिन्हा
3. ए० एन० राव
4. आर० बी० एस० यादव
5. एम० पी० सिंह
6. एच० एन० राय
7. डी० एन० राव
8. एस० पी० शिंदे
9. आर० सी० मंशी
10. के० के० तिवारी
11. एस० के० मलिक
12. एम० डी० काथलकर
13. आर० के० पाण्डे
14. एम० जे० मोहन राव
15. के० के० सिरोही
16. श्रीमती अनुसूया शिवराजन
17. बी० ई० इडविन

18. मर्व श्री एस० पी० सक्सेना
19. एन० जी० शुक्ल
20. आर० सी० सिंधुल
21. एच० एन० शुक्ल
22. के० जी० बाघ
23. एस० सूर्यनारायण मूर्ति
24. बी० एस० वैराधर
25. एस० आर० शुक्ल
26. एम० सी० बजाज
27. एन० एस० चेळापति राथ
28. के० जयनन्दन
29. सी० एम० गिरधर
30. एस० ए० शमसी

श्री एस० एस० आर० शर्मा वरिष्ठ निरीक्षक को विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय, गुन्दूर में तारीख 22-6-79 से 31-7-79 तक या जब तक पद नियमित रूप से भरा जाता है, जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न रूप से सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19024/2/79-प्र०III—निम्नलिखित अधिकारियों की मुख्य रसायनका के पद पर अल्पकालीन नियुक्ति को 30 सितम्बर, 79 तक, या जब तक पद नियमित रूप से भरे जाते हैं, जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है

1. श्री चन्द्र प्रकाश
2. श्री ए० ए० एस० प्रकाश राव
3. श्री एन० कासी राव

दिनांक 20 जुलाई 1979

सं० ए० 19023/6/79-प्र०III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एन० पी० कांमङ्गले, सहायक विषयन अधिकारी को इस निदेशालय में ओंगल में तारीख 25-6-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में विषयन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 19023/7/79-प्र०III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एच० सी० सिरका, सहायक विषयन अधिकारी को इस निदेशालय में मद्रास में तारीख 30-6-79 (अपराह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में विषयन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया जाता है।

2. विषयन अधिकारी के रूप में नियुक्त होने के उपरान्त श्री सिरका ने तारीख 23-6-79 (अपराह्न) को वाराणसी में सहायक विषयन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19024/2/79-प्र०III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एम० डी० जोन को इस निदेशालय के केन्द्रीय एगमार्क प्रयोगशाला, नागपुर में तारीख 22-6-79

(पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

बी० एल० मनिहार,

निदेशक प्रशासन

कृते कृषि विषयन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा, दिनांक 18 जुलाई 1979

सं० न० प० वि० प०/प्रशासन/1 (139)/79-एस०-8194—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायी फोरमैन तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० श्री डी० एस० बड़वाल को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-I एस० बी० के पद पर 25 जून, 1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में अग्रिम आदेशों तक के लिये नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन

प्रशासन अधिकारी

कृते मुख्य परियोजना अभियन्ता

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 16 जुलाई 1979

सं० डी० पी० एस०/2/6(1) 77-प्रशासन/18188—निदेशक क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री जी० डी० राठोर को अवकाश स्वीकृत होने के कारण भंडारी श्री एम० आर० मैनोन को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 14-5-79 से 13-7-79 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/2/1(1) 77-प्रशासन/18194—क्रय एवं भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री अरविन्द पण्डा को अवकाश स्वीकृत होने के कारण भंडारी श्री के० सी० एस० पिल्लै को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 23-10-1978 से 27-11-1978 (पूर्वाह्न) तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/2/1(1) 77-प्रशासन/18200—निदेशक, क्रय एवं भंडार परमाणु, ऊर्जा विभाग, श्री अरविन्द पण्डा को अवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के मुख्य भंडारी श्री बजीरजन्द को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में

दिनांक 25-5-79 में 30-6-79 (अपराह्न) तक तदर्थ स्पष्ट से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय
महायक कामिक अधिकारी

नाभिकीय इंधन मम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 3 जून 1979

आदेश

सं० नाईस/प्रशा-5/20/1076—जब कि श्री बी० पी० श्रीवास्तव, कारिगर 'सी' जैड एफ० पी०, नाईस के रूप में कार्य करते हुए उन्हें 17-12-78 से मंजूर की गई 20 दिन की छुट्टी समाप्त होने पर 6-1-79 को इयूटी पर लौटने में असफल रहे।

और जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव को 17-12-79 को उनके स्थानीय व स्थायी पते पर तार भेज कर फौरन इयूटी पर आने का निदेश दिया गया था।

और जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव लगातार इयूटी से गैर हाजिर रहे।

और जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव के स्थानीय व स्थायी पते पर ज्ञापन सं० नाईस/प्रशा-II/बी०-60/जैड एफ० पी०/795, दिनांक 17-2-79 भेज कर सूचित किया कि यदि वे फौरन इयूटी पर नहीं लौटे तो उनके खिलाफ उचित कार्यवाही की जायेगी।

और जब कि दिनांक 17-2-79 का उक्त ज्ञापन जो रजिस्ट्री डाक पावती सहित उक्त श्री श्रीवास्तव के स्थानीय पते पर भेज गया था वो डाक विभाग के प्राधिकारियों द्वारा टिप्पणी "बी०पी० श्रीवास्तव अपनी माताजी (जो नाजुक स्थिति में है) से मिलने गृह स्थान गए हैं व एक महीने बाद लौटेंगे" के साथ बिना वितरित किए आपिस लौटा दी।

और जब कि दिनांक 17-2-79 का उक्त ज्ञापन जो विहार में उनके गृह नगर भेजा गया था वो भी टिप्पणी "इस पते वाला बिड़ा पता बताए चला गया, भेजने वाले को आपिस", के साथ बिना वितरित किए आपिस लौटा दिया गया।

और जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव लगातार गैर हाजिर रहे व नाईस को अपना अता पता बताने में असमर्थ रहे।

और जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव छुट्टी समाप्त होने के बाद इयूटी पर न लौटने व अपनी मर्जी में सेवा का परित्याग करने के अपराधी हैं।

और जब कि नाईस को अपना अता पता बताए दिना सेवा का अपनी मर्जी से परित्याग करने के कारण निम्न हस्ताक्षरकर्ता इससे संतुष्ट है कि नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 41 उपवन्धों के अभीन जांच आयोजित करना व्यावहारोचित नहीं है।

और अब, इसीलिए, निम्न हस्ताक्षरकर्ता नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 41.8 के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के अपेक्षण सं० 22(1)/68-प्रशा०, दिनांक 3-12-70 तथा नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 42 के साथ पठित सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) 1965, के नियम, 19(11) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से सेवा से अलग करते हैं।

एन० कोण्ठल राव
मुख्य कार्यपालक

हैदराबाद-500 762, दिनांक 9 जून 1979

आदेश

सं० नाईस/प्रशा-5/20/1147—जब कि श्री सी० जर्मीया महदगार 'बी' एफ० एफ० पी०, के रूप में कार्य करते हुए बिना किसी पूर्व अनुमति के 19-12-1977 से गैर हाजिर है। व नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 34 व 39(5) के अनुसार वो दुश्चरण किया है।

और जब कि उक्त श्री जंगेया को उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों की सूचना ज्ञापन सं० नाईस/प्रशा-5/20/1855, दिनांक 15-11-1978 द्वारा दे दी गई थी जिसमें उन्हें प्रस्तावित कार्यवाही के खिलाफ ज्ञापन मिलने की तारीख से 10 दिन के भीतर प्रतिनिधान करने का अवसर दिया गया था।

और जब कि उक्त श्री जंगेया ने उक्त तारीख 15-11-1978 का ज्ञापन 20-11-1978 को प्राप्त कर लेने के बावजूद भी अपना स्पष्टीकरण दाखिल करने में असफल रहे।

और जब कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच के लिये दिनांक 15-12-1978 के आदेश द्वारा जांच आयोजित करने के लिये एक जांच अधिकारी नियुक्त किया गया।

और जब कि जांच अधिकारी ने उक्त श्री जंगेया के खिलाफ लगाए गए आरोपों को मिछ करते हुए एक तरफ जांच रपट 23-4-79 को दाखिल कर दी क्योंकि श्री जंगेया जांच के समय उपस्थित होने में असफल रहे।

और जब कि मामाले के अभिलेखों व जांच रपट का सावधानी से अध्ययन करने के बाद निम्न हस्ताक्षरकर्ता इस अन्तिम नतीजे पर पहुंचे कि श्री जंगेया को सेवा से बखासित कर दिया जाना चाहिए।

और जब कि उक्त श्री जंगेया को ज्ञापन सं० नाईस/प्रशा-5/20/959, दिनांक 16-5-79 द्वारा रजिस्ट्री डाक पावती सहित उनके स्थानीय व स्थायी पदों पर एक कारण बताओ नोटिस भेजी गई जिसमें उन्हें पुछा गया कि क्यों न उन्हें सेवा से बखासित कर दिया जाए।

और जब कि उक्त श्री जंगेया उक्त ज्ञापन 21-5-79 को प्राप्त कर लेने के बावजूद कारण बताओ नोटिस के प्रति अपना प्रतिनिधान दाखिल करने में असमर्थ रहे।

अब, इमलिये निम्न हस्ताक्षरकर्ता नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 41 के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22(1)/68-प्रशा० दि० 3-12-70 तथा नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 42 के साथ पठित, सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) 1965 के नियम, 19 (11) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उक्त श्री जंगेया को इससे तत्काल प्रभाव से सेवा से बखास्त करते हैं।

यू० वासुदेव राव
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

हैदराबाद—500762, दिनांक 27/31 मई 1979

जापान

सं० नाईम/प्रशा०-5/20/1055—जापान सं० पी० ए० आर०/0702/जी०-77/3380, दिनांक 18-1-1978 के साथ पठित नियुक्ति का प्रस्ताव (पत्र सं० पी० ए० आर०/0702/3192, दिनांक 1-1-1978) व साथ में जापान सं० पी० ए० आर०/1001/297, दिनांक 25-1-1979 के अनुसार, निम्न हस्ताक्षरकर्ता तत्काल प्रभाव से श्री के० गणेश मधुदग्धर 'ए' जैड० ओ०पी०, नाईस, की सेवाएँ समाप्त करते हैं। श्री गणेश, उनके एक महीने के बेतन व भर्तों की रकम के समकक्ष रकम का दावा करने के हकदार होंगे उन्हीं दरों पर, जिन दरों पर वे सेवा समाप्ति के पहले तक बेतन आदि प्राप्त कर रहे थे। यह नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 45 के मुताबिक नोटिस अवधि के बदले में है।

श्री गणेश को सलाह दी जाती है कि वे उनकी भव पास, सुरक्षा बैज व अन्य सरकारी सामान्य जो उन्हें दिया गया को फौरन प्रबन्धक, जैड० ओ०पी०, के पास जमा करा दें तथा लेखा अधिकारी, नाईस से अपना बकाया प्राप्त कर लें।

यू० वासुदेव राव
प्रशासन अधिकारी

सं० 020/3/(061)/पी०/79—इसरो उपग्रह केन्द्र के निम्नलिखित अधिकारियों की उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर और तारीखों के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पूर्णतया अस्थायी और अनन्तिम रूप में पदोन्नति करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पद और ग्रेड जिससे पदोन्नति की गई है	पद और ग्रेड जिस पर पदोन्नति की गई है	तारीख
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1. एस० बी० कुलश्रेष्ठ	तकनीकी सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एम० बी०'		1-4-1979
2. एम० आर० राधवेन्द्रन	तकनीकी सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'		1-4-1979

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपकम-603 102, दिनांक 2 जुलाई 1979

सं० एम० ए० पी० पी०/3(1315)/79 प्रशा०— विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के निदेशक, स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' तथा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० श्री के० नटराजन को 23 मई 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

के० बालकृष्णन
प्रशासनिक अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी० ए० पी० पी०, दिनांक 16 जुलाई 1979

सं० टी० ए० पी० एस०/2/1429/78—मूल विभाग में प्रत्यावासन होने के फलस्वरूप श्री डी० जी० कटारिया, अनुभाग अधिकारी (मेखा), परिचम रेलवे तथा तारापुर परमाणु बिजलीघर में प्रतिनियुक्त सहायक लेखा अधिकारी ने इस बिजलीघर में अपने पद का कार्यभार दिनांक 30 जून, 1979 (प्रपराह्न) से छोड़ दिया।

ए० डी० देसाई
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलौर-560 058, दिनांक 14 जून 1979

सं० 020/3/(061)/ए०/79—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर और तारीखों के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पूर्णतया अस्थायी और अनन्तिम रूप में नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	तारीख
1.	नरेन्द्रनाथ रेड्डी डी० इंजीनियर एस० बी०		23-1-1979
2.	सुरेन्द्र कुमारव्यास इंजीनियर एस० बी०		3-5-1979

निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में निम्नलिखित अधिकारियों की उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर और तारीखों के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पूर्णतया अस्थायी और अनन्तिम रूप में नियुक्त करते हैं:—

1	2	3	4	5
3. के० टी० रामप्रसाद	तकनीकी सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979	
4. अजीत फडनीस	तकनीकी सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979	
5. के० एस० वालन	तकनीकी सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979	
6. एम० एस० फडके	वैज्ञानिक सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979	
7. के० एन० सुधाकरन	वैज्ञानिक सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979	
8. एल० निकोलस	वैज्ञानिक सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979	
9. एन० वृद्धिरामन चेट्टियार	वैज्ञानिक सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979	
10. एम० बी० रामकृष्णा	तकनीकी सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979	

एस० सुब्रह्मण्यन्,
प्रशासन अधिकारी II

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1979

सं० ए० 38013/1/79 ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्री एल०पी संभूतल, तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई ने दिनांक 30-6-1979 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

ह० ल० कोहली
निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1979

सं० ए० 12025/3/71-ई-I—इस विभाग की दिनांक 16-4-1979 की अधिसूचना सं० ए० 12025/3/71-ई- के क्रम में महानिवेशक नागर-विमानन ने श्री के० के० शर्मा की नागर विमानन विभाग में हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 30-6-1979 के बाद, छः माह के लिये प्रथम पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो जारी रखने की मंजूरी दे दी है।

सं० ए० 19014/169/72-ई-I—सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर भारतीय सांख्यिकीय सेवा ग्रेड के अधिकारी श्री पी० सी० माथुर, ने दिनांक 31-3-1979 को नागर विमानन विभाग में सांख्यिकीय अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 32013/8/78-ई-I—राष्ट्रपति ने श्री आर० एन० मन्जुमदार, उपनिवेशक विमानमार्ग एवं विमान क्षेत्र (परिचालन) को दिनांक 8 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में निवेशक, विमान मार्ग एवं विमान क्षेत्र (परिचालन) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12022/1/79-ई-I—राष्ट्रपति, ने श्री के० एस० वेदी को दिनांक 12 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में सांख्यिकीय अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है। इस विभाग की दिनांक 3-5-1979 की अधिसूचना सं० ए० 12025/1/79-ई-I को एतद् द्वारा रद्द किया जाता है।

सी० के० अस०
सहायक निवेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 17 जुलाई 1979

सं० 1/120/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिवेशक एतद् द्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक श्री नरेश गंभीर को 5 मई, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 1/409/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिवेशक एतद् द्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री आर० आर० नालकूर को 26 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक नियमित आधार पर कलकत्ता शाखा में स्थानापन्न रूप से उप-परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/439/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिवेशक एतद् द्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक श्री डी० पी० नास्कर को अल्पकालिक खाली जगह पर 11-12-78 से 25-4-1979 (दोनों दिनों समेत) तक की प्रवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 जुलाई 1979

सं० 1/391/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिवेशक एतद् द्वारा पुर्ण शाखा के तकनीकी सहायक, श्री जे० के० गंग को तदर्थ आधार पर 21 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से 15 अगस्त, 1977 (दोनों दिनों समेत) तक की अवधि के लिये और नियमित आधार पर 16 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहोत्रा
उप निवेशक (प्रशासन)
कृते महानिवेशक

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय,

देहरादून, दिनांक 17 जुलाई 1979

सं० 16/332/79-स्थापना-I—अध्यक्ष, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री एम० रंगाराजन, अण्डेमान निकोबार बन विभाग के सहायक अरण्यपाल को दिनांक 5 जून, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष सहायक शिक्षक, पूर्वी बन राजिक महाविद्यालय, कुसियोंग, नियुक्त करते हैं।

गुरदयाल मोहन
कुल सचिव,
बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बड़ौदा

बड़ौदा, दिनांक 13 जुलाई 1979

सं० 9/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद-II के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'क', 'ख' के अधीक्षक आर० एच० पटेल वृद्धावस्था पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-79 के, अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 10/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद-II के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'क', 'ख' के अधीक्षक श्री जी० आर० पटेल वृद्धावस्था पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-1979 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

जे० एम० वर्मा
समाहर्ता

नागपुर, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 4—इस समाहर्ता थेन के अधीन (आर० बी० सी०/लैंडा) श्री बी० जी० ताम्हजे निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30-6-1979 के अपराह्न से सेवा मुक्त हो गये हैं।

के० घंकररामन,
समाहर्ता

इन्दौर, दिनांक 18 जुलाई 1979

सं० 9/1979—निम्नलिखित निरीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (प्र० श्र०) की अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी (ख) के पद पर पदोन्तति होने पर उन्होंने उनके नाम के सामने

दर्शाइ तिथि से अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी (ख) के पद के कार्यभार ग्रहण कर लिए हैं।

क० अधिकारी का नाम	तीनात का पद	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
सं०		

सर्वेश्वी :

1. ए० टी० वेणुमुख	अधीक्षक (निवारक) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग, रायपुर	10-5-79
2. जी०एम० दातेराव	अधीक्षक (निवारक) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रभाग, इन्दौर ।	29-6-79

शिवन किशन धर
समाहर्ता

दक्षिण पूर्व रेलवे

कार्यालय, महाप्रबन्धक

कलकत्ता-43, दिनांक 23 जुलाई 1979

सं० पी०/जी०/14/डी०/2/कान्फ/पार्ट-II—इस रेलवे के लेखा विभाग के श्री शिवाजी रक्षित, अवर वेतनमान (श्रेणी-I) अधिकारी का पुष्टीकरण इस रेलवे के उक्त विभाग में अवर वेतनमान (श्रेणी-I) में दिनांक 16 जुलाई, 1977 से किया जा रहा है।

जे० एस० डी० डेविड,
महाप्रबन्धक

अचल सम्पत्ति का आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2691 (4) के अन्तर्गत निहित करने से सम्बन्धित अधिसूचना

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अधिग्रहण रेंज-I का कार्यालय, 54, रफी अहमद किलवाई रोड कलकत्ता-16 ।

कलकत्ता-16, दिनांक 23 फरवरी 1979

सं० एस० 63/354—एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि चौरंगी रोड, स्थित सम्पत्ति संख्या 46/1 ए, का अधिग्रहण, एतद्वर्ती विधिवत् प्राधिकृत अधिकारी श्री सी० आर० वे, कार्यकारी अभियन्ता, कलकत्ता सी० डी०-1, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, कलकत्ता ने 1 दिसम्बर, 1978 को आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2691 की उपधारा (1) / (2) में निहित उपबन्धों के अनुसार, कर लिया है। अधिनियम, की धारा 2691 की उपधारा (4) के अनुसार उक्त सम्पूर्ण सम्पत्ति, उपर्युक्त तारीख से बिना किसी ऋण भार के केन्द्रीय सरकार में निहित है।

आई० बी० एस० जुनेजा
(सभम प्राधिकारी)
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अधिग्रहण रेंज-I कलकत्ता

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय
 (कम्पनी कार्य विभाग)
 कम्पनी विधि बोर्ड
 कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और नाथन ट्रॉसपोर्ट
 प्रा० लि० के विषय में

मद्रास, दिनांक 20 जुलाई 1979

सं 3710/560 (3)/79—कम्पनी अधिनियम 1956 की
 उपधारा 3 के अनुसरण में ऐतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है

कि इस सारीख से 3 मास के अवसान पर नाथन ट्रॉसपोर्ट प्रा०
 लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शात ना किया गया तो
 रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर
 दी जाएगी।

(सी० अधुतन)

सहायक कम्पनीयों का
 रजिस्ट्रार, मद्रास

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मई, 1979

निदेश सं० बी५८३/अर्जन/७९-८०—अतः, मुझे श्रमर सिंह
विसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० 274.38 वर्ग मीटर भूमि है तथा जो
मौजा दोलतबाग, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावस्था
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
20-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा(1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्चात् :—

1. रहस उदीन अहमद

(अन्तरक)

2. देवी सिंह व अन्य क्रेता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

आराजी जिसका क्षेत्र फल 274.38 वर्गमीटर है जोकि
मौजा दोलतबाग, जिला मुरादाबाद में स्थित है व सम्पत्ति का वह
सब विवरण जोकि फार्म 37 जी० नं० 5268 तथा सेलडीह में
वर्णित है और जो सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में
दिनांक 20-11-78 को दर्ज है।

श्रमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख 15-5-1979

मोहर :

प्रखण्ड प्राई० टी० एन० एस०—————

प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मई, 1979

निदेश सं० बी-84/79-80—अतः मुझे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष(1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा दोलताहा, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्राकृत प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अक्षरण विधित में वान्धविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण में दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किला के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किला के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष(1) की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रहिन उदीन प्रह्लाद

(अन्तरक)

2. श्री भूदेवंशि व अन्य खरीदार

(अन्तरिती)

हो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना ती नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में भी किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ दोगा जो उप अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

आराजी जिसका क्षेत्र फल 154.60 वर्गमीटर है, जो कि मौजा दोलताहा, जिला मुरादाबाद में स्थित है व सम्पत्ति का वह सब विवरण जोकि फार्म 37-जी नं० 5268 तथा सेलडीड में वर्णित है और जो सब रजिस्टर मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 25-11-78 को दर्ज है।

आयकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 15-5-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईडी० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई, 1979

निवेश सं० के-86/अर्जन/79—प्रतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारब है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो मो० महारामा गांधीनगर, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-11-78

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारब है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तररण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तररण निम्नित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है। —

(क) अन्तररण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विविध में कमी करने या उसमें बदलने के सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किनो आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम ना बारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्याम रमन शुक्ला

(अन्तरक)

2. मै० कपूर एण्ड संस

श्याम सरन शुक्ला

(अन्तरिती)

3. श्री श्याम सरन शुक्ला

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अस्त्र व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर वदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता आहोता टीनपोश मय जुत ला व अमला तादावी 38. 21 वर्ग मीटर वाके मोहन्ला महात्मा गांधी नगर, मुरादाबाद व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 5459/78 में वर्णित है जोकि सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 28-11-78 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख 10-5-1979

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एव० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक: 22 जून, 1979

निदेश सं० पी-71/ए०सी०क्य०/79-80—अतः मुझे
अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है और

और जिसकी सं० है तथा जो चौह बाजार,
नजीबाबाद, जिला बिजनौर में स्थित है (और इसमें उपावढ
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रेक्टर प्राधिकारी
के कार्यालय नजीबाबाद में रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 17-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच (ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षरण लिखित में वास्त-
विक रूप से फैलित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य परिस्थियों
को, जिन्हे मार्टिय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269वा की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यातः—

3 -186GI/79

1. श्रीमती ऊपा राजी

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुणा कुमारी

(अन्तरिक्षी)

3. श्री अम्बुल रहमान, मौद्यामीन,
मो० नईम

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कियायेदार

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अवोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दुकान जिसका क्षेत्र फल 43 मुरब्बा गज, है जो
कि चौक बाजार, नजीबाबाद जिला बिजनौर में स्थित है व
सम्पत्ति का वह सब विवरण जो भेलडीड व फार्म 37-जी में
वर्णित है और यह रजिस्ट्रार नजीबाबाद के कार्यालय में दिनांक
17-11-78 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 22-6-79

मोहर :

पत्र प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 जुलाई 1979

निदेश नं० के-87/ग०सी०क्य०/—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० बी-८ है, तथा जो एच० रोड, महानगर इकट्ठनसन स्कीम लखनऊ, में स्थित है (ग्राउंड इमें उपावद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूपमें वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिति (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया यथा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित महीं किया गया है:-

(६) प्रम्तरण में दुई किसी आय की वारा 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तर्क के वायिक में कमी करने या उसमें रखने में सुविधा के लिए; और/वा

(७) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य पासिनियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्राधिनियम, या बनकर प्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

पत्र: प्रब, उक्त अधिनियम, का भारा 269-व के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, बर्बाद ।-

1. श्री वै० वी० जिन्दल एवं ए० सी० गुप्ता

(अन्तरक)

2. श्रीमतीं कुण्ठम अश्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविस्तरों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविस्तरों में से किसी अविस्तर द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविस्तर द्वारा, अधोधस्ताकारी के पान लिखित में किये जा सकेंगे।

संषोधन :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रत्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ द्वारा, जो उस सम्बन्ध में दिया गया है।

सुनुदृष्टि

भूमि प्लाट नं० बी-८, जोकि 103325 स्क्वायर फीट है तो एच० रामड, महानगर एवं टेशन स्कॉम लखनऊ, में स्थित है और सम्पत्ति सेलडील का भूम्पूर्ण विवरण फार्म 37-जी नं० 5102 में वर्णित है। तो कि सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 3-11-78 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 5-7-1979
मोहर

प्रलेप प्राईंटॉ एनॉ एसॉ—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 जुलाई, 1979

निवेश सं० एम-175/ए० सी० कम०/79-80—अतः मुझे अमर मिहि बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयाम करने का रागण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और

और जिसकी सं० 941 है तथा जो मो० मट्टी बाजार, मिर्जापुर में स्थित (और इसमें उपावद्ध अनुसूचा में छाँट जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्नी अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

20-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिहास के लिए अन्तरित की गई है और यु० प० ए० (उपावद्ध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्राप्तरूप में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षरूप (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निष्ठनियित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वान्नविकृष्ट से कठित नहीं किया गया है।

(क) प्रभारण में दूर्वा किसी प्राय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसो किमा आय या किसी धन या दृश्य प्राप्तियों वा० जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यह उक्त अधिनियम की धारा 269-व के दृश्यरूप में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्धा (1) के अधीन, लिखनियित अविक्तियों, अवृत्ति:—

1. श्री प्रेम नाथ खान्डेलवाल (अन्तरक)
2. श्रीमती शान्ति देवी (अन्तरिती)
3. प्रिसींपल जू० टे० कालेज, महिना मिर्जापुर (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्ति के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्ति के सम्बन्ध में कोई वी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्तान्तरी के पास लिखित ने किया जा सके।

संबोधकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अवृत्त होगा जो उस प्रधारण में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान पक्का 72000 वर्ग फुट पर बना हुआ जिसका नं० 941 है, और जो मोहल्ला मट्टी, रोड मिर्जापुर पर स्थित है तथा गम्भीर का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37 जी मंस्या 5310 में वर्णित है जोकि रजिस्ट्रेशन अथारिटी कलकत्ता में के कार्यालय में दिनांक 20-11-1978 को दर्ज हुए हैं।

अमर मिहि बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड, लखनऊ

तारीख 5-7-1979
मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 जुलाई, 1979

निदेश सं० प्र०-177/अर्जन/79-80—अतः मुझे अमर मिह
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की बारा
269-घ के प्रधीन समस्त प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम भद्रोगा, रामपुर रोड,
मुरादाबाद में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुमूर्चा में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय
मुरादाबाद में रजिस्ट्रेक्टर अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन 17-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
छट्टेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी ग्राम की बाबत उक्त, अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः, घब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनु-
बरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपबारा
(1) के अन्तीन, निम्नलिखित अवित्यों, प्रथातः:—

1. श्रो मोहम्मद उममान मुर्की, अब्दुर मजीद
(अन्तरक)
2. संजय गोयल पुत्री मनीषाम चन्द्र गोयल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
तार्याहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होंगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुमूर्चा

एक किता इमारत कारखाना मए आराजी तस्ती व सहन
1818.83 वर्ग मीटर बाके ग्राम भड़बोरा, रामपुर रोड,
मुरादाबाद व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड तथा
फार्म 37-जी, संख्या 5222/78 में वर्णित है जोकि सब
रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 17-8-78 को
पंजीयूत हो चुकी है।

अमर मिह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ
तारीख 20-7-79
मोहर:

प्रकाश शाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ब (1) से प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिण्डा,

भटिण्डा, दिनांक 20 जुलाई, 1979

निदेश मं० 576/भटिण्डा/79-80—वतः मुझे भुद्धेव चन्द्र
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ब
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है।

श्रीर जिमकी मं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो भटिण्डा में
स्थित है (आंग दूसरे उपायद्वारा अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण स्वप्न में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे अधीन
दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य को बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन, कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1951 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के सुविधा के लिए;

वतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ब की उपषारा (1)
प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी अवृत्ति:—

1. श्रीमती राजेन्द्र कांडा, पत्नी गुरचरण मिह
जी०-1, पुलिम स्टेशन, पालियामेट स्टूट, नई दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्री गिवदेव मिह पुत्र ईश्वर मिह
ट्लाट नं० 521-सी, केज नं० 1, अरबन स्टेट,
भटिण्डा ।
(अन्तरिती)
3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में निम्ना है ।
(वह अविता, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो अवित सम्पत्ति में सचि गखता है ।
(वह अवित जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्त्वबन्धी अवितयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवितयों में से किसी अवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
र्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लाट अरबन स्टेट, भटिण्डा में जैमा कि विलेख नं०
4384 दिसम्बर, 78 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा
है ।

सुखदेव चन्द्र
सक्रम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिण्डा

तारीख 20-7-79
मोहर

प्रलेप आई० टी० एन० पैस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 20 जुलाई 1979

निदेश सं० ए० पौ० 577/फिरोजपुर/79-80—यतः मुद्रे
सुखदेव चन्द्र

प्रादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि मिथावा सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती बालोचाथली, में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्य (अन्यरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरूपण के लिये तब पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरूपण लिखित में वर्णित रूप से कथित नहीं निराला है :—

(क) अन्तरा से दृढ़ रूप सार जो आवत् इस अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

(ख) ऐसो नियो आर या कियो इन या अन्य मास्तियों, को जिन्हें पार्टीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय इत्तरांती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया आना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवस्ति :—

1. मोहिन्द्र कौर पत्नी दशबारा सिंह बासी बस्ती बालोचावाली, फिरोजपुर (अन्तरक)
2. श्री दर्शन लाल पुत्र श्री किशोर लाल बासी बस्ती बालोचावाली, फिरोजपुर (अन्तरिक्षी)
3. जैगाकि ऊपर नं० २ में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति समाजिसंघ रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आयो छठे पूर्वोक्त समाजिसंघ के अवैत के लिए कार्यालय छठता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रमेत के संबंध में कोई भी माने :-

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी चाही, के भीतर एवं उन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें पुक्का गव्वों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाराय 20-क में परिचायित है, वही वर्ण होगा, जो उस प्रधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान, बस्ती बालोचावाली में जैसा कि विलेख नं० 4479 दिसम्बर, 78 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भटिण्डा
तारीख 20-7-79
भीहर

प्रकृष्ट प्राइंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अप्पुकुल (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक: 20 जुलाई, 1979

निदेश सं० ए० पी० 578/टी० एम०/79-80—यतः मूल्ये
मुख्यदेव चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उत्तिन बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुगूची में है तथा जो भौज मण्ड़ी में
स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रन्तमूच्ची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी वे कार्यालय तलवर्ती राथ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर, 1978

को दूर्वाहन सम्भालते हुविं बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कल के लिए प्रत्यारेत की गई है और मूल्य यह विषयास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परदेश
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) वे बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाता गया
प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त यज्ञरण विवित वे
वास्तविक क्षम संघित नहीं हिता गया है:—

(क) प्रभारण ७ तुइ किसी धारा की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा है
निए; तथा

(ब) ऐसी किसी आय या निसी धारा या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
छनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती ताता पक्ष नहीं। या
गया था या किसी आना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा है तिए;

बता ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपाधा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. पूर्ण चन्द्र पुत्र मुकुचीराम
और मण्डी, भटिण्डा

(अन्तरक)

2. श्री मतीश चन्द्र, देम राज, देव राज, ब्रह्मवत्त, हेमराज,
मुपुव हरीराम, ढारा मैं हरीराम देमराज आकृति
और मण्डी, भटिण्डा ५

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

हो यह सूचना आने हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्याप्त के
निए कार्यालियां करता है।

उक्त सम्भालते प्रबंध के संबंध में काई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रबंधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
नामीन में 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद में
समाप्त होनी द्वा०, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
प्रिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित
है, वही प्रयं द्वागा, जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान, और मण्डी में जैसा कि विलेख नं० 1552 दिसम्बर,
1979 रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी तलवर्ती, साकु में लिखा है।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अप्पुकुल (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिण्डा

तारीख 20-7-79
मोहर:

प्रकल्प आई०टी०एन०एम०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 20 जुलाई, 1979

निदेश सं० ए० पी०-५७९/टी एल/७९-८०-अतः मुझे
सुखदेव चन्द्र

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269व के अधीन मकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थानीय संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथ्य जो भौग मण्डी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलबती साबू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1978 की

पूर्वोंकर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिगत प्रतिकल के लिए अन्तर्रक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यहाँपूर्वोंकर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिगत से ऐसा है और अन्तर्रक्त (अन्तररक्तों) और प्रस्ताविती (अन्तरितियों) व वीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया अस्तरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण नियित में वास्तविक अस्तरण नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्य में कर्मी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; प्रोग्राम।

(ल) ऐसी किसी आय या निसी धन या सम्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाता वाहिण वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

तब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पूर्ण वन्दपुत्र मुख्यी गम पूर्ण दीप गम,
बांड नं० 9-1/ए, भौग मण्डी

(अन्तरक)

2. मर्व श्रो मतीश चन्द्र, देमगाज, देव राज, ब्रह्म दल,
देमगाज सुपुत्र हरीराम, द्वारा हरीराम देमगाज, आदर्ती
भौग मण्डी

(अन्तरिती)

3. जैसाफि ऊर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हच्छा है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रीघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

जो यह सूचना तारीख र्वॉक्स सम्पत्ति के अवैर के लिए लिखियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रवध में काँसा आधार:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में उदायन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर नंपानि में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिखा जा पड़े।

उपर्योग:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान भौग मण्डी में जेमा कि विलेख नं० 1570 दिसम्बर, 28 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलबती साबू में लिखा है।

सुखदेव चन्द्र
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख 20-7-79
मोहर:

प्रकाश प्राईटी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 20 जुलाई, 1979

निदेश सं० ए० पी० 580/फिरोजपुर/79-80—अतः मुझे
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है।

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो फिरोजपुर
छावनी में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में भी जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त यस्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तररक्त) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रस्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रबन्ध नियम में वास्तुशिक्षण से कठिन नहीं किया गया
है :—

(क) प्रस्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर केने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्रास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए;

प्रत। दूब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपशारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित अविक्षयों, पर्याप्त है—

4-186GI/79

1. पार्वती देवी विधवा कहैया लाल
द्वारा उत्त लाल जैन, पुत्र जी० ५०,
गली नं० 1, फिरोजपुर छावनी।
2. सर्वे श्री हुकम चन्द, मेहरचन्द, रामप्रकाश, सतपाल
सुपुत्र गुरदिना मल, बाजार, नं० 8 फिरोजपुर छावनी
(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अंतर्गत में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसं
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान गली नं० 1, फिरोजपुर छावनी जैमा कि विलेस्ट्र
नं० 4914 जनवरी, 1979 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर
में लिखा है।

सुखदेव चन्द

सकम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिण्डा

तारीख 20-7-79

मोहर :

प्रकृत प्राईंटी एन०एस०

प्रातः प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के प्रधीन पुर्वाना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई, 1979

निदेश सं० ए०पी० 301/ए०आर०-III/1685/5/78-79-

—अतः मुझे बी० एस० शेषादि

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहलात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से प्रधिक है, और जिसकी सं० ए० 9 नं० 90 हिंने 01 (अंग)
1/1 सी० टी० एम० नं० 1766 है तथा जो चेंबूर विलेज में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूचि में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

30-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिक्षल में ऐसे दृश्यमान प्रतिक्षल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रष्टिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिक्षल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया
गया है :—

(क) प्रस्तरम से उक्त लिखी प्राप्त का बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी वन या घन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावृत्त
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
नहीं चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए;

अतः प्रवृत्त प्रधिनियम सो धारा 269-घ से अनुसूचि में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपलाप (1) के
प्रधीन विभिन्नतियों, अवृत्त :

1. श्री ला० पांडीरी भसाय सभीकल मिशन (बाब्बे यूनिट)
(अन्तरक)
2. श्री मूलचन्द जवेरखन्द मोमया
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सूचना के प्रधीन के संबंध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाइ
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में ये
किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
घन्य अविक्षित द्वारा, प्राप्तोद्दत्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एवंकीरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० ए० 1857/77, उप रजिस्टर
प्रधिकारी बम्बईन्डारा दिनांक 30-11-78 के रजिस्टर्ड किया
गया है।

बी० एस० शेषादि
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
आयकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, बम्बई

तारीख 28-5-79

मोहर :

प्रख्युक्त आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 जुलाई, 1979

निदेश सं० ए० आर०-I /4080-22/अक्तू० 79-अतः मध्ये
झी० एस० शेषाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० सी० एस० 1/1071 है, तथा जो गिरगांव
छिविजन में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 6-12-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपबारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. श्री ईश्वरलाल भगतलाल दलाल
- (2) श्रीमती रंजन ईश्वरलाल दलाल
- (3) मधुसुदन ईश्वरलाल दलाल

(अन्तरक)

2. मैरसं नन्द इंटरप्रेटेस

(अन्तरिती)

3. (1) बैंक आफ इण्डिया
- (2) शहा बी एन
- (3) सी० बी० पटेल
- (4) एल० आर० शहा
- (5) वेलबाई मुलजी शाह
- (6) पोपटलाल गिरधरलाल

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य का द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्य द्वारा, अप्रोइस्टाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोधकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूचि

अनुसूचि जैसा कि लिखेख नं० 712/78/बम्बई, बम्बई¹
उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 6-12-78 के रजिस्टर
किया गया है।

झी० एस० शेषाद्री
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख 24-7-79

मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली-1, विनांक 20 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/7-79/362-अतः
मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-प
के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी-II,/38 है, तथा जो सफदरजंग डबलपर्सेट
एरिया, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 4-12-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान
प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उत्तरण से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है :—

(क) अस्तरण स हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या इससे बनने में सुविधा के लिए;
और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या मध्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अनु: यद्युपर्याप्त अधिनियम की आरा 269-प के अनुसरण में,
मेरुदण्ड उक्त अधिनियम की आरा 269-प को उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों व्यर्थता :—

1. श्री आशाराम अग्रवाल सुपुत्र श्री सालियाराम
निवासी "जीवन दीप", कौशी मंजिल, पालियामेंट स्ट्रीट
नई दिल्ली-110001

(अन्तरक)

2. श्री राजीव ग्रोवर सुपुत्र श्री के० एल० ग्रोवर
निवासी 20-बी/I, वेशबन्धु गुप्ता रोड, देव नगर,
नई दिल्ली-110005।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
कायंवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तक सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
मध्य व्यक्ति द्वारा अवोहन्सित व्यक्तियों के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

उपर्युक्तरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रन्थालय 20क में परिभाषित है, वही
मध्य होगा, जो उस ग्रन्थालय में विद्या गया है ।

अनुसूची

एक द्वाई मंजिला मकान, जो प्लाट नं० सी-I/38, थेवफल
316 वर्ग गज, सफदरजंग, डबलपर्सेट एरिया, महरौली, रोड,
नई दिल्ली-110016 में निम्न प्रकार से स्थित है :—

उत्तर :	सर्विस लेन
दक्षिण :	मड़क
पूर्व :	सर्विस लेन
पश्चिम :	माकन नं० सी-II/37

डी० पी० गोयल
सकाम प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, नई दिल्ली
तारीख 20-7-79
मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/ /नवम्बर-21/4517/
78-79/1925—ग्राम: मुक्त आर० बी० एल० अग्रवाल

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 10/81 है, जो तथा पंजाबी बाग दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और भूमि पह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्त
बाजार पूर्ण उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रस्तुरक
(प्रस्तुरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रस्तुरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चहेश से उक्त प्रस्तुरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तुरण से हुई किसी भाय को बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तुरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रम्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्राम: ग्राम, उक्त प्रधिनियम की द्वारा 269-प के प्रनुसारण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की द्वारा 269-प की उपद्वारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

1. प्रधान सिंह, सुपुत्र मरदार निर्मल मिहू,
डी-II/17, माडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरक)

2. सुदर्शन कुमार मलहोत्रा, सुपुत्र श्री के० सी० मलहोत्रा
तथा श्रीमती बीणा मलहोत्रा, पत्नी श्री एम० के०
मलहोत्रा, 42/1, डी० एल० एफ० इन्डस्ट्रीयल एरिया,
कीर्ति नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोष्टस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 536-11 वर्ग गज
निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व :	सर्विस लेन
पश्चिम :	रोड नं० 81
उत्तर :	प्लाट नं० 8 पर ब्लिंडिंग
दक्षिण :	प्लाट नं० 12 पर ब्लिंडिंग

आर० बी० एल० अग्रवाल

सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेज-II, दिल्ली

तारीख 21-2-79

मोहर :

प्रकृत प्राईडी टो० एन० एम०————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/नवम्बर-51/4547/
78-79/1925—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की प्राप्त 269-घ के अधीन संख्या प्राधिकारी को, यह विवास
करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है
और जिसकी सं० 4736/II, पार्ट-बी है, तथा जो 23-अन्सारी
रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्वा
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन नवम्बर 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से नप के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर जो कि सिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में बास्तविक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी अन्य प्राप्तियों
को जिस्ते भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
बया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, यह उक्त प्रधिनियम की प्राप्त 269-घ की अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की प्राप्त 269 घ की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, बर्चात् :—

- (1) श्री दिवान दौलत राय कपूर
सी-96, डिफेंस कालौनी, नई दिल्ली
- (2) श्री बी० के० कपूर,
सी-407, डिफेंस कालौनी, नई दिल्ली
- (3) श्री सी० एल० बहल
- (4) श्री हरी नाथ कपूर
- (5) श्री एच० एन० कपूर
- (6) श्रीमती शशी कपूर
- (7) श्रीमती शाम कपूर
सभी निवासी 4736, पार्ट-बी, 23 अन्सारी रोड,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मै० इ० ए० सी० ए० कन्मट्रक्शन कॉ०,
इनके प्रोपराईटर : श्री ए० पी० गुप्ता के द्वारा,
16/एफ-3, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बति के अन्तर्न के लिए
कार्यालयों करता है ।

उक्त सम्बति के अन्तर्न क सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो
भी प्रवधि वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षि द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अविक्षि द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे ।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और वर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस अन्याय में दिया गया
है ।

मुस्तकी

एक मंजिला बिलडिंग जोकि 1162 वर्ग गज क्षेत्रफल की
भूमि पर बनी हुई है, इसका नं० 4736, पार्ट-बी (नया) तथा
6147 (पुराना) है, 23-अन्सारी रोड, दिल्ली, नई दिल्ली
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

- | | |
|--------|---------------------------------|
| पूर्व | : अन्सारी रोड |
| पश्चिम | : जायदाद नं० 22 |
| उत्तर | : 45, चौड़ी सड़क |
| दक्षिण | : श्रीमती फिरोजा बेगम की जायदाद |

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, दिल्ली

तारीख 21-7-79

मोहर :

प्रकाश प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/नवम्बर-74/4489/

78-79/1925—आतः मुझे आर० बी० एम० अग्रवाल
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ई-108 पार्ट-ए है तथा जो मानसरोवर गार्डन
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी वे कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पक्षहूँ प्रतिफल प्रधिक है और प्रत्यक्ष
(प्रस्तुतकों) और प्रत्यक्षिती (प्रस्तुतियों) के बीच ऐसे
प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तुति में वास्तविक रूप से कष्टित
नहीं किया यथा है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचत उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तुतक
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुदिष्ठा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावें प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में मुदिष्ठा के लिए;

आतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपौत :—

1. गुलशन कुमार चावला; सुपुत्र श्री एम० एल० चावला
आई-24 कीर्ती नगर नई दिल्ली-15
(अन्तरक)
2. श्रीमती हरभजन कौर पत्नी एस० जोगिन्दर सिंह
59 नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करेंगा हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रधिधि या तस्वीचनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रधिधि
जो भी प्रधिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी गर्वित द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया
गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्र फल 477-75 वर्ग गज है और
नं० ई-108, पार्ट-ए, है, मानसरोवर गार्डन, बसाएदारपुर, गांव
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	: लेन
पश्चिम	: रोड
उत्तर	: प्लाट नं० ई-109
दक्षिण	: प्लाट नं० ई-107

आर० बी० एस० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, दिल्ली

तारीख 21-7-79

मोहर

प्रह्लप आई० टी० एम० एस०————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संशयक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979.

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/नवम्बर-75/4490/
78-79/1925—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन संशयक प्राधिकारी को, यह निवास करने का आरज
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० ई-108, पार्ट-बी, है तथा मानसरोवर गार्डन,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मूले यह विवास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है पौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) पौर ग्रन्तरकी
(अन्तर्दिविदों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निवित में
वास्तविक कर में अधिक नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण में नई किसी पाय को बानते, उक्त
अधिनियम के अस्तीन कर देते के ग्रन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे इच्छा में सुविधा के
लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें पारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1932 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
भयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए तथा छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः प्रद, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के ग्रन्तरक में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपलाभ (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों क्षम्भाति:—

1. जगदीश चन्द्र सचदेवा, सुमुत्र श्री आर० एल० सचदेवा
निवासी आई०-24, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-15
(अन्तरक)

2. श्री एस० सज्जन सिंह सुपुत्र एस० मेहर सिंह
निवासी 59, नाई बाला, करौल बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के प्रबंधन के मंत्रित्र में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रन्तरक्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रदूषक शब्दों भौर पदों का जो उक्त
अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही शब्द होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया गया
है।

बन्दूसूची

फोहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्र फल 477-75 वर्ग गज है और
नं० ई-108, पार्ट-बी, है, मानसरोवर गार्डन, बसारदारामुंगांव,
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है —

पूर्व :	लेन
पश्चिम :	रोड
उत्तर :	प्लाट नं० ई-109
दक्षिण :	प्लाट नं० ई-107

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख : 21-7-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संतुष्टाक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, दिल्ली;

नई दिल्ली, दिनांक 21 जूनाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० म० ०/ए० क्य०/II/नवम्बर-18/4434/78-
79/1925—अतः मुझे आर० वी० एल० अववाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया) है तथा जो, लोधियन रोड, काश्मीरीगेट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से फँकित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें मार्लीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविकृतियों, पर्याप्त :—

5—186GI/79

1. श्री पूरन मिह नारायण, मुख्य श्री आर० सी० नारायण, निवासी 919, काश्मीरीगेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. एलिया बिलडर्स एण्ड बान्टैक्टरम, प-18वी/ आमफ श्रीली रोड, नई दिल्ली, इनके हिस्सेदार आर० क० अववाल के द्वारा

(अन्तरिती)

3. मै० पावर टूल्स अपनाइंसेंस क० लि० (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पन्थ व्यक्ति द्वारा अदोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 767 (पुराना) 1558-1660 (नया) का 1/5 अविभाजित हिस्सा जिसका क्षेत्र फज 150 वर्ग गज है, लोधियन, रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में निम्न शकार से स्थित है :—

पूर्व : दिल्ली पोलोटैक्नीक

पश्चिम : लोधियन रोड

उत्तर : श्रोलनट बिल्डिंग दिल्ली पोलोटैक्नीक

दक्षिण : जायदाद नं० 1661

आर० वी० एल० अववाल

सक्षम प्राधिकारी

संतुष्टाक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख : 21-7-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
69-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/II/नवम्बर-19/4435
78-79/1925 अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया)
है तथा जो लोधियन गेट, विल्ली में स्थित है (और इससे
उपावद अनुसूची में प्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान
प्रतिफल का पञ्चांश प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए यथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(ब) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(च) ऐसी किसी आय या किसी बन या भव्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सुनील कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री एम० एल० गुप्ता
निवासी 547, गलो बहल, साहिब, काश्मीरी गेट,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मै० एशिया बिल्डर्स एण्ड कान्स्ट्रक्शन,
ए-18/वी, आसफ अली रोड, नई दिल्ली । इसके
हिस्सेदार श्री आर० के० अग्रवाल के द्वारा
(अन्तरिती)

3. मै० पावर ट्रूल्स अपलाइन्स कं० लि०
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन
के सिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे

ल्पन्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का अर्थ का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही प्रयं कोणा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 767(पुराना) 1658-1660 (नया) का
1/5 अविभाजित हिस्सा जिसका भेत्र फल 150 वर्ग गज के
लगभग है, लोधियन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में निम्न प्रकार
से स्थित है :—

पूर्व :	विल्ली पोलोटैक्सीक
पश्चिम :	लोधियन रोड
उत्तर :	ग्रालनट बिल्डिंग दिल्ली पोलोटैक्सीक
दक्षिण :	जायदाद नं० 1661

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, दिल्ली
तारीख 21-7-79
मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज II, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/नवभव-17/4433/
1925 अतः मुझे आर० बी० ए८० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और 767 (पुराना) 1658-1660 (नया) है तथा जो लोथियन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवभव, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुर्घमान प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व की उपधारा (1) अधीन अर्थात् :—

1. श्री अनिल कुमार, सुपुत्र श्री एन० ए८० गुप्ता 544, गलो बहूल संहित, काश्मीरी गेट, दिल्ली (अन्तरक)
2. एशिया बिल्डर्स एण्ड कास्ट्रक्शन टर्स, ए-18-बी, आसफ अली रोड, नई दिल्ली। इसके हिस्सेदार श्री आर० के० अग्रवाल के द्वारा। (अन्तरिती)

3. मै० पावर ट्रूस अपलाईंस के० लि० (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्बन्धित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया) का 1/5 अविभाजित हिस्सा जिसका क्षेत्र फल 150 एकड़ गज है लोथियन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है —

पूर्व	दिल्ली पोलोटैक्नीक
पश्चिम	लोथियन रोड,
उत्तर	ओपनट बिल्डिंग दिल्ली पोलोटैक्नीक
दक्षिण	जायदाद नं० 1661

आर० बी० ए८० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-II, दिल्ली

तारीख 21-7-79
मोहर

प्रकृष्ट प्राईंट ई। एम। एस।—

आवकर भ्रष्टियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली:

दिल्ली, दिनांक 21 जलाई, 1979

निदेश जं० आई० ए० आर०/एस्य०/11/नवम्बर/42/4538/
78-79/—प्रतः मुझे आर० बी० एस० अग्रवाल

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रष्टियम्' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिमकी सं० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया) है तथा जो लोधियन रोड, काशमीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाख्य अनुसूची में और जो पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-रेण अधिनियम 1908 (1908 का 156) के अधीन नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उसमें बचत में सुविधा के लिए; श्रीर/पा

(ख) ऐसी किसी प्राय वा किसी वर्त वा अन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय श्रावकर भ्रष्टियम्, 1922 (1922 का 11) वा उक्त भ्रष्टियम्, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत॑ अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 वा उक्त अधिनियम की धारा 269 वा उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षित ।—

1. श्रीमती शैल गुप्ता, पत्नी: श्री पौ. जी० गुप्ता,
1156, बड़ा बजार, काशमीरी गेट दिल्ली।
(अन्तरक)
2. प्रिया बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रैक्टर्स,
ए०-१८ बी०, आमकथली रोड, नई दिल्ली। इनके हिस्सेदार
श्री श्रीर. र० के० अग्रवाल वा द्वारा।
(अन्तरिती)
3. मै० पावरटूल्स आग्नाइन्स कं० लि०
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिरां करता है।

उक्त मंपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यक्तिपै :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मंवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की मंवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस यूक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास विवित में रिकार्ड जा गकेगे।

सम्मीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मंपत्ति के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया का)
1/5 अविभाजित हिस्सा जिसका क्षेत्र फल 150 वर्ग गज है
लोधियन, रोड, काशमीरी गेट, दिल्ली में निम्न प्रकार से
स्थित है

- | | |
|----------|-------------------------------------|
| पूर्व : | दिल्ली पीलोटैक्नीक |
| पश्चिम : | लोधियन रोड |
| उत्तर : | प्रोलनड बिल्डिंग दिल्ली पीलोटैक्नीक |
| दक्षिण : | जायदाद नं० 1661 |

आर० बी० एस० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली

तारीख 21-7-79

मोहरः

प्रस्तुप प्राईंटी०एन०एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश मं० आई० ए० मी० /एक्य०/II/नवम्बर-41/4537/
78-79—ग्रतः मुझे आर० बी० एल० प्रग्वालआपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सभी प्रायिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर प्राप्ति, तिनका उत्तिवार बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिमकी सं० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया) है तथा
जो लोथियन रोड, काशमीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तिवार बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुचित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्चान प्रतिफल के, ऐसे वृश्चान प्रतिफल का
सदृश उत्तिवार है और अन्तरह (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोद्धने प्रतिवर्ष के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अनुरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन रुप देने के अनुरक्त के दायित्व में
कमी करने या उसमें बदलने में भुविषा के लिए;
भीर/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

ग्रतः ग्रन्त, उत्तर अधिनियम जो धारा 269-न के अनुसरण
में, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्तः—

1. श्रीमती पुष्पा गुप्ता पत्नी श्री जी० मी० गुप्ता
1156, बड़ा बाजार, काशमीरी गेट, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. मै० एशिया बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रैक्टर्स,
ए-18/बी, आसफ अली रोड, नई दिल्ली। इनके हिस्सेदार
श्री आर० के० अप्रवाल के द्वारा।
(अन्तरिती)

3. मै० पावर टूल्स अपलाइन्स कं० लि०
(जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या समस्वास्थी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
कियो गये व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया) का
1/5 अविभाजित हिस्सा जिसका क्षेत्र फल 150 वर्ग गज के
लगभग है, लोथियन रोड, काशमीरी गेट, दिल्ली में निम्न प्रकार
में स्थित है :—

पूर्व :	दिल्ली पोलोटैक्नीक
पश्चिम :	लोथियन रोड,
उत्तर :	आलनट बिल्डिंग दिल्ली पोलोटैक्नीक
दक्षिण :	जायदाद नं० 1661

आर० बी० एल० प्रग्वाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख 21-7-79

मोहर :

प्रकाश आई०टी० एन० एस०—

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269वं (1) के प्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/नवम्बर-५०/४५४६/

७८-७९/१९२५—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
26९-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 2, 5, 7 केनाल रोड, है तथा जो सिविल लाइन्स
विजय नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) पन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के पन्तरक
के बायिक में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की आरा 26९-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 26९-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

1. श्री हबीबुर रहमना, सुपुत्र हाजी मोहम्मद
2, 5, 7 केनाल रोड, सिविल लाइन्स, विजय नगर,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री सावन कृष्णल, रुहानी मिशन सोसाइटी,
श्री एस० एस० दुग्ल के द्वारा 23/141, लोधी रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
सिये एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मानी अवधियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों
में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य अवधि द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका नं० 2, 5, 7 है और क्षेत्रफल 11,517 वर्ग
गज है, कैगल रोड, राजपुर गांव, सिविल लाइन्स, विजय नगर,
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व :	नजकगढ़ नाला
पश्चिम :	रोड
उत्तर :	अशोका फैक्टरी
दक्षिण :	सरकारी जमीन तथा श्री हरवन्स लाल की जमीन ।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली

तारीख 21-7-79

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/नवम्बर-47/4543/
78-79—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2, 5, 7 केनल रोड है, तथा जो सिविल लाईंस, विजय नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृहयमान प्रतिफल से ऐसे बृहयमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ए) प्रकारण से हुई किसी आय की बाबत, उन्नत प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाचिक में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रन्तसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री खूल्तीलूर गृहमान, मुपुत्र स्वर्गीय हाजी मोहम्मद ईजमाइल कक्षन, 2, 5, 7 केनल रोड, सिविल लाईंस, विजय नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री सावन कृष्णल रुहानी मिशन सोमाईटी,
श्री एस० एस० दुर्गाल के डारा 23/141; लोधी रोड
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यक होना चाहिए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सरसम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही प्रथम होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका नं० 2, 5, 7 है और क्षेत्रफल 11,517 वर्ग गज है, और केनल रोड, राजपुर गांव, सिविल लाईंस, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : नजफगढ़ नाला

पश्चिम : रोड

उत्तर : श्रोका फैक्टरी

दक्षिण : सरकारी जमीन तथा श्री हरबन्स लाल की जमीन ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख 21-7-79

मोहर :

प्रेस प्राईंट नं० ७८० एम०—
भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/पक्य०/II/नवम्बर-48/4544/
78-79 1925—अतः मुझे आर० वी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- ए० प्रथिक है,
और जिसकी सं० 2, 5, 7, केन्द्रल रोड, शिविल लाइन्स,
विजय नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाद अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन नवम्बर 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यदि विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रमत्तरक के दायित्व में कमी
करने वा उपर्युक्त वर्तने में मूलिका के लिए; और/या

(ख) ऐसी एकसी प्राप्त वा फिर धन वा अन्य प्राप्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरित अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावधि अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
युक्तियों के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
परण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत:—

1. श्री मोहम्मद नाबीर, खलीफा रहमता तथा हार्दिक
रहमान, सुपुत्र नवा श्रीमती जामानद हसीन तथा
इक्ताक-उल-नीसा, सुपुत्री स्वर्गीय श्री हार्जा मोहम्मद
इजमाईल, 9, 5, 7 केन्द्रल रोड, शिविल लाइन्स,
विजय नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सावन कृष्णल रुहानी मिशन सोसाईटी,
श्री एम० एम० दुग्लस के द्वारा 23/141, नोंधी रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रजन के
लिए कार्याद्वयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के ग्रजन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या ताम्त्रिकी अधिकारी पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी
में से किसी अधिकता द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे;
- (ख) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पति में हित-
वद किसी अन्य अधिकता द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापि-
भाषित है, वही प्रथे होंगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि जिसका नं० 2, 5, 7 है और क्षेत्रफल 1170 वर्गमीटर
है, केन्द्रल रोड, राजपुर गांव, शिविल लाइन्स, विजय नगर,
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व :	नजफगढ़ नाला
पश्चिम :	रोड
उत्तर :	अशोका फैक्टरी
दक्षिण :	सरकारी जमीन तथा श्री हरचन्द साल की जमीन :

आर० वी० एल० अग्रवाल
सभाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली

तारी 21-7-79

मोहूर :

प्रकल्प आई० ई० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निदेश मं० आई० ए० सी०/एफ्य०/II/नवम्बर-47/4545/

78-79 1925 अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2, 5, 7 केनल रोड, मिविल लाइन्स, विजयनगर
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
नवम्बर, 19798 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और
अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य अस्तियों
को, जिन्हें पारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उच्चारा (1)
के प्रधीन लिमिटेड व्यक्तियों, पर्याप्त :—

6-186GI/79

1. श्री जानाहद हासन, सुपुत्र श्री हाजी मोहम्मद
ईसमाईल, 2, 5, 7 केनल रोड, मिविल लाइन्स,
विजय नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सावन कृपाल रुहानी मिशन सोसाईटी
श्री एस० एस० दुग्गल, के द्वारा 23/141, लोधी रोड
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रब्रह्म बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अमुक्ताची

भूमि जिसका नं० 2, 5, 7 है और क्षेत्रफल 1170.835
वर्ग मीटर है, केनल रोड, राजपुर गांव, सिविल लाइन्स,
विजय नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : नजफगढ़ नाला

पश्चिम : रोड

उत्तर : अशोका फैस्टरी

दक्षिण : मरकारी जमीन तथा श्री हरबन्स लाल की
जमीन।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली

तारीख: 21-7-79

मोहर:

प्रकर प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्य०/II/नवम्बर-46/4542/
78-79—प्रतः मुझे प्रार० बी० ए८० अप्रबाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269वा के अधीन समस्त प्राधिकारी को, यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है

और जिसकी सं० 2, 5, 7 केनल रोड, सिविल लाइन्स विजय नगर
नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरर्कों) और प्रत्यक्षिती
(प्रत्यक्षितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमो
करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हे मार्कीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के निए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269वा के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269वा की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री मोहम्मद माबिर सुपुत्र हाजी मोहम्मद इजमाईल,
2, 5, 7 केनल रोड, सिविल लाइन्स, विजय नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सावन कृपाल, रुहानी मिशन सोसाईटी,
श्री एस० एस० दुग्ल के द्वारा 23/141, सोधी रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रबन्ध में कोई भी आप्तिप :—

(क) इस सूचना के रायात्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरों व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
स्थिति में किए जा सकेंगे।

ल्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, बड़ी अचं होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका नं० 2, 5, 7 , है और थेन्ड फल 11,517 वर्ग
गज है, और केनल रोड, राजपुर गांव, सिविल लाईन्स, दिल्ली में
निम्न प्रकारसे स्थित है :—

पूर्व :	नजफगढ़ नाला
पश्चिम :	रोड
उत्तर :	अशोका केटरी
दक्षिण :	सरकारी जमीन तथा श्री हरबन्स लाल की जमीन :

प्रार० बी० ए८० अप्रबाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख : 21-7-79

मोहर :

प्रधन प्राईंटी डी० एन० एस०
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के पश्चान सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/नवम्बर/75/4571/
78-79 यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल.
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के पश्चान सकाम प्राप्तिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14/219-226 तथा 239 से 244 पोस्ट
ऑफिस स्ट्रीट, सदर बजार दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण

अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पान्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियाँ) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उक्त सम्पत्ति से उक्त प्रतिफल सिवित में वास्तविक रूप से कठिन
नहीं किया गया है।—

(क) अभ्यरण से दुई नियी आर की बाबा, उक्त
प्रधिनियम, के पश्चान कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचा में सुविधा
के लिए। घोष्या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयनकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
आयनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के पश्चान निम्नलिखित अवधियों, अवकृत :—

1. श्री सेठानी इन्द्रमणी जाटिया चेरीटेबल ट्रस्ट,
सेठ गंगा सागर की कोठी, जंकशन रोड,
खुजी (य०पी०) (अन्तरक)
 2. (1) रामेश्वर दत्त,
(2) श्री नारेन्द्र कुमार
(3) श्री जवाहरलाल
(4) श्री मदन मोहन,
- मध्ये निवासी डी-13/5, माडल टाउन, दिल्ली
(अन्तरिती)

- (1) श्री किशन लाल दुकान नं० 219 तथा 220
(2) श्री किशन लाल सुपुत्र श्री एशीराम दुकान नं० 221

सर्व श्री :

- (3) शियाम लाल तथा महेन्द्र नाथ दुकान नं० 222
- (4) बज भूषण दुकान नं० 223
- (5) मै० अनिल कुमार यशपाल दुकान नं० 224 तथा
225
- (6) मै० किशोरी लाल कृष्ण कुमार दुकान नं० 226
- (7) मै० रमेश्वर दत्त नरेन्द्रकुमार दुकान नं० 239
- (8) श्रीचन्द्र तथा रामेश चन्द्र दुकान नं० 241
- (9) मदन लाल तथा अविनाश चन्द्र दुकान नं० 241/1
- (10) हमराज कवर दुकान नं० 241/ए
- (11) अमर भिंड दुकान नं० 242
- (12) कुलदीप सिंह दुकान नं० 242/ए
- (13) हरबन्ध लालकर दुकान नं० 243/ए
- (14) हरीराम मकर तथा मधुमुदन दुकान नं० 243/1
- (15) कृष्ण लाल दुकान नं० 243
- (16) इन्द्रा कुमार तथा रघुबीरलाल दुकान नं० 244

पहली मंजिल :

- (1) मै० रमेश्वर दत्तनरेन्द्रकुमार दुकान नं० 240
- (2) बलदीप सरन दुकान नं० 240/1
- (3) हंसराज प्रोप्राइवर हंसराज एक्षण क० दुकान नं०
240/2
- (4) अमर नाथ दुकान नं० 240/6, 7
- (5) मगल देन शर्मा दुकान नं० 250/8
- (6) किशन सिंह गलाटी दुकान नं० 240/5
- (7) रंजीत सिंह गलाटी दुकान नं० 240/4
- (8) ठाकुर सिंह दुकान नं० 240/3

द्वितीय मंजिल :

- (1) मातादीन तीन कमरे नं० 240
- (2) सुखदेव एक कमरा नं० 240
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घरें के
लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घरें में कोई भी वालोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरमध्ये व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भवांहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के घट्याय 20-व में परिभाषित
हैं, वही घर्षण हुंगा और उस घट्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला बिल्डिंग जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है और
नं० 14/219-226 तथा 239 से 244 तक, पोस्ट ऑफिस

स्ट्रीट, सदर बाजार, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जबाहर मार्किट
पश्चिम : पोस्ट ऑफिस स्ट्रीट
उत्तर : जयदाव नं० 14/227 से 238 का हिस्सा
दक्षिण : खुशीद मार्किट
आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली

तारीख 26-7-79

मोहर:

प्रकृष्ट आई० दी० एन० एन०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० भी०/एक्य०/1४४/2073—अतः मुझे
आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3620-21 है, तथा जो नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत ही अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या अमंत्रकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

1. श्री धर्म प्रकाश गुप्ता, पुत्र श्री आर०आर० गुप्ता निवासी 3620-21, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली (अब 9 दिरियांगंज, नई दिल्ली)

(अन्तरक)

2. मै० विद्या बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड, 3620-21, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली इनके नोमिनी श्री सोमेन्द्र खोसला पुत्र श्री डी० पी० खोसला निवासी बी-5/14, सफदरजंग इल्कलेव नई दिल्ली 1 (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, असोहस्त्रा-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 30333 वर्ग गज जिस पर एक बिल्डिंग बनी हुई है, दिरियांगंज, एस्टेट, पुराना, पुलिस हेडेशन, फैज बाजार, प्लाट नं० 3, अब उसका नया नं० 3620-21, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110002 में निम्न प्रकार से स्थित है:—

उत्तर : दूसरे की प्रोपरटी

दक्षिण : दूसरे की प्रोपरटी

पूर्व : नेताजी सुभाष मार्ग

पश्चिम : गली

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख 28-7-79

मोहर:

प्रकाश प्राईटी एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक सोनीपथ रोड

रोहतक, दिनांक 10 मई, 1979

निदेश सं० बी०जी०आर०डी०एलआई०/25/78-79—अतः
मुझे ई० के० कोशी सहायक आयकर प्रायुक्त
(निरीक्षक), अर्जन, रेंज, रोहतक
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13/6, मथुरा रोड, मेवला महाराज पुर है तथा
जो करीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्ननिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण निखित में बास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्म अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, ऐसे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती अभिनाश पूरी
(2) श्री खुशबूत लाल विंग
2-सी, सानगर अपार्टमेंट्स,
6, तिलक नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. मेसर्स नासर टेकनोफैब्रिका प्रा० लि०
9-कर्जन रोड, कस्तुरा गांधी मार्ग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)
3. मैसर्स लाइंडस टुल्स, (इंडिया) रजि०
जी० बी० रोड, दिल्ली
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंत्रि के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घावेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभ्रष्ट हैं, वही प्रयं होता, जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 13/6, मथुरा रोड, मेवला महाराजपुर,
करीदाबाद, में स्थित है और जो रजिस्ट्रेशन नं० 55 में दिया
गया है। जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली में के कार्यालय में है
18-11-78 को लिखा गया।

ई० के० कोशी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 10-5-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राप्ति दी० एन० एम०—

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वाँ(1) के पध्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 2 जुलाई, 1979

निवेश सं० पी० एन० पी० 8/78-79—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-वाँ के पध्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्राप्टी सी० नं० 178 से 184 बाँड़, नं० 5 राजपूताना बाजार, है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) है। रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृहयमान प्रतिफल का प्राप्त हुए प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृयित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के पध्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदले में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्ति अस्तियों, को जिस्में भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, बा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रबृंद्ध, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वाँ के अन्तरक में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वाँ की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री जगीश चन्द्र पुत्र श्री लक्ष्मन दास अयोतिषी
निवासी पानीपत, राजधानी, कालोनी, देहली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री अमृदत्त पुत्र श्री मुन्दर लाल
(2) श्रीमती हरदेवी पत्नी श्री अमृदत्त
(3) श्री सुलेख चन्द्र } पुत्रान श्री अमृदत्त
(4) श्री नरेन्द्रकुमार } पुत्रान श्री अमृदत्त
निवासी सकान नं० 177, बाँड़ नं० 2,
पानीपत ।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री भगवान दास पुत्र श्री राम लाल
दुकान नं० 179/बाँड़, नं० 5, राजपूताना बाजार,
पानीपत ।
(2) श्री छञ्जलाम,
दुकान नं० 180/बाँड़ नं० 5, राजपूताना, बाजार
पानीपत ।
(3) श्री अमर नाथ पुत्र श्री मिलखी राम
दुकान नं० 181/बाँड़ नं० 5, पानीपत ।
(4) श्री जिया लाल पुत्र श्री राम चन्द्र^{दुकान नं० 184/बाँड़ नं० 5, पानीपत ।}
(5) श्री व्याराम पुत्र श्री राजेन्द्र सेन
दुकान नं० 184/बाँड़ नं० 5, पानीपत ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करतो हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घासेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबृंद्ध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित अवक्षियों में से किसी अवक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अस्ति अवक्ति द्वारा, अधोइस्तानकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जबत अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही प्रयुक्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्टी नं० 178 से 184 तक जो बाँड़ नं० 5 राजपूताना बाजार, पानीपत में स्थित है तथा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3219 तिथि 23-11-78 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 2-7-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी एन् एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आरा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक मोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 2 जुलाई, 1979

निर्देश सं० के० एल० के०/३/७८-७९—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाहास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 654-जैड सी है, तथा जो कालका में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवाहास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घर, उक्त अधिनियम को धारा 269व के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपलाया (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्ततः—

1. सर्व श्री शमशेर सिंह

हरमिन्द्र सिंह पुत्रान श्री रिपुष्मन सिंह
निवासी कालका।

(अन्तरक)

2. श्रीमती परोमिला पुरी पत्नी श्री बलराज पुरी
निवासी मकान नं० 654-जैड सी, कालका।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो इरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताधरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 654-जैड, सी जोकि कालका में स्थित है तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता कालका के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 685 तिथि 1-1-1979 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 2-7-79

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एच० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक
रोहतक, दिनांक 19 जुलाई, 1979

निदेश सं० के० एन० एल०/11/78-79—अतः मुझे
रवीन्द्र कुमार पठानिया, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व
के अधीन सम्प्रभाविकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 372 आर, माडल टाउन, है तथा
जो करनाल में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का है
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के दीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अस्य आस्तियों
को, जिन्हें सारलोय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाल
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपचारा (1)
अद्वैत, विश्वासित अविविती, अवैत् ।—

1. श्री एम० एम० नागरा पुत्र श्री माई दाम
मकान नं० 269/16, चंडीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्री देवपाल, एडवोकेट, पुत्र श्री विश्वन मिह
निवासी करनाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घावेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविवितीयों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविवितीयों में से किसी अविवित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अस्य अविवित द्वारा, अघोस्त्सामरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20वाँ में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 377-आर, माडल टाउन, करनाल तथा जैसा कि
रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री अमांक नं० 4182
तिथि 5-11-78 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सभाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 19-7-79

मोहरः

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वं (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 23 जुलाई, 1979

निवेश सं० 11-334/अर्जन-79-80—ग्रतः मुझे ज्योतिन्द्र नाथ निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेप, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), फी धारा 269वं के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 74, प्लाट नं० 698 है, तथा जो गारी रांकी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-11-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के भीत्र ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तम भन्तरण लिखित में व्याप्तिविहृत रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) भन्तरण में हुई किसी आय को बावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी अन्य अपास्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 नं० 11) या उक्त अधिनियम, वा अनु-८८ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था तो किया जाना चाहिए था। इष्टाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वं के अनु-सरेण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269वं की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तियों, ग्रहण :—
7-186GI/79

1. श्री प्रियकुमार नगू ठाकुर रिटायर्ड नै० कर्नल,
गांची।

(अन्तरक)

2. मेनसं सोह कार्मिंग निमिटेड
द्वारा श्री गुधिन्द्र नाथ राय, डायरेक्टर,
९९ए, गर्पट रोड, कलापता।

(ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जाये करते प्रांतीत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों गारता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रांत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तरमंगधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन भी प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु जिसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अघोरतामयों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पठों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्त दोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कट्टा जमीन सम्पत्ति जो गारी मुहस्ता रांची में स्थित है तथा जिसका प्लाट नं० 698 खाता नं० 74 है और जिसका पूर्ण विवरण जिला अवर निवन्धक रांची द्वारा निवन्धित दस्तावेज सं० 8111 दिनांक 16-11-1978 में वर्णित है।

जोतीन्द्रकुमार नाथ
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख 23-7-79

मोहर :

प्रसूप माई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 23 जुलाई 1979

निदेश सं० III-336/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 722 बी, दो० नं० 213-बी है, तथा जो एकजीवीण रोड, पटना, में स्थित है (और इसमें उपावस्था अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-11-78

को पूर्वावृत्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के निये परारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके वृद्धमान 11-कर से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण में ही किसी आप की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हो। प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, इधाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धात् :—

1. श्रीमती मृदुला चन्द्र जोजे श्री निर्मल चन्द्र बाकर गंज, पटना।

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती ललिता देवी जोजे श्री एल०पी० शर्मा, मोहल्ला मुक्तानपुर थाना, दानापुर, पटना।
(अन्तरिती)

3. मैसर्स शर्मा ब्रह्मदर्स पटना।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरोपकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आमोदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्साहनी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टटोकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

600 वर्ग कीट जमीन परबना दुकान जो एकजीविशन रोड, पटना में स्थित है और जो पटना मु० कारपोरेशन के हो० न० 213-बी, प्लाट नं० 722 बी, सैकिल नं० 9 वार्ड नं० 2 में है तथा जो जिला अवर निवन्धक पटना द्वारा निबन्धित दस्तावेज नं० 7184 दिनांक 29-11-1978 में पूर्ण रूप से वर्णित है

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पटना

तारीखः 23-7-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 23 जुलाई, 1979

निदेश सं. III-337/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नामांक भूम्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 722-बी, हो. ० नं. 213-बी है, तथा जो एकजीवीण रोड, पटना में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की रई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म घास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विवरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिकारियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों, अपत्ति:—

1. मुदुला चन्द्र जोजे श्री निर्मल चन्द्र बाकर गंज, पटना (अन्तरक)
2. श्रीमती सुदामा देवी जोजे श्री आर० बी० शर्मा, कंकड़ बाग, पटना (अन्तरिती)

3. मैसर्स शर्मा बदर्स, पटना। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी अन्य अधिकारी के पास निविल में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेमरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

600 वर्ग फीट जमीन पर बना दुकान जो एकजीवीण रोड, पटना में स्थित है तथा जिसका प्लाट सं. 722- बी (अंश) हो. ० नं. 213-बी सर्किल नं. 9 वार्ड नं. ० २ है और जिसका पूर्ण विवरण जिला अवर निवासक पटना द्वारा निबन्धित दस्तावेज सं. 7183 दिनांक 29-11-78 में वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 23-7-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंडी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 23 जुलाई, 1979

निदेश सं. -III-338/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी सम्बन्धित विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट नं. 722 हो. नं. 213-बी है, सं. नं. 9, है तथा जो एकजीवीशन रोड पटना में स्थित है (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ पहले विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सुदामा देवी जोजे, श्री आर० बी० शर्मा कंकड़ बाग, पटना (अन्तरक)
2. श्रीमतीमुदुला चन्द्र जोजे, श्री निर्मल चन्द्र, बाकरांज, पटना। (अन्तरिती)
3. मैसर्स शर्मा ब्रदर्स, पटना। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकांक्षा :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भला व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1380 वर्ग फीट पर बने हुकान मय जमीन जो एकजीवीशन रोड, पटना में स्थित है और जिसकी हो. नं. 213-बी, प्लाट नं. 722 बी, मक्किल नं. 9 वाई नं. 2 पटना मु० कारपो-रेशन तथा जिसका पूर्ण विवरण जिला अनिवार बन्धक पटना द्वारा निबन्धित दस्तावेज संख्या 7182 दिनांक 29-11-78 में वर्णित है।

ज्योतीन्द्रनाथ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, बिहार, पटना

तारीख : 23-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269 प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, विहार

पटना विनांक 23 जुलाई, 1979

सं० III-339/प्रर्जन/79-80/—अतः मुझे जे० नाथ
भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा०
के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सकिल नं० 15 हो० नं० 96 वा० नं० 6, प०
नं० 58 है, तथा जो मज्जी बाग, पटना में स्थित है) और इससे
उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुसृति की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप में निर्धारित रूप से वर्णित है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
मर्या या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा० के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा० की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त :—

(1) श्री मो० सुल्तान अहमद वल्द हकीम मोहम्मद अहमद,
मखनियां कुआं रोड, पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री मो० खुरशीद आलम,
मो० आफताब आलम अल्पवयस्क
मो० कैप्याज आलम अल्प वयस्क
वल्द मो० सेराजुल हक,
ग्राम—किशन दास, थाना—दरिया पुर,
जिला सारन।

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री राबिन शा पुष्प
2. एम० आर० जमन "अजाजी"
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पघोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
मर्यादित होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

38½ कड़ी जमीन पर बना एक दो मंजिला मकान जो
सज्जीबाग, पटना में स्थित है और जिसका सकिल नं० 15 हो०
नं० 96, वाडे नं० 6, म्युनिसिपल सर्वेंप्लौट नं० 58 है तथा जो
जिला अवर निवन्धक पटना द्वारा पंजीकृत दस्तावेज सं० 7181
दिं० 29-11-1978 में पूर्ण रूप से वर्णित है।

(ज्योतीन्द्र नाथ)
सभाम प्राधिकारी
संहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

तारीख : 23-7-79

मोहर :

प्रस्तुप प्राई• टी• एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा

269 च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 जून, 1979

सं० पी० आर०-682/ए सी क्य० 23-1400/6-1/78-79—

श्रृङ्खला एस० सी० परीब

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
आदा 269-च के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 105 प्लाट नं० 14 आनंद नगर है।

तथा जो जेतलपुर रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 13-11-1978 को
पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युक्त यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के सिए सम पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण में कुई किसी भाव की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व
में कमी रखने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
बोर/या

(ब) ऐसी किसी भाव या निवी भ्रम एवं अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने एवं में सुविधा
के लिए।

उक्त अधिनियम की आदा 269-च के प्रत्यरक में,
उक्त अधिनियम की आदा 269-च की उपकारा (1) के
धीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पटेल शंकरभाई डाहयाभाई

ब्रोडा, आनंद सालुका,
खेडा जिला

(ग्रन्तरक)

(2) श्री छगनभाई पुरशोत्तमदास पटेल

14, आनंद नगर,
जेतलपुर रोड, बड़ौदा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीय शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से
किसी अन्तिम द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्तेद्वारा
किसी भव्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्तरक :— इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पद्धौ का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो "आनंद नगर" प्लाट नं० 14 सर्वे
नं० 105 जेतलपुर में स्थित हैं जैसा कि 13-11-1979 को रजिस्टर
किये गये विक्री दस्तावेज नं० 5279 में प्रदर्शित है।

(एस० सी० परीब)
सहम प्राधिकारी,
सहयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 1-6-1979।

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जून, 1979

सं० पी० आर० 685/एसीक्य० 23-1401/601/78-79-
अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकारा समाप्ति को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० रे० सं० नं० 18, सुभानपुरा, प्लाट नं० 29, अमर कुंज सोसायटी है तथा जो रेस कोर्स मर्कल, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपावड़ा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच एवं पन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण निर्धारित रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(र) पन्तरण से दूरी किना पार की बाबत, उन्हा अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिराने में मुश्किल के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री विनोद चन्द्र भूजीभाई पटेल

मांडवी, बड़ोदा।

(अन्तरक)

(2) श्री जौ० सी० बारोर,

29, अमर कुंज को० आ० हा० सोसायटी,
रेस कोर्स, मर्कल,

बड़ोदा।

(अन्तरिती)

नो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवेदन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिस्थानकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री/सचिव

जमीन और मकान जो प्लाट नं० 29, अमर कुंज को० आ० हा० सोसायटी रे० सं० नं० 18, सुभानपुरा, बड़ोदा में स्थित है जिसका 16-11-1978 को रजिस्टर किये गये बिक्री दस्तावेज नं० 5294 नेमें प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख
सकारा साधकारी
मन्त्री/सचिव आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II अहमदाबाद।

गारीब : 2-6-1979।

मोहर :

प्रसूप प्राइंटी एन्ड एस. —————

आयकृत प्रविधियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आर्यान्य, सत्रायक श्रावकर श्रावकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, ग्रहमधाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 जुलाई, 1979

सं० ए० सी० क्य० 23-1-1982 (826)/18-2/
78-79—अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
दे कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सीटी सर्वे नं० 705 सीटी बार्ड नं० 1
तथा सीटी सर्वे नं० 712 है तथा जो भलगामडा दरवाजा
के पास तथा परजीया फुबा के पास, लीमडी में स्थित है
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लीमडी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान के प्रतिकरण के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक्ष (ग्रन्तरक्ष) और इनारिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकृत निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(n) भ्रमतरण में इई निसी प्राय की बाबत जल्द
प्रधिनियम के अधीन कर देने के पश्चातक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; ग्रो/रा

(क) ऐसी फिसी आय या किसी धन या प्रत्ये भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुश्किल के लिए;

भ्रत : भ्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

- (1) श्री निर्मल कुमार प्रितमलाल दफतरी, श्री मुगुर
लाल केशवलाल कामदार के पावर ऑफ अटोनी
होलडर, 407, विमल सोसायटी, बाणगंगा,
बम्बई-6। (अन्तरक)

(2) श्री दीलीप कुमार जामसिंह वाघेला, मृत श्रीमती
मायाकुंवरबा राणा श्री आपलभाई जिवाभाई की
पत्नी—स्वयं तथा सगीर एकुमा बापालाल की भाता—
के वाली पता—गांधी मर्टिज, तालुका लीमडी, जिला
सुरेन्द्रनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घरेलू के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूल्यना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि तारीख में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास लिखित में किए आ सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त परिवर्तन के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

आम सभी

इमारत जिसका सीटी सर्वे नं० 705 सीटी वार्ड नं० 1 तथा सीटी सर्वे नं० 712 जो 563.31 वर्ग मीटर तथा 18.37 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली, जमीन पर खड़ी है जो भलगामडा के दरवाजा तथा परजीया फुवा के पास, कोठारी/घोरी, लीमडी में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 1465 21-11-1978 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लीमडी द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है याने प्राप्ति का पूर्ण वर्णन उसमें दीया गया है।

प्रस० सी० परोख
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 6-7-1979
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 6 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० मी० कम० 23-1-1963 (827)/
16-6/78-79—अतः मुझे एस० सी० परीब्र
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मर्वं नं० 443 चैकी प्लाट नं० 2-एण्ड 3
है तथा जो कालाबड रोड, राजकोट में स्थित है (और
इससे उपरवाह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्र्युक्टर
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-11-
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पलटह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रत्युत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविस्तयों, अर्थात् :—

४--186GI/79

- (1) मुशी एम० ज्योर्ज, पता शार० के० सी०, राजकोट (अन्तरक)
 - (2) श्री रविंद्र कुमार आई भट्ट, तथा राजेन्द्र कुमार आई भट्ट, बीष्मखा गड्स, कालाबड रोड, राजकोट (अन्तरिती)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी अविक्षितों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 443 चैकी प्लाट नं० 2-ए०-३ है जिसका क्षेत्रफल 875-1-0 वर्ग गज है जो कालाबड रोड राजकोट में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 4693 ता० 23-11-1978 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्टर्ड कीया गया है याने प्राप्ती का पूर्ण वर्णन उसमें दीया गया है।

एस० सी० परीब्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 6-7-1979

मोहर :

प्रलेप प्राईंटी० टी० एन० एस०-----
आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई, 1979

निर्देश मं० ए० मं० क्य० 23-1-1981 (831)/
16-7/78-79—अतः मं०, ए० सं० परीख
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ष
के अधीन सकारा प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

प्रीर जिसको सं० सर्वे नं० 217-1 पैकी दोन खेती विषयक
जमीन फ्लाट 6056-2-6 वर्ग गज तथा 1694-4-0 वर्ग
गज रोड के लीये है तथा जो उपलेटा, जिला राजकोट में
स्थित है (प्रीर इसके उत्तरदूर अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बायालय, उपलेटा
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अर्धानि 18-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रीर/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए।

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थत् :—

- (1) श्री लक्ष्मण शास्त्री, सोसंत्रा, गोरापा फ्लाट
उपलेटा, जिला राजकोट (अन्तर्गत)
(2) श्री विनोदराय पी० परमार, थौ. वीर व न को०
ओ० ग० स० निमीटेड, उपलेटा, के प्रेसार्डेन्ट,
जिला राजकोट (ग्रन्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 217-1 पैकी छपीतर जमीन
का फ्लाट जिसका क्षेत्रफल 6056-2-6 वर्ग गज तथा रोड
के लीये, 1694-4-0 वर्ग गज जमीन जो उपलेटा, जिला
राजकोट में स्थित है तथा बीकी दस्तावेज नं० 1178/
1-8-11-78 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, उपलेटा द्वारा रजिस्टर्ड
कीया गया है याने प्राप्ति का पूर्ण वर्णन उसमें दीया गया
है।

एम० सी० परीखा,
सकार प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद,
तारीख : 20-7-1979
मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ० टो० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, काकीनाड़ा

काकीनाड़ा, दिनांक 14 मई 1979

निर्देश सं० 886—यतः, मुझे, वि० वि० सुब्राहारव आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 104-1/ए० बी० सी० है, जो नदिमपालिम में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना प्राधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 14-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृथमान प्रतिफल से ऐसे बृथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीएया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के प्रनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः—

(1) श्री जयलक्ष्मी जिन्निग इन्डस्ट्रीज गुन्टूर (अन्तर्गत)

(2) श्री वीनिडाला ग्रदर्म लिमिटेड गुन्टूर (अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति हेतु अर्जन के नम्बर में रोड भी शामिल है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रत्यायन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्प्रवर्त्ती व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भारत वैनिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रिजिस्ट्री प्राधिकारी से पांचिक अंत 15-11-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5320/78 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती।

वि० वि० सुब्राहारव,
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, काकीनाड़ा

तारीख: 14-5-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाड़ा

काकीनाड़ा, दिनांक 17 मई 1979

निर्देश सं० 887—यतः मुझे वि० वि० वि० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 159/2 है जो विजयवाड़ा में उपस्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिति (अरिन्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रता०, प्रब०, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यदृ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्तकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 15-11-1978 में पंजी कृत दस्तावेज नं० 5105/78 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

वि० वि० सुब्बाराव
सक्षम अधिकारी,
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाड़ा

तारीख : 17-5-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट द्वारा एस० एस० —————

आदेश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाड़ा

काकीनाड़ा, दिनांक 30 मई 1979

निर्देश सं० यतः मुझे विं० विं० सुम्भाराव,
सहायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-33 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और
इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 28-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
एद्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और
अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कवित नहीं किया गया है ।—

(क) प्रस्तरण में हुई किसी धाय को बादत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के प्रस्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ग्रोर/या

अनुसूची

(क) ऐसी किसी धाय या किसी धन वा धन्य प्राप्तियों
को जिसमें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रस्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया या या किया
आना चाहिए या, लिखने में सुविधा के लिए;

विं० विं० सुम्भाराव,

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकीनाड़ा

दायित्व : 30-5-1979

मोहर :

- (1) 1. श्री ए० वेंकटाकृष्णराव 2. श्री ए०
श्रीनिवासाराव गुन्टूर (अन्तरक)
(2) श्री के० मरयादामु गुन्टूर (अन्तरिती)
(3) मैंसं स्टेट ट्रेडिंग कार्पोरेशन गुन्टूर (बहु अधिकित
जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना बारे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन
के लिए कार्यवाहिया करता है ।

इन सम्पत्ति के प्रबंधन के नियम पर जो प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपति द्वाये प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो यह
व्यक्ति द्वाये में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राष्ट्रपति द्वाये प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी एवं व्यक्ति द्वाया, प्रायोहस्ताकारी के प्रस्तरण
में लिखित द्वाये ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-व में परिचालित हैं, वही
पर्याय होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है ।

जल्दः प्रब, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के प्रस्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपआरा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जुतः—

प्रकृष्ट प्राइंटी ट्री. एन. एस.—

(1) श्री डि० श्रीरामलु विजयवाडा (अन्तरक)

आषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जि० राजाप्रसादलता विजयवाडा
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 जून 1979

निर्देश सं० ४४७—यतः मुझे वि० वि० मुख्याराव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ए के
अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 29-25-4 है, जो विजयवाडा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 6-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक
है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों)
के बीच ऐसे असरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त असरण सिद्धि में वास्तविक रूप से
उचित नहीं किया गया है :—

(क) असरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(म) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यह: यह उक्त अधिनियम की बारा 269-ए के प्रनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ए की उपस्थाता (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

को यह सूचना नारी करने पूर्वोक्त नम्रति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्मति के प्रमेय में लोड़ श्री याज्ञेर : —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की
सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोहस्ताकारी:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उम अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिक प्रत
15-11-1978 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5057/78 में नियमित
अनुसूची सम्पत्ति।

बि० वि० मुख्याराव,
सभ्रम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेज, काकीनाडा

तारीख: 7-6-1979

सोहर :

प्राप्ति प्राइंटी टी. एन. एस. —————

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
269वाँ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम्

कोच्चिन-16, दिनांक 13 जून 1979

निर्देश मं० एन० मी० 301/79-80—अतः मृद्दे, के
नारायण मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है), की आदा
269वाँ के अधीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० अनुसूची के अनुमार है, जो पाला में स्थित
है (और इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय मीनच्चिल में भारतीय
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
3-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मृद्दे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्राम से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों)
और प्रन्तरिता (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण क
लिए तथ राशि गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में प्रन्तरण
निक्षित में गस्तविह रूप से निर्धारित है।

(क) प्रन्तरण में हुई किसी आय की आदत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तावक के शायित्र में कर्मी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
बम-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की आदा 269-ग के अनु-
मत में, मे, उक्त प्रधिनियम की आदा 269वाँ की उपआदा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

(1) श्री औमेक मत्तायी

(अन्तरक)

(2) डा० जोस कुट्टी

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए
कार्यालयान्वित करता है।

उक्त संपत्ति के प्रत्येक के संदर्भ में हाई भी प्रक्रिया :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सप्तसंब्दी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में
में किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहमताक्षरी के
पास निभित्र में किए जा सकेंगे।

ल्पस्टोरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भायित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

21 cents of land with buildings in Sy. No. 17/2/3 of Pala:
Municipality.

के० नारायण मेनोन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम्

तारीख: 13-6-1979.
मोहर:

प्रसूत भाई० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज, एरणाकुलम

कोन्सिप्चन-16, दिनांक 19 जून 1979

निवेद सं० एल० सी० 303/79-80—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कासरगेड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय कासरगेड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रेडिंग से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याप्त गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से ही किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) देसी फिली प्राय या किसी छन या प्रत्यक्ष प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबंध प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, किसान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण में ये, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-प की उपचारा (1) के बड़ी, निम्नलिखित वर्णिकों, वर्चति:—

- (1) (1) श्री बलसावर शिवरावू (2) बलसावर सन्जीवरावू
(3) बलसावर वेणुगोपाल रावू (4) बलसावर
श्रीकार रावू (5) बलसावर जयराम (मव
गोपाल गेहूण रावू के द्वारा (अन्तरक)
- (2) श्री एस० एम० वहाब (अन्तरी)
- (3) मानेजर विजया बैंक कासरगेड (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10-12 acres of land with buildings in R. Sy. Nos. 42-15 and 42-19 of Kasaragod village.

के० नारायण मेनोन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जनरेज, एरणाकुलम

तारीख: 19-6-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई• टो० एन० एस०—

(1) श्री पौ० ए० एब्रहाम एण्ड हव्हाम्मा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम्

कोलिम्बन-16, दिनांक 7 जुलाई 1979

निदेश सं० एल० मी० 306/79-80—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयावास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पेरुम्बावूर में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरुम्बावूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुमति की गई है और मुझे यह विषयावास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षितयों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण स्थिति में वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण से हूँड़ि किसी भाय और बावद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में, जे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षितयों, अवातः:—

9—186GI/79

(2) श्री पौ० ए० आर० अषफ (2) श्री पौ० ए० आर० रौफ (अन्तरक)

जो यह सूचना जाये करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी प्राकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षितयों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितघास किसी प्रत्यक्षित द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास अविक्षित में किए जा सकेंगे।

स्थावरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-व में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12 cents of land with buildings in Sy. No. 305/3/3 of Perumbavoor Village.

के० नारायण मेनोन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम्

तारीख: 7-7-1979

मोहर:

प्ररूप आई० ट्री० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, परणाकुलम
फोल्डर-16, दिनांक 10 जुलाई 1979

निदेश सं० एक० मी० 307/79-89—यतः मुझे,
के० नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एस्मेली विलेज में
स्थित है (और इससे उपावन्द्र अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कान्जिरपल्ली में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 1-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
वर्ण पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एन० एफ० चाको (2) मेरी चाको (3)
ओ० पी० एब्रहाम (4) मिरियक वेल्लापल्ली (5)
पी० जी० पोल
(अन्तरक)

(2) श्री के० वी० कुरियन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के मम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

21 acres of rubber estate with buildings in Erumeli Village
as per schedule attached to document No. 4383/78 dt.
1-11-1978 of SRO, Kanjirapally.

के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, परणाकुलम
तारीख : 10-7-77
मोहर :

प्रह्लप आई०टी०एन०एस०————

(1) श्री एन० एफ० चाक्को (2) ओ० पी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

एब्राहाम (3) पी० जी० पोल

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्रीमती रेस कुरियन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंदर के
लिए कार्रवाहियां करता है।

कोच्चिन-16, दिनांक 10 जलाई, 1979

निवेदा सं० एल० सी० 308/79-80—यतः मुझे के०
नारायणा मेनोनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुमूली के अनसार है जो पेल्मेली विलेज
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूली में पूर्ण स्वप्न से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कान्यिरपल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
1-11-1979 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुरूप
प्रतिष्ठित अधिक है, और प्रत्यरुप (प्रत्यरुपों) और अनुरिती
(अनुरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरुप के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त वस्तुरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

उक्त सम्पत्ति के अंदर के सम्बन्ध में कोई भी आलेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।उपर्योक्तरणः—इसमें प्रपूर्व शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) प्रत्यरुप से दुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरुप के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुमूली

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वस्तुरक्त प्रतिफल, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे प्रत्यरुपी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था; जिसमें में सुविधा के
लिए;19 acres of Rubber estate with buildings as per schedule
to document No. 4382/78 dated 1-11-1978 of SRO, Kariji-
rappally.के० नारायणा मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलमअतः यद्यपि उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के अनुरुप
में, भी, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णातः—

तारीख : 10-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोच्चि-16, दिनांक 10 जुलाई 1979

निदेश सं० एल० सी० 309/79-80—यतः मुझे के० नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कानन्नूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानन्नूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

1-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मेरके अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ए० पी० राजामणी (2) श्री मनोज (3) श्री रजिता, श्री पी० के० पुरुषोत्तमन के द्वारा) (4) श्री हीरा (अन्तरक)

(2) श्री पी० श्रीधरन

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्भन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

एवधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/3rd sight over the property as per schedule attached to document No. 2333/1-11-1978 of SRO, Cannanore.

के० नारायण मेनोन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 10-7-1977

मोहर :

प्रकल्प प्राई० टी० एम० एस० ——

(1) श्रीमती पोलेरी सरोजिनी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वण्णरकूल कल्ललिल श्रीधरन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 11 जलाई 1979

निदेश सं० एल० मी० 310/79-80—यतः मर्ये के०
नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सकारात्मक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुमूल्य के अनुमार है, जो कानूनी स्थित है (और इससे उपावद अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानूनी में भागीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-11-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का फल ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मर, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसर में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

इप्पत्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

80 cents of land with building in Cannanore as per schedule attached to document No. 2542/78 of SRO, Cannanore.

के० नारायण मेनोन
सकार प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),तारीख : 11-7-79
मोहर :

अर्जन रेज, एरणाकुलम

प्रकृष्ट प्राईंटी टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिवन-16, दिनांक 12 जुलाई 1979

निदेश सं. एल. सी. 311/79-80—यतः मुझे के
नारायण मेनोनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।ओर जिसकी सं. अनुमूल्य के अनुसार है, जो एरणाकुलम में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
20-11-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भौतिक अधिनियम की धारा 269-व की उपाधा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

(1) श्री पी.ओ. आर. बालकृष्णन

(अन्तरक)

(2) इस्लामिया एसोसिएशन (के. सी.ओ. अब्दुल्ला
के द्वारा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7.340 cents of land with buildings in Ernakulam Village
as per Ooc. No. 3498 of SRO, Ernakulam.के. नारायण मेनोन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 जून 1979

निदेश मं० आई० ग० सी०/एनवी/भोपाल/1283/79-80/
—अतः मझे डी० सी० गोयल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाह संकरने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 32 है जो इन्दौर में स्थित है
(और उससे उपावड़ अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-11-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उसे यह विवाह सं
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और भस्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पारा गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त भस्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए आरप्त;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. (1) श्री फकरुद्दीन (2) श्री ताहिर अली दोनों
पुत्र श्री मोहम्मद अली बोहुग, बोहुग वाखन, इन्दौर।
(अन्तरक)

2. (1) श्री नजर हुमैन (2) श्री इनायत हुमैन पुत्र
श्री हाजी जोना खान आई बोहुरा 32, सियागंज मेन रोड
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मयन्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से, 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि शब्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 32 रुक्बा 1672 वर्गफुट सियागंज मेन रोड,
इन्दौर।

सी० डी० गोयल
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन विष्वालिखित व्यक्तियों, यथाकथ:—

तारीख : 28-6-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एम० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 जून 1979

निवेश सं० प्राईंटी० सी०/एकवी/भोपाल/1284/79-80— अतः
मझे डी० सी० गोयल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 17 है, तथा जो इन्दौर में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
13-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वाषावूर्धोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अमारक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
कास्तिक छप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरुद्धण से तुर्ई किसी प्राय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी ज्ञन या अन्य प्रास्तियों को
जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प के प्राप्त-
संख्या में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति ।—

1. (1) श्री मती हफीजाबाई पानी श्री सुराव अली
(2) श्रीमती जकिया बाई पत्नी श्री इनायत हुसैन 72, बोहरा
गली मेन स्ट्रीट डा० खोसला मार्ग, मह।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कंचनबाई पत्नी श्री अम्बा लाल जी 17/2,
सियागंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के
लिए कायंवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि जो भी प्रधिक बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 46
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चार मंजिला मकान नं० 17 रकबा 1274 वर्गफट स्थित
सियागंज, इन्दौर।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-6-1979

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई २० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1979

निदेश सं० आई ए० सी०/एक्वी/भोपाल-1285/79-80—

अतः मुझे डी० सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो सिलगांव, खुरई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खुरई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-11-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10—186GI79

1. श्रीमती मावितीबाई पत्नी श्री रवि दत्त शर्मा, ग्राम सिलगांव तह० खुरई जिला सागर।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सन्धा देवी पत्नी श्री अरुणोदय चौधूर्य (2) श्रीमती सुशीला देवी पत्नी पं० आर० सी० भारीवा ग्राम—सिलगांव तह० खुरई जिला सागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 17/1 रक्वा 41.7 एकड़ (16.687 हेक्टेयर्स) स्थित ग्राम—सिलगांव तह० खुरई।

डी० सी० गोयल
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-1286/79-80—

अतः मुझे डी० सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि नि स्थावर सम्पत्ति, जिसमें उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो कटनी में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कटनी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
परम्परा प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अवृत्ति :—

1. श्री खुशीराम काकवानी पुत्र श्री हीरानन्द काकवानी,
सावरकर वाडे मुडवाडा (अन्तरक)
2. (1) लक्ष्मणदास पुत्र श्री भगवान दास (2) श्रीमती
रुक्मी बाई विधवा पत्नी श्री भगवान दास कुंडी, गुरुनानक वाडे,
मुडवाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इन सूचना के राजावत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीफ से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इन सूचना के राजावत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्टोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 249 का भाग, गुरुनानक वाडे, मुडवाडा
(कटनी)।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-7-1979

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1979

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/1287—अतः,
मुझे डी सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-11-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कितन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के प्रश्नोन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुवरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व को उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अवितयों, अर्थात् :—

1. श्री पूरनचन्द्र पुत्र श्री करलू राम जी जैन 10/17,
साउथ तुकोगंज इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नरोत्तम लाल (2) श्यामलाल (3) राजेन्द्र
कुमार (4) सुमति कुमार सभी पुत्र श्री भागीरथ जी गुप्ता
28 राजबाड़ा चौक, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवितयों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवितयों में से किसी अवित द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित द्वारा, अव्याप्तिकरणी के पास
लिखित में किए जा गएगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8 पर बना मकान, मकान नं० 17, साउथ
तुकोगंज, इन्दौर।

डी० सी० गोयल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्र० प्र० प्र० श्री० श्री० श्री० श्री०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1979

निदेश सं० आई ए० सी०/एवी०/भोपाल 79-80/1287—

अतः मुझे डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो रत्लाम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रत्लाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मझे यह विष्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त मामले का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्भित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापव उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अनुसर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में क्षमिता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य आस्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ प्रतिरिद्धी द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की द्वारा 269-वा के अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-वा की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम लाल जी पुत्र श्री हीरा लाल जी जयसबल 493, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्दा बाई पत्नी श्री शान्ति लाल जी चौरडिया, चांदनी चौक, रत्लाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर युक्ति की तारीख से 30 दिन की अवधि जो श्री अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राहीकृताभारी के पास निवित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमापित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट नाम 6350 वर्ग फुट मिल निवास रोड, रत्लाम।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/1287-
अतः०, मुझे, डी० सी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्हौंर में स्थित है (और
इसके उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्हौंर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-12-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरणमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूरणमान प्रतिफल से, ऐसे दूरणमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विश्वकर्म पुत्र श्री श्रीधर कर्म, 44, वासुदेव नगर,
इन्हौंर।

(अन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र कुमार शिवलाल जी रुबी 62/41, वीर
सावरकर मार्केट, इन्हौंर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त द्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस आयकर म दिया गया है।

प्रमुखी

मकान नं० 48, वासुदेव नगर, इन्हौंर।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजेन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1979

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/
1270—यतः, सुझे, डी० सी० गोयल,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है और
इसमें उगाचढ़ अनुसूची में प्रौर पूर्ण सूचा में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-1-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतिरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; पौर/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारीताय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या
किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों अर्थातः—

1. डा० गोकुलदास पुत्र श्री गुलाब चन्द 28-बी-विल्डर्स
कालोनी, इन्दौर
(अन्तरक)

2. श्री सरदार गुलजार मिह पुत्र सरदार बलवत्त मिह
गिल, 14/5, रवीन्द्र नाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए
कार्याद्वयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 28-बी, विल्डर्स कालोनी वार्ड नं० 8,
इन्दौर।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजेन रेज, भोपाल

तारीख : 3-7-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ८० एन० एस०—
मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/
1291—यतः, मुझे डी० सी० गोयल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रामपुर, जबलपुर में स्थित
है (ओर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
27-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति०
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पांडह प्रतिशत से
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि०
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में करीं करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य घासितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्नकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्ति
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किय
जाना चाहिए वह; इषाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में
में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन ननिम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति :—

1. श्री कृष्ण कुमार भार्गव पुत्र श्री स्व० श्याम सुन्दर
भार्गव बंगला नं० 54, नर्बदा रोड, रामपुर जिला
जबलपुर।
(अन्तरक)

2. महर्षी चेतना विज्ञान संस्था (म० प्र०) महर्षी इन्स्टी-
ट्यूट आफ क्रियोटिव इन्टेलीजेन्स द्वारा श्री प्रफुल
श्री वास्तव जनरल सैक्ट्री रामनिवास मोहर बाग,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-क में यथा परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ ढोगा, जो उस अन्याय में विभा
गया है।

अनुसूची

मकान "पारस" नाम से प्रसिद्ध विधिरिंग नं० 54 खसरा
नं० 50/2 साथ भूमि स्थित नर्बदा रोड, रामपुर ग्वार घाट,
जबलपुर।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-प (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल कार्यालय
 भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1979

मिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/
 1292—यतः, मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो रामपुर में स्थित है (और
 इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-1-1979
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों)
 और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) भन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
 अधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
 को, जिस्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
 अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

1. मैसर्स श्री लक्ष्मी सा मिल्स, फाफाडिह, रामपुर
 (अन्तरक)

2. मैसर्स श्री दयाल सा मिल्स, फाफाडिह, रामपुर
 (अन्तरिती)

3. मैसर्स युनाइटेड टायर्स प्रा० लि० रामपुर
 (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
 कार्यादियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी व्याक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्यों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य अवित्य द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

इष्टव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहों का, जो उक्त अधि-
 नियम, के प्रध्याय 20 के परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या
 गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट माप 42,250 वर्ग फुट (3932 वर्गमी०)
 विवरिंग खसरा नं० 277/1, ब्लाक नं० 149/349 प्लाट नं०
 108 फाफाडिह, रामपुर।

डी० सी० गोयल
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्रसूप आई० ई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269वा(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल,

भोपाल, दिनांक: 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्सी०/भोपाल/79-80/
1293—पतः, भुजौ, डी० सी० गोयन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इष्ट से अधिक है

और जिसकी सं० माफान है, तथा जो रामपुर में स्थित है (धौर
इससे उत्तर अनुग्रहीत में धौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी को वार्यालय, रामपुर में रजिस्ट्रीबरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-1-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से नुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

11-186GI/79

1. (1) श्री मुरलो धर पुत्र श्री हरदेव जी व्यास
जोधपुर,
- (2) श्री पश्चालाल पुत्र श्री धनराज व्यास जगदलपुर
(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सरलादेवी चांडक पत्नी श्री जयनारायण
चांडक
- (2) कुमारी रामा चांडक (अव्यस्क),
- (3) संजय चांडक (अव्यस्क),
- (4) कुमारी छाया चांडक,
- (5) श्री वल्लभदास जी चांडक,
- (6) श्री श्रीम प्रकाश चांडक, फाकाजिह, रामपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्मबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

मकान स्थित वाई नं० 7, फाकाजिह, रामपुर (खसर
नं० 277/1, 277 और 248)।

झी० सी० गोयन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना।

प्रधान सचिव
कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79/80/
1274—यतः : मुझे, डी० सी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मवान है, तथा जो रत्नाम में स्थित है (और
इससे उत्तरावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
फर्टा अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1978
को उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तित की वई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्च अतिशय प्रधिक है और अन्तरक (पश्चरको) और अन्तरिती
(अन्तरितिवां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
क्षम निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण किया गया अतिशय
दृष्टि से कठिन नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण ने हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों को,
जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदोषनावं
अस्तित्वों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आगा नहीं था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलोद्धा (1) के प्रधीन
निम्नलिखित अवित्यों, अर्जातः—

1. श्री श्रीमत महाराजा लोदेन्द्र सिंह जी पुल स्वर्णी
मज़जन सिंहजी, रत्नाम
(अन्तरक)

2. श्री रत्न कुमार जी पुत्र श्री पूनमचन्द्र जी गांधी, न्यू रोड,
रत्नाम
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवृत्त के लिये
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी
अन्य अवित्य द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

इष्टदातारण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अन्याय 20-क में पक्ष परिभाषित हैं,
वही अन्य होगा जो उस अन्याय में दिया जवा है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान (गोदाम) रक्का 4248 बग्गे फुट
'रंजीत विलास' बग्गीखाना, घंटा घर रोड, रत्नाम।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-7-1979

मोहर :

प्रश्न प्राईटी-एन-एस-००००
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1979
निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/७९-८०/
1275—यतः, मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सकार साधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. सकान है, तथा जो रत्नाम में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्णरूप सं. वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरितों (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण सिद्धि और वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनन्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, पर्वातः—

1. श्री श्रीमन्त महाराजा लोकेन्द्रलिह जी पुत्र स्व० श्री सज्जन सिंह जी, रत्नाम
(अन्तरक)

2. श्री मीती चन्द जी पुत्र श्री नेमीचन्द जी जीतद जी विपोलिया दरवाजा, रत्नाम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के बीच पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अविक्षय द्वारा, प्रधोद्दसाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यायमें दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसमें तीन गोदाम रकमा 4248 वर्ग फुट रंजीत विलास, बगी खाना, घंटाघर रोड, रत्नाम।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-7-1979

मोहर :

प्रधान प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1979

निदेश सं० प्राईंटी० ए० सी० /एक्वी०/भोपाल/79-8०/
1276—यतः, मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली भूमि है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 24-11-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया गति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(म) अन्तरक से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन के प्रभावक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या गम्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रतुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अस्तियों पर्वतः :—

1. श्रीमती विजया पत्नी श्री कैशव फड़के फ्लेट नं० 32 माला 8 अम्बर बिल्डिंग 13/2 एम० जी० रोड, (तुकारांज) इन्दौर
(प्रन्तरक)

2. श्री इश्वर झमनानी पुत्र श्री होतल दास जी झमनानी, 8, बख्शी कालोनी, सदर बाजार, इन्दौर
(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीकृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 27, रकवा 3840 वर्गफुट, प्रकाश नगर, बक्षी कालोनी, एक्सटेन्शन, इन्दौर।

जी० सी० गोयल
सभाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 4-7-1979

मोहर :

प्र० प्र० प्र० प्र० प्र०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० प० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/
1277—अतः, मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इस हेतु वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भाटापारा में स्थित है
श्रीरामन उगबद्ध अनुवूची में श्रीर पूर्णरूप वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भाटापारा में रजिस्ट्री-करण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-11-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिक्रिया
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतिक्रिया से हुई] किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिक्रिया के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रत्येक आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अवृत्ति :—

1. (1) श्री रनछोर भाई पुत्र श्री यीर जी,
- (2) पोपट लाल,
- (3) छगन लाल
- (4) अमृत लाल सभी पुत्र श्री रनछोर लाल,
भाटा पारा, जिला रायपुर

(अन्तरक)

2. श्री श्वाम सुन्दर अग्रवाल पुत्र श्री लखीराम अग्रवाल,
अंकर बाड़ी, भाटा पारा, जिला—रायपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि पर नन्मवंशी अधिकारीयों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारीयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अश्रोतुस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुवूची

प्लाट व मकान पी० एच० नं० 25, गांधी मन्दिर बांड
स्थित ग्राम हथनी, भाटापारा जिला रायपुर।

डी० सी० गोयल
सहम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

भारतकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्सी०/भोपाल/79-80/
1297—यतः, मुझे, डॉ० सी० गोयल,

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्वा अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णता सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को वाचत उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के प्रतिवरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुद्दिष्ठ के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या मूल्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनन्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यह, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए के पूर्व सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अवार्त् :—

1. श्री रमेश कुमार पुत्र श्री मोती लाल जी सूकड़ शाहगंज, रहू बुधसी जिला सिहोर
(अन्तरक)

2. श्री बाबू लाल पुत्र कालू राम जी गोयल मोतिया पांक, भोपाल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त समाति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अवित्तियों पर सूचना को तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्राय अवित्त द्वारा, प्रधोहस्तानी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरणः—इन्हें प्रयुक्त गद्दों और तरों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वे पर्यंत होता जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्री मंजिला मकान रक्षा 1679 वर्ग कुट मदरसा जहांगीरीया रूकू के पास, मोतिया पांक, भोपाल।

डॉ० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)
भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यात्म, महायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/79-80/
1278—यतः, मुझे, डी० सी० गोयल,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन समव शारीरिकी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, वित्तका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रतिक है।

ओर जिसको सं० प्लाट है, तथा जो ईदगाह हिल्स भोपाल में स्थित
है (ओर इससे उपावढ़ अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्वमात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चह प्रतिशत से पर्याप्त है ओर प्रत्यरह (प्रत्यरहों) और
वन्तरिती (वन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
विवित में वास्तविक रूप में किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वावत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविद्धा
के लिए ; और/या

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या पन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविद्धा के लिए।

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा ३०९-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्ती, अवतृ:—

1. श्रीमती शमीम बानो पत्नि श्री एम० ए० फरुकी
खासपुरा शाहज नाबाद ढारा पावर आफ एटर्मी
श्री इकबाल हुसैन किदवई, ईदगाह हिल्स, भोपाल
(अन्तरक)

2. श्री डा० नायाब हुसैन पुत्र स्व० श्री महताब हुसैन
प्राफेसर कालोनी, भोपाल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के
लिए कार्यशाहिदों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवैन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्तान्ती के पास
निवित में किए था सहेंगे।

तारीखीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया
गया है।

मधुसूची

खुला प्लाट माप 4550 बर्गफुट बियरिंग नं० 150 खसरा
नं० 102 के० अलाथा, ईदगाह हिल्स, भोपाल।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-7-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/79-80/
1300—यतः, मुझे, डॉ० सी० गोयल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पहलात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यदि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रथम है
और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो भोपाल में स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णातः :—

1. श्री रवीन्द्र कुमार शृंगि पुत्र श्री जगदीश चन्द्र शृंगि,
सिविन लाहौर, विनामपुर बर्नेमान निवासी ए-54
कैलाश कालोनी नई दिल्ली द्वारा पिता व एडन्सी
श्री जगदीश चन्द्र शृंगि पुत्र श्री गणेश दाम, ए-54
कैलाश कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री मास्टर राजकुमार सकलेचा अवयस्क द्वारा माता
व अभिभावक श्रीमती चैतन कुमारी सकलेचा पुत्री
श्री हर्ष चन्द्र जी सुराना छोटी घाटी जावद जिला मन्दसौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर समानि के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रब्रह्म बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट क्रमांक ए-4 का दक्षिणी भाग (बसरा क्रमांक
1426 का भाग) माप 5000 वर्गफुट स्थित विद्या विहार,
बानगंगा, भोपाल ।

डॉ० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, भोपाल

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश मं० लुधियाना/124/78-79—यन०, मुझे, जी० पी० मिह० सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० फैक्टरी बिल्डिंग प्लाट नं० 45-बी, जिसका क्षेत्रफल 266. 2/3 वर्ग गज है तथा जो इंडस्ट्रीअल एस्टेट, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किसाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

12-186GI/79

1. श्री मदन गोपाल पुत्र श्री अछल राम भला व श्री धर्म प्रकाश भला पुत्र श्री मुन्नी राम भला द्वारा मुख्यान्तर आय श्री मुधीर कुमार भला पुत्र श्री धर्म प्रकाश भला वासी 25-26, ग्रीन पार्क, लुधियाना (अन्तरक)

3. मैसर्स माधू मिह० दुआ व कमानी, द्वारा श्री भूपिन्दर सिंह, हिम्मेदार 45-बी, इंडस्ट्रीयल एस्टेट, लुधियाना (अन्नरिती)

3. श्री दर्शन लाल वासी प्लाट नं० 45-बी, इंडस्ट्रीयल एस्टेट, लुधियाना (वह) व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं वहीं पर्यंत होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

फैक्टरी बिल्डिंग प्लाट नं० 45-बी, जिसका क्षेत्रफल 266. 2/3 वर्ग गज है और जो इंडस्ट्रीयल एस्टेट, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3106, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० मिह०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्रस्तुत प्राप्ति टी०एम० एस०--

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं. चंडीगढ़/237/78-79--पत्र, मुझे, जी० पी०

मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन प्रभाव प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 2500/- रुपए
से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 836, सैकटर 16डी है तथा जो
चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय चंडीगढ़
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकूल
के लिये प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विवाद करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकूल का पक्षह प्रतिशत
अधिक है और प्रत्यक्ष अन्तरक (अन्तरिक्षीय)
(प्रस्तुतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया
प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आवश्यक हा से कथित नहीं किया गया है :--

(क) प्रभावा में दुई किसी प्राप्त की वादन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आवश्यकीय कार्यों का,
जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकनाथ
प्रत्यक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वे उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रत्यक्षरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :--

1. श्री मरदार चन्द्र चौमह पुत्र श्री राम वित्तामल, वासी
145-सी, माडल टाउन, पटियाला
(अन्तरक)
2. श्री एल० सी० कपूर पुत्र श्री फतेह चन्द्र वासी मकान
नं० 6 सैकटर 7-ए, चंडीगढ़
(अन्तरित)
3. श्री एच० आर० वर्मा (रामायंड मेजर) मारफत दिल्ली
एटोमोबिलज, इंडस्ट्रीयल एरिया, चंडीगढ़
वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यम में कोई भी प्राप्तेः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्प्रवधि अवधियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, गो भी
प्रवधि बाद में सपात छोटी हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधू
किसी अन्य अवधि द्वारा, अघोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रतिनियम के पद्धाय 2-क में यथा परिभाषित हैं
वही प्रयोग होगा, जो 2-क पद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 836, सैकटर 16-डी, चंडीगढ़।

(जाएदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, चंडीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 647, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)

जी० पी० मिह
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः 12-7-79

मोहरः

प्रकृष्ट प्रार्थी दो० एन० एस० —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० चण्डीगढ़/244/78-79—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्का अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा० के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० मकान नं० 343, सैकटर 15-ए है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (प्रीर इसमें उपवाड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत सही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) एमा किसी भाय या फिसाधन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

मरा: शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269वा० के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269वा० की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित अवधियों अन्तरित :—

1. श्री गिरदारी लाल पुत्र श्री कुन्दन लाल वासी मकान नं० 343, सैकटर 15-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
2. श्री विश्वा मित्र शास्त्री पुत्र श्री बी० एन० शास्त्री वासी मकान नं० 735, सैकटर 22-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेयः —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी सम्भव व्यक्ति द्वारा अधिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनूस्त्री

मकान नं० 343, सैकटर 15-ए, चण्डीगढ़।
जाएदाद जौम; कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 680, नवम्बर, 1978 में दर्ज है।

जी० पी० सिंह
सक्रम प्राधिकारी
(सहायक प्रायकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 12-7-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी टी. एन. एस.—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269वाँ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 जूलाई 1979

निर्देश सं. पटियाला/200/78-79—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन्ट रेज, लुधियाना,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारा 269वाँ उक्त प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, बिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं. दुकान नं. 1622/2, 1623/2 व 1624/2 है, तथा जो पुरानी कोतवाली चौक, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण स्तर से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिये; और/या;

(ख) ऐसी किसी आप या फिरों द्वारा या प्रधीन प्राप्तियों को, जिस्ते भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्राप्त: यह, उक्त प्रधिनियम की वारा 269वाँ के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की वारा 269वाँ की उपलब्धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी प्रथानि :—

1. (1) श्रीमती मुभदरा देवी विधवा श्री नरायण दाम,
- (2) श्रीमती कृष्णा धवन,
- (3) श्रीमती शशी सेठ,
- (4) श्री पवन कुमार,

(5) श्री सरदार कुमार,

(6) श्री मत्तीश कुमार, मारे पुत्रियाँ व पुत्र श्री नरायण दाम वासी मकान नं. 213, जौरीयाँ भाटियां, पटियाला

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रोमिला अग्रवाल पत्नी श्री वरिन्द्र अग्रवाल वासी 4145/2, मोहल्ला माईगिरां, पटियाला (अन्तरिती)

3. (1) श्री आर० सी० महमूल स्टेशनरी मर्केट,
 - (2) श्री वरिन्द्र अग्रवाल,
 - (3) श्री भाई प्रकाश मिहू शमशेर सिंह, बुक मेनर,
 - (4) श्री जोगिन्द्र सिंह, टी स्टाल,
- मारे वासी दुकान सं. 1622/2, 1623/2 व 1624/2, पुरानी कोतवाली चौक, पटियाला (वह अधिकृत जिसके अधिभोग में सम्बत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के प्रधनन्त्र ने कोई प्राप्तेय—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वां अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अध्य अधिकारी के पास निखिल में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण.—इसने प्रयुक्त शब्दों और वहों को आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिपालित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान सं. 1622/2, 1623/2 व 1624/2 जो पुरानी कोतवाली चौक, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4778, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन्ट रेज, लुधियाना

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० पटियाला/260/78-79--परा०, मुझे, जी० पी० मिह०, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्रम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 852.1/2 वर्ग गज है, तथा जो सामने पाला ग्राउंड राजवाहा रोड, नजदीक मोदी कालेज, पटियाला में स्थित है (अग्रहसनें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरूपण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरूपण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिये ;

प्रत: घब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के प्रधीननिम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री सजान मिह० पुत्र महताब मिह० वासी सामने पोलो ग्राउंड, राजवाहा रोड, पटियाला

(अन्तरक)

2. श्रीमती रविन्द्र कोर पत्नी श्री रिपुदमन सिह० वासी सामने मोदी कालेज, पटियाला

(अन्तरिती)

3. श्रो रिपुदमन मिह० सेठी पुत्र भोपाल मिह० सामने मोदी कालेज, पटियाला (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंत्रधर में कोई भी प्राप्ते—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्विरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से हिस्सी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षतामरो के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टज्ञोक्तरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उप अध्याय में स्थित गया है।

अनुसूची

घाट सं० बी-17/423, जिसका क्षेत्रफल- 852.1/2 वर्ग गज है और जो सामने मोदी कालेज, पटियाला में स्थित है।

(जायेश्वर जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5615, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

जी० पी० सिह०
सक्रम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 12-7-1979

ओहर :

प्रालेप आई० टी० एन० इस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० पटियाला/269/78-79—एतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 74-बी/2, माडल टाउन है, तथा
जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या धन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा १-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

1. श्री सरन सिंह पुत्र श्री किशन सिंह वासी 84-मस्जिद
रोड, नई विल्सी-110084।

(अन्तरक)

2. श्रीमती तेजिन्द्रपाल कौर पत्नी श्री जगतेश्वर सिंह
वासी 6-रीवर डाईवर सोसाइटी, अडाजन रोड, सूरत
(गुजरात)

(अन्तरिती)

3. दी कतकरमेशन सेक्जन, पंजाब स्टेट बिजली बोर्ड,
मकान नं० 74-बी/2, माडल टाउन पटियाला
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 74-बी/2, माडल टाउन, पटियाला।

(जायेश्वर जैना कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 5738, फरवरी, में दर्ज है।)

जी० पी० सिंह
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रकृष्ट! माईंड टी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० चण्डीगढ़ 0238/78-79—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रत्यक्ष है

और जिसकी सं० मकान नं० 3261, सेक्टर 27-डी है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावन्दी अनुकूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विष्वास करने का कारण है कि वकाफूर्नोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान विनाश से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) प्रीवर अस्तरिक्ती- (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिये तथा गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप न किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय या बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को निहों भारतीय आयकर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ६८-ए अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्तर्भूत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना बाब्तिए था, जिसने न गविष्ट के लिये;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों प्रर्थतः—

1. श्री मुन्दर लाल सैहंगल पुत्र श्री मधुरा आस सैहंगल, वासी मकान नं० 3261, सेक्टर 27-डी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री रोशन लाल चावला पुत्र श्री बखतु गाम चावला व श्रीमति प्रमेमरी देवी पत्नी श्री रोशन लाल चावला, वासी, एस० सी० एफ० नं० 35, सेक्टर 20-सी, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

1. (1) श्री देवी बयाल,
- (2) श्री जतिन्दर सिंह,
- (3) श्री सुरेण चन्द्र सिंहला,
- (4) श्री इन्दर जीत सिंह,
- (5) श्री तिलक राज सबरबाल,
- (6) श्री मुनील जैन,
- (7) श्री कें० सी० बजाज,
- (8) श्री सिकन्दर लाल,
- (9) श्री मदन लाल खेगल व
- (10) श्री अमृत लाल रस्तोगी, सारे वासी 3261, सेक्टर 27-डी, चण्डीगढ़ (वह अवित्त जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवंशिकियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में नोट भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधिया तक संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधिया, जो भी प्रवधियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्टद किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेम :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कान नं 3261, सेक्टर 27-डी, चण्डीगढ़

(जायदाद जैविक रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 649, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० चण्डीगढ़/240/78-79—यतः, मुझे, जी० पी० मिहू, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राविकारी को यह विश्वास करने का दावा है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 7, सैक्टर 18-डी, है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यस्तरक (यस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तावन के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तावन सिविल में वास्तविक रूप में कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कामी करने या नभये इच्छने में मुविद्धा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भव्य पास्तियों को, किन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसम अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सिवाने में मुविद्धा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसर में, भूक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अपत्ति :—

1. श्रो मुख्दी लाल गर्ग पुत्र श्री लक्ष्मी नागरण, वासी सकान नं० 1629, सैक्टर 7-डी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
2. श्री भगवान दाम पुत्र श्री लक्ष्मी राम, वासी एस० सी० ब्लाक, नं० 10, सैक्टर 19-डी, चण्डीगढ़ (अन्तर्गत)
3. मैमर्ज अशोक स्वीट्स एस० सी० एफ० नं० 7, सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गम्भीर के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यान्वयिता करता है।

उत्तमांति के प्रत्येक के मंत्रिव वें कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षितियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ताद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अन्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा अधारहस्ताशी के पाय लिखित में किए जा सकें।

रजिस्ट्रीकरण :— समें प्रयुक्त गम्भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही घर्थ होगा जो उस प्रथमांतरे में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० सं० 7, सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 653, नवम्बर, 1978 में दर्ज है) ।

जी० पी० सिंह

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्रश्न प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० चण्डीगढ़/241/78-79—यतः, मुझे, जी० पी० सि, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 1007, सेक्टर 21, है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुच्छी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिथित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करता या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, याधनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

13—186GJ/79

1. धौमती अमर कौर विष्वास्वा स्व० श्री धर्म सिंह, वासी मकान नं० 368, माडल टाउन, पानीपत (अन्तरक)
2. श्री एस० एम० सोहन पुत्र श्री वलीप सिंह सोनी वासी मकान नं० 273, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-110048 (अन्तरिती)
3. पंजाब स्टेट कॉपरेटिव ट्रेइंग इंस्टीट्यूट, मकान नं० 1007, सेक्टर 21 बी, चण्डीगढ़ (व व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेष्टः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मकान सं० 1007 सेक्टर 21-बी, चण्डीगढ़ ।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 654, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-ष (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० पटियाला/165/78-79—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाछात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी का भाग जो तफजलपुरा, नजदीक गुरु नानक कालोनी, है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पृह से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धित में अन्तरिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबन उत्तर प्राप्ति नियम के ग्रांट कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा देना;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बत या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ष के अनुसरण में भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्यातः—

1. श्री बूजलाल गुप्ता पुत्र श्री जीवा राम व श्रीमती तारावती पत्नी श्री बूजलाल गुप्ता वासी तफजलपुरा, पटियाला

(अन्तरक)

2. श्री अनोख सिंह संधू पुत्र श्री अर्जन सिंह संधू व श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री ए० एस० संधू, ए० एस० डी० ओ० पंजाब राज विजली बोर्ड, लुधियाना

(अन्तरिती)

को पत्र मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिनी करना है।

इक्के सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोदस्ताधीनी के राम लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

प्रभुमूल्य

कोठी का भाग जो तफजलपुरा, नजदीक गुरु नानक कालोनी, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4045, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्रृष्ठप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) को धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० पटियाला/164/78-79—यतः, मुझे, जी० पी० सिह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी का भाग जो तकजलपुरा, नजदीक गुरु नानक कालोनी है, तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण स्वं से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो जिसी आय या जिसी रूप या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए;

प्रतः यद्य, उक्त अधिनियम की आय 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आय 269-प की उपबारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पातः:—

1. श्री वृज लाल गुप्ता पुत्र श्री जीवा गम व श्रीमती तारावती पत्नी श्री वृज लाल वासी तकजलपुरा, पटियाला

(अन्तरक)

2. श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री ए० एस० संधू, ए० डी० ओ० पंजाब स्टेट विजली बोर्ड, लुधियाना व श्री ग्रनोब सिंह संधू पुत्र श्री अर्जन मिह० संधू, ए० डी० ओ० विजली बोर्ड, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दस्तावेज़:—इसमें प्राप्त गद्दों और पदों ना, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी का भाग जो तकजलपुरा, नजदीक गुरु नानक कालोनी, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4044 नवम्बर, 1978 में दर्शाया है)।

जी० पी० सिह
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 16 जुलाई 1979

निवेश सं० नाभा/79/78-79—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के प्रधीन सम्बन्धिकारी को, यह विषवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कुषि भूमि 15 बीघे जो गांव जातीबाल तहसील
नाभा है, तथा जो खसरा न० 234/०.६/ 232/६.५ 233/
4.३ 241/१.६ 241./३.० में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगसार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के
प्रकारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की
उपराया (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविक्षियों अर्थात् :—

1. श्री मेला सिंह पुत्र श्री राम सिंह गांव जातीबाल तहसील
नाभा

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह सुपुत्र श्री खेम सिंह गांव जातीबाल तहसील
नाभा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के मंदिर में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, तो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुषि भूमि 15 बीघे जो कि गांव जातीबाल तहसील नाभा
में है।

(जायेश्वर जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के
विलेख न० 1811 नवम्बर 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह
मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना,

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 8 जुलाई, 1979

निर्देश मं० — अतः मुझे ई० जे० मवलंग
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की ओरा
269 अ के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० दागन० 323 न्यूटन पट्टा नं० 6 है, तथा जो
शान्ती पाड़ा, न्यूटन अमला पट्टीवाड़, डिग्रूगढ़ में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-
कारी के कार्यालय डिग्रूगढ़, में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 को
पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्राप्तपूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के एवं उक्त प्रतिफल से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापन, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी प्रति या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; या किया जाना चाहिए था, लिखाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-अ के अनु-
मत में, मैं, उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-अ की उपाधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1 (1) श्री अमूल्य रत्न नाग
के० आफ स्व० मोहिनी मोहन नाग
(2) श्रीमती रेनुका नाग
स्व० मुधीर कुमार की पत्नी
(3) श्री अधीर कुमार नाग
के० आफ स्व० मोहिनी मोहन नाग,
शान्तीपाड़ा, डिग्रूगढ़, अमृत।

(अन्तरक)

2. (1) श्री अमर धोप,
(2) श्री मानीक धोप,
(3) श्री स्वप्न कुमार धोप,
यह सब लड़के श्री अमूल्य चन्द्रधोप शान्ती पाड़ा,
डिग्रूगढ़ का है।
- (अन्तरिती)
3. जमीन दाखिलकारी व्यक्ति (1) श्री परेस नन्दी, प्रो०
प्रा० स्टेशनरी सौप न्यूतन बाजार, डिग्रूगढ़।
- (2) श्री बी० शार० दास,
सहायक शिक्षक रेलवे स्कूल शान्ती पाड़ा,
डिग्रूगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरांशी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्यावरण के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिचालित है
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 4 कट्टा, 16 (सोलह) लक्षा, उसके साथ
दों अमृत टाइप माकान अनुमाप 800 एक्स्क्वायर फीट एवं
दों रसोई घर, अनुमाप 320 एक्स्क्वायर फीट शान्ती पाड़ा,
थर्ड लेन, डिग्रूगढ़, टाउन, असाम में अवस्थित है।

इ० जे० मलवंग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, शिलांग

तारीख : 8-7-1979

मोहर:

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 26th July, 1979

N. F. 2/79-SCA(I):—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed the following Officers of this Registry with effect from the forenoon of 23rd July, 1979 and appointed them substantively to the post shown against each:

S. No.	Name	Present post held	Post in which confirmed
1. Shri H. S. Munjral		Offg. Deputy Registrar	Assistant Registrar
2. Shr. A. S. V. Raghavan		Offg. Assistant Registrar	Assistant Registrar
3. Shri R. S. Suri		Offg. Principal Private Secretary to Hon'ble the Chief Justice of India.	Assistant Registrar
4. Shri R. R. Kumar		Off. Assistant Registrar (Presently on Deputation)	Assistant Registrar
5. Shri S. S. Pathania		Offg. Section Officer	Section Officer
6. Shri C. Robinson		Offg. Section Officer	Section Officer
7. Shri H. S. Kapur		Offg. Private Secretary to Hon'ble Judge.	Private Secretary to Hon'ble Judge.
8. Shri G. K. Batra		Offg. Court Master	Court Master
9. Shri V. K. Thapar		Offg. Section Officer	Section Officer

MAHESH PRASAD
Deputy Registrar (Admn. J.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16th July 1979

No. A.12026/1/79-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Y. R. Gandhi, a permanent Section Officer of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Administrative Officer in the Commission's office on *ad-hoc* basis for a period of three months w.e.f. 10th July 1979 or until further orders, whichever is earlier.

2. The appointment of Shri Gandhi will be on transfer on deputation basis and his pay will be regulated in terms of the Ministry of Finance OM No. F.10(24)-E.III/60, dated 4th May 1961 as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Chairman

New Delhi-110011, the 30th June 1979

No. P-1150/Admin.II.—Consequent upon his qualifying the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1977, conducted by the U.P.S.C. and being nominated to the cadre of the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Co-operation (Department of Commerce) it has been decided to place the services of Shri M. L. Khanduri, a permanent P.A. (Grade C of the CSSS) and officiating SPA (Grade B of the CSSS) who was working as Section Officer on loan basis in the office of the Union Public Service Commission, with the Department of Commerce.

2. Shri M. L. Khanduri has been granted 30 days earned leave w.e.f. 2nd July 1979 to 31st July 1979. On the expiry of his leave Shri Khanduri will report direct to the Department of Commerce on 1st August 1979.

The 9th July 1979

No. P/1526-Admn.I(Vol.II).—Consequent upon his reversion from the Commission of Inquiry on Maruti Affairs, Shri N. K. Prasad, Selection Grade Officer of the CSS, assumed charge of the office of Deputy Secretary, Union Public Service Commission w.e.f. the afternoon of 30th June 1979.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 23rd July 1979

No. A-19020/1/78-Ad.V.—On his return from the training, under the Colombo Plan in U.K. in Programme of Studies in Public Administration at the Department of Administrative Studies for overseas visiting fellows at the University of Manchester, on the forenoon of 12th June 1979, the services of Shri G. P. Pilania, IPS (1955-Rajasthan), Deputy Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment have been placed back at the disposal of Government of Rajasthan with effect from 12th June 1979.

S. K. JHA
Dy. Director (Admn.)
C.B.I.

New Delhi, the 17th July 1979

No. C-3/73-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri C. M. Sharma, IPS (1962 : U.P.), Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the afternoon of the 7th July 1979 and until further orders.

The 18th July 1979

No. K-30/65-AD.V.—On attaining the age of superannuation Shri K. M. Rangachari, relinquished charge of the Office of the Deputy Legal Adviser, Central Bureau of Investigation, at Madras on the afternoon of the 30th June 1979.

No. S-188/69-AD.V.—Shri S. Kasitajan, Dy. Supdt. of Police, C.B.I. on deputation from Tamil Nadu Police relinquished charge of the Office of Dy. Supdt. of Police in the C.B.I. on the afternoon of the 30th June 1979. His services have been placed back at the disposal of the Tamil Nadu State Police.

No. D-1/73-AD.V.—On the expiry of his term of deputation, the services of Shri D. R. Chauhan, Dy. Supdt. of Police, C.B.I., are placed back at the disposal of the Government of Himachal Pradesh with effect from the afternoon of 30th June 1979.

HIFRO A. SHAHANEY
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 20th July 1979

No. O.II-129/75-Estt.—Consequent on expiry of his term of re-employment in the CRP Force, Lt. Col. M. S. Allagh (Retd.) relinquished charge of the post of Asstt. Commandant, AWS, CRPF, Hyderabad on the afternoon of 12th May 1979.

No. O.II-1045/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murthy as Junior Medical Officer with effect from the forenoon of 25th June 1979 for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 24th July 1979

No. O.II-1440/79-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Sunil Kumar Misra, as a General Duty Officer, Grade-I (Assistant Commandant) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 14th June 1979 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Admn.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 18th July 1979

No. 10/25/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Kumari G. Suguna Kumari, a Grade III officer of ISS and formerly Deputy Director in the Central Statistical Organisation, Department of Statistics, New Delhi, as Senior Research Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, with effect from the afternoon of 30th June 1979, until further orders.

No. 11/8/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. Kumar, an officer belonging to the Arunachal Pradesh Civil Service, to the post of Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations.

Arunachal Pradesh at Shillong, on deputation basis, with effect from the forenoon of 3rd July, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Kumar will be at Shillong.

The 19th July 1979

No. 11/83/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. B. Rai, an officer belonging to the Union Territories Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Arunachal Pradesh, Shillong, with effect from the forenoon of 9th July 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Rai will be at Shillong.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla, the 4th August 1979

No. 23/3/79-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960—100 increased by six points to reach 345 (three hundred and forty five) during the month of June, 1979. Converted to base 1949—100 the index for the month of June, 1979 works out to 419 (four hundred and nineteen).

TRIBHUVAN SINGH
Dy. Director
Labour Bureau, Simla

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 23th July 1979

No. 491/A.—In continuation of Notification No. 221/A dated 8th May 1979, the *ad hoc* appointment of Shri S. N. Chakraborty as Dy. Control Officer, India Security Press, Nasik Road will be treated as regular with effect from 4th June 1979.

D. C. MUKHERJEE
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENTS

OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 19th July 1979

No. 1216-CA-1/44-79—Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (C) has been pleased to promote the following Section Officers (C) and appoint them to officiate as Audit Officer (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the date mentioned in column 5 below until further orders :—

Sl. No.	Name of the Section Officer (Commercial)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as Audit Officer (Comm'l.)	Date of posting as offg. Audit Officer (C)
1	2	3	4	5
S/Shri				
1. M.M. Ghosh	.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Calcutta.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Calcutta.	18-5-79 FN
2. Niranjan Paul	.	Accountant General-II, West Bengal, Calcutta.	Accountant General-II, West Bengal, Calcutta.	18-5-79 FN
3. G.D. Saha	.	MAB & Ex-officio DCA, Calcutta.	MAB & Ex-officio DCA, Calcutta.	18-5-79 FN
4. Jyotsnamoy Mozumder	.	Comptroller & Auditor General of India, New Delhi.	AG-II, West Bengal, Calcutta.	13-6-79 FN
5. R. Vaidyanathan-II	.	AG-II, Tamil Nadu, Madras	MAB & Ex-officio DCA, Bombay.	14-6-79 FN
6. G.T. Abraham	.	MAB & Ex-officio DCA, Madras.	Do.	15-6-79 FN
7. Gyarsilal Yadav	.	AG, Rajasthan, Jaipur.	Do.	15-6-79 FN

M.S. GROVER
Deputy Director (Comm'l.)

OFFICE OF THE D.A.C.R.

New Delhi, the 20th July 1979

No. Admn.I/O.O.-167/PF/M.L.Behl/79-80/754.—Shri M. L. Behl, a permanent Audit Officer of this office shall stand retired voluntarily from service of the Govt. of India with effect from the forenoon of 20th July 1979 after completion of more than 20 years of qualifying service in terms of G.D.M. of H.A.O.M. No. 25013/7/77-Estt.(A), dated 26th August 1977.

Shri Behl entered Govt. service on 9th June 1947 and his date of birth is 10th April 1929.

Sd. ILLEGIBLE
Dy. Director of Admn.

No. 2123/A. Admn./130/79.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint the under-mentioned substantive members of the S.A.S. to officiate as Audit Officer, until further orders in the offices and from the dates shown against each :—

Sl. No.	Name	Office in which appointed	Date
S/Shri			
1. V.S. Jagota		Audit Officer, D.S., Jullundur.	25-6-79
2. D. Sanyal		Joint Director of Audit, D.S., E.C., Patna.	18-6-79
3. G.R. Bangur		Joint Director of Audit, D.S., S.C., Poona	25-6-79
4. A.B. Gopalaratnam		Asstt. Director of Audit, D.S., Madras.	5-7-79

No. 2124/A. Admn./130/79.—Shri K. M. Mathenkunju Substantive Audit Officer in the office of the Joint Director of Audit, Defence Services, Poona, passed away on 2-7-79.

K. B. DAS BHOWMIK
Joint Director of Audit,
Defence Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 20th July 1979

No. 3583/AN-I.—The President is pleased to appoint Shri J. P. Kacker, a permanent officer in Level I of the Senior Administrative Grade of the Indian Defence Accounts Service, serving on deputation as Secretary (Expenditure) in the Ministry of Finance, Department of Expenditure, to the grade

No. 6/79/A/M.—The President is pleased to appoint the following Permanent Asstt. Medical Officers as officiating Sr. Medical Officers in Ordnance Factory, Health Services with effect from the dates mentioned against each until further orders :—

Sl. No.	Name	Posted at	Date
1. Dr. Mrs. B. Sarkar		Ordnance Factory, Kanpur.	29-6-78 (Retired on 31-8-78)
2. Dr. B.N. Sen		Ordnance Factory, Varangaon.	29-6-78
3. Dr. D.K. Sanyal		Cordite Factory, Aruvankadu	4-7-78
4. Dr. A.R. Chattopadhyay		Ordnance Factory, Ambarnath.	29-6-78
5. Dr. S.K. Bhattacharya		Ordnance Factory, Bhandara.	29-6-78
6. Dr. Miss J.R. Barua		Ordnance Factory, Muradnagar.	29-6-78
7. Dr. R. K. Paul		Ordnance Factory, Katni.	29-6-78
8. Dr. P.G. Sarkar		Ordnance Factory, Tiruchirapalli	29-6-78
9. Dr. Priyakesh Mukherjee		Ordnance Factory, Dehra Dun.	29-6-78

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT POSTS AND
TELEGRAPHHS

Delhi-110054, the 17th July 1979

No. Admn.III-195/23(A)(2)Notn.—Shri M. S. Schaffter, a substantive Audit Officer in the P&T Branch Audit Office Madras has retired from service with effect from 31st May 1979 (A.N.) on superannuation.

LACHHMAN SINGH
Joint Director of Audit

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 23rd July 1979

No.2122/A.Admn.130/79.—On attaining the age of superannuation S/Shri H. L. Malhotra and T. S. B. Rao, Substantive Audit Officers of the Audit Department, Defence Services, retired from service with effect from 30th June 1979. (A.N.).

of Controller General of Defence Accounts in a substantive capacity with effect from 1st December 1977.

R. L. BAKHSHI
Additional Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE AND ORDNANCE EQUIPMENT
FACTORIES

Calcutta, the 30th June 1979

No. 5/79/A/M.—The Draft Gazette Notification No. 1/79/A/M dt. 7th February 1979 issued under No. 408/A/M dt. 7th February 1979 in respect of promotion of Permanent Asstt. Medical Officers to Offg. Senior Medical Officers published in the Gazette of India Part III Section I at page 3671 (English) and 3569 (Hindi) of week ending 12th June 1979 is hereby cancelled.

O. P. BAHL
Addl. DGOF
for Director General, Ordnance Factories

Sl. No.	Name	Posted at	Date
10.	Dr. K.B. Das Gupta	Ordnance Factory, Kanpur.	15-9-78
11.	Dr. S.K. Majumdar	Gun Carriage Factory, Jabalpur.	1-7-78
12.	Dr. M.G. Chakraborty	Ordnance Factory, Ambajhari.	24-7-78
13.	Dr. Km. K. Subaiya	Vehicle Factory, Jabalpur.	15-10-78
14.	Dr. P.K. Sarkar	Ordnance Factory, Bhusawal.	16-5-79

O.P. BAHL
Addl. DGOF

for Directorate General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 2nd July 1979

No. 12(639)/69-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri N. K. A. Rao, Director (Gr. II) (Mechanical) Small Industries Service Institute, Bangalore as Director (Gr. I) (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Bangalore on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 1st June 1979.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 23rd July 1979

No. A-1/1(470).—Shri D. R. Nagpaul, substantive Assistant Director Grade I and officiating Deputy Director (Gr. II of ISS) in the DGS & D, New Delhi, has retired from Government service with effect from 30th June 1979 (AN) on attaining the age of superannuation.

No. A-1/1(1138)/79.—In partial modification of this office notification of even number dated 19th June 1979, Shri B. K. Saxena, officiating AD (Admn.) (Gr. II) is reverted to his substantive post of Superintendent in the office of Director of Inspection, N.I. Circle, New Delhi, with effect from the forenoon of 21st June 1979.

K. KISHORE
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 19th July 1979

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7), dated the 11th July 1969, under Class 3 Division 2, add "CLADEX" after the entry "BI AMIX-B".

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

FILMS DIVISION

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
Bombay-26, the 18th July, 1979

No. A.-31014/8/75-Est. I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints the undermentioned Officers of the Films Division to the posts of Cameraman in substantive capacity with effect from the date shown against each:—

S.No.	Name	Date
1.	Shri N. Narasingha Rao, Quasi Permit. Cameraman.	19-1-1965
2.	Shri Baldev Khosla, Permit. Asstt. Cameraman and Offg. Chief Cameraman.	28-6-1968

14-185GI/79

Sl. No.	Name	Date
3.	Shri M.S. Pendurkar, Permit. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	18-12-1969
4.	Shri D.N. Chandekar, Permit. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	16-4-1972
5.	Shri V.P. Parmar, Permit. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	16-3-1976
6.	Shri M.S. Gangadhar, Permit. Asstt. Cameraman, and Offg. Cameraman.	16-3-1976
7.	Shri H.R. Doroswamy, Permit. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	16-3-1976
8.	Shri P.W. Baokar, Quasi Permit. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	29-3-1976
9.	Shri K.N.N. Iyengar, Permit. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	29-3-1976
10.	Shri B.S. Mathur, Permit. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	29-3-1976
11.	Shri K. Jagajivanram Quasi Permit. Cameraman.	13-8-1977
12.	Shri D.R. Haldankar, Permit. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	15-1-1978

M. CHANDRAN NAIR
Administrative Officer
for Chief Producer

BHARAT SARKAR AKASHVANI

Chandigarh, the 16th June 1979

ORDER

No. 21(122)/75-S.—WHEREAS Shri Bhinder Singh S/O Shri Karnail Singh employed as Copyist in All India Radio, Govt. of India and at present posted at its Chandigarh Office has declared that he has changed his name to Bhupinder Singh.

2. WHEREAS the said Shri Bhinder Singh Son of Shri Karnail Singh has executed at Deed on 8-3-79 wholly renouncing, relinquishing and abandoning the use of his former name of Shri Bhinder Singh and in place thereof adopted the name of Bhupinder Singh so that he is called, known and distinguished not by his former name of Bhinder Singh but by the name of Bhupinder Singh, and, by the same Deed, expressly authorised and requested all persons at all times thereafter to designate and address him by the name of Bhupinder Singh.

3. WHEREAS the said Shri Bhinder Singh has got a Public Notice issued and published in the Newspaper, The Indian Express of 13-12-78, to the effect and for the knowledge of all concerned that he has changed his name to Bhupinder Singh.

4. WHEREAS the said Shri Bhinder Singh has issued and published a Notice in the Gazette of India of 24-2-79 to the effect that he has changed his name and shall thereafter be known as Bhupinder Singh.

5. NOW, THEREFORE, the undersigned, in his capacity as the Head of the Office in which the said Shri Bhinder Singh works at present as Copyist (Staff Artist), accepts the said request of Shri Bhinder Singh that his name be changed from his existing name of Shri Bhinder Singh to Shri Bhupinder Singh in all the official documents and Government records pertaining to the said Shri Bhinder Singh with effect from the date of issue of this Order.

K. N. NAIR
Station Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 18th July 1979

No. A.12025/14/78(FRSL)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Indranil Chakraborti, Junior Analyst, Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad, to the post of Senior Analyst at the same laboratory, with effect from the forenoon of the 12th June 1979 and until further orders.

The 21st July 1979

No. 9-30/72-Admn.I.—Consequent on the acceptance of her resignation Smt. Shukla Nanda relinquished charge of the post of Clinical Psychologist at Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi on the afternoon of 31st March 1979.

No. A.12025/8/77(JIP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. R. Rajan in the post of Assistant Professor of Biochemistry at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the forenoon of the 15th May 1979 in an officiating capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M)

(STORES I SECTION)

New Delhi, the 21st July 1979

No. A.32014/4/79-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. D. Lahiri, Office Supdt., Medical Store Depot, Calcutta in the post of Assistant Depot Manager (Group-B-Gazetted) in the same Depot, for a period of six months with effect from the afternoon of 19th June 1979.

R. C. SHARMA
Assistant Director General (Stores)

**KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA
(KRISHI VIBHAG)**

VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 16th July 1979

No. 2-1/79-Estt.(I).—The *ad hoc* appointment of Shri O. P. Gupta in the post of Assistant Editor (Hindi) is further extended beyond 30th June 1979 and upto 31st August 1979.

B. N. CHADHA
Director of Administration

**(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION**

Faridabad, the 18th July 1979

No. A-19023/57/78-A.III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Marketing Officer (Group I) in this Directorate have been extended upto 30th September 1979 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

1. Shri M. Chakraborty.
2. Shri S. B. Chakravarty.

3. Shri R. V. Kurup.
4. Shri S. V. Krishnamurthy.
5. Shri S. D. Phadke.

No. A.19025/65/78-A.III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Assistant Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31st July, 1979, or until regular arrangements are made, whichever is earlier :—

S/Shri

1. R.S. Singh
2. B.N.K. Sinha
3. A.N. Rao
4. R.V.S. Yadav
5. M.P. Singh
6. H.N. Rai
7. D.N. Rao
8. S.P. Shinde
9. R.C. Munshi
10. K.K. Tiwari
11. S.K. Malik
12. S.D. Kathalkar
13. R.K. Pandey
14. M.J. Mohan Rao
15. K.K. Sirohi
16. Smt. Ansuya Sivarajan
17. S/Shri V.E. Edvin
18. S.P. Saxena
19. N.G. Shukla
20. R.C. Singhal
21. H.N. Shukla
22. K.G. Wagh
23. S. Suryanarayana Murthy
24. V.L. Vairaghar
25. S.R. Shukla
26. M.C. Bajaj
27. N.S. Chelapati Rao
28. K. Jayanandan
29. C.M. Girdhar
30. S.A. Shamsi

2. Shri S.S.R. Sharma Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection at Guntur with effect from 22-6-79 (AN) upto 31-7-79 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A-19024/2/79-A.III.—The short term appointment of the following officers to the posts of Chief Chemist have been extended upto 30th September 1979, or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

S/Shri

1. Chandra Prakash.
2. A. A. S. Prakasa Rao.
3. N. Kasi Rao.

The 20th July 1979

No. A-19020/6/79-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri M. P. Kamble, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Ongole w.e.f. 25th June 1979 (F.N.) until further orders.

No. A.19023/7/79-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri H. C. Sirka, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Madras in the afternoon of 30th June 1979, until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer, Shri Sirka relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Varanasi in the afternoon of 23rd June 1979.

No. A-19024/3/79-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri M. D. John is appointed to officiate as Junior Scientific Officer in this Directorate at C.A.L. Nagpur, w.e.f. 22nd June 1979 (F.N.), until further orders.

B. L. MANIWAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 18th July 1979

No. NAPP/Adm/1(139)/79-S/8194.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri D. S. Dadhwala permanent Foreman and officiating Scientific Officer/Engineer grade-SB in Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade-SB in Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 25, 1979, until further orders.

S. KRISHNAN
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 16th July 1979

No. DPS/2/1(1)/77-Adm/18188.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. R. Menon, Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an *ad hoc* basis w.e.f. 14th May 1979 to 13th July 1979 (AN) vice Shri G. D. Rathod granted leave.

No. DPS/2/1(1)/77-Adm/18194.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. C. S. Pillai, Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an *ad hoc* basis w.e.f. 23rd October 1978 to 27th November 1978 (FN) vice Shri Arabaida Panda granted leave.

No. DPS/2/1(1)/77-Adm/18200.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Wazirchand, Chief Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an *ad hoc* basis w.e.f. 25th May 1979 to 30th June 1979 (AN) vice Shri Arabinda Panda granted leave.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 3rd June 1979

ORDER

Ref. NFC/PA.V/20/1076.—WHEREAS Shri B. P. Srivastava, Tradesman 'C', ZFP, NFC failed to report for duty on 6th January 1979 on the expiry of the leave granted to him for 20 days from 17th December 1978,

AND WHEREAS a telegram directing the said Shri Srivastava to join duty immediately was sent to his known local and permanent home addresses on 17th February 1979,

AND WHEREAS the said Shri Srivastava continued to remain absent from duty,

AND WHEREAS a memo, vide No. NFC/PA.II/B-60/ZFP/795, dated 17th February 1979 was sent to the local and permanent home addresses of Shri Srivastava, informing him that suitable disciplinary action will be taken against him if he fails to report for duty immediately,

AND WHEREAS the said memo dated 17th February 1979 sent by regd. post ack. due to the local address of the said Shri Srivastava was returned undelivered by the postal authorities with remarks, "B. P. Srivastava left to his native place to see his mother (she is in critical condition) he will be coming after a month",

AND WHEREAS the said memo dated 17th February 1979 sent to his hometown in Bihar was also returned undelivered with the endorsement "the addressee left without address, hence returned to the sender",

AND WHEREAS the said Shri Srivastava has continued to remain absent and failed to inform the NFC of his whereabouts,

AND WHEREAS the said Shri Srivastava has been guilty of not returning to duty on the expiry of the leave and voluntarily abandoning service,

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders,

AND NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 41.8 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm, dated 3rd December 1970 and para 42 of the NFC Standing Orders read with rule 19(ii) of CCS (CCA) Rules, 1965, hereby removes the said Shri Srivastava from service with immediate effect.

N. KONDAL RAO
Chief Executive

Shri B. P. Srivastava,
Badran village,
Pachrukhi P.O.,
Siwan Dist.,
BIHAR.

Shri B. P. Srivastava,
C/o Shri K. Ram Rao,
Mallapuram,
HYDERABAD-500762

Hyderabad-500762, the 9th June 1979

ORDER

Ref. NFC/PA.V/20/1147.—WHEREAS Shri C. Jangaiah, while employed as Helper 'B', FFP, has been remaining absent without prior permission with effect from 19th December 1977 committing a gross misconduct in terms of para 34 and 39(5) of NFC Standing Orders,

AND WHEREAS the said Shri Jangaiah was informed of the charges levelled against him, vide memo. No. NFC/PA.V/20/1855, dated 15th November 1978, wherein he was given an opportunity to make representation against the proposed action within a period of 10 days from the date of receipt of the said memo,

AND WHEREAS the said Shri Jangaiah failed to submit his explanation although he received the said memo dated 15th November 1978, on 20th November 1978,

AND WHEREAS an Inquiry Officer was appointed to inquire into the charges levelled against him, vide order dated 15th December 1978,

AND WHEREAS THE Inquiry Officer submitted the inquiry report on 23rd April 1979, holding the charges framed against the said Shri Jangaiah exparte, since Shri Jangaiah failed to attend the inquiry.

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the inquiry report and records of the case, has come to the provisional conclusion that Shri Jangaiah should be dismissed from service.

AND WHEREAS a show cause notice, vide memo No. NFC/PA.V/20/959, dated 16th May 1979, has been sent to the said Shri Jangaiah by regd. Post to his local and permanent home town addresses, asking him to explain why he should not be dismissed from service,

AND WHEREAS the said Shri Jangaiah failed to submit his representation in response to the show cause notice, even though he received the said memo on 21st May 1979,

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 41 of the NFC Standing Orders read with DAE order No. 22(1)/68-Adm., dated 3rd December 1970 and para 42 of the NFC Standing Orders read with rule 19(ii) of CCS(CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri Jangaiah from service with immediate effect.

U. VASUDEVA RAO
Senior Administrative Officer

Shri C. Jangaiah.
C/o Shri C. Gangaiah
Village & P.O. Lingal
Achampet Tq.
Mahboobnagar Dist.

Shri C. Jangaiah
Meerpet
Mallapuram
Hyderabad

Hyderabad-500762, the 31st May 1979

MEMORANDUM

Ref. NFC/P.A.V/20/1055.—In accordance with the Memorandum No. PAR/0702/G-77/3380, dated 18th January 1978, read with offer of appointment (Letter No. PAR/0702/3192, dated 1st January 1978) and also the Memo No. PAR/1001/297, dated 25th January 1979, the undersigned hereby terminate with immediate effect the services of Shri K. Ganesh, Helper 'A', ZOP, in NFC. Shri Ganesh shall be entitled to claim a sum equivalent to the amount of his pay plus allowances for one month at the same rates at which he was drawing them immediately before the termination of his service, in lieu of notice period as per para 45 of NFC Standing Orders.

Shri Ganesh is hereby advised to surrender his bus pass, security badge and other Government material issued to him immediately to the Manager, ZOP and collect his dues from the Accounts Officer, NFC.

U. VASUDEVA RAO,
Administrative Officer

Shri K. Ganesh
H. No. 17-2-565.
Kurmaguda
Hyderabad-500036

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 2nd July 1979

No. MAPP/3(1315)/79-Adm.—Director, Power Projects Engineering Division appoints Shri K. Natarajan, a permanent Scientific Assistant 'C' and officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the Madras Atomic Power Project with effect from the forenoon of May 23, 1979 until further orders.

K. BALAKRISHNAN
Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPS-401 504, the 16th July 1979

No. TAPS/2/1429/78.—Consequent on repatriation to his parent Department Shri D. G. Katare Section Officer (Accts) in the W. Rly. and presently on deputation to TAPS as Asstt. Accounts Officer, relinquished charge of his post in this Power Station with effect from afternoon of June 30, 1979.

A. D. DESAI,
Chief Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 058, the 14th June 1979

No 020/3(061)/A/79—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders:

Sl. No.	Name	Designation	Date
S/Shri			
1.	Narendranath Reddy D	Engineer SB	23-4-1979
2.	Surendra Kumar Vyas	Engineer SB	3-5-1979

No. 020/3(061)/P/79—Director ISRO Satellite Centre is pleased to promote the undermentioned Officers of the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space to the posts and w.e.f. the forenoon of the dates as indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore in an officiating capacity and until further orders :

Sl. No.	Name	Post & grade from which promoted	Post & grade to which promoted	Date
S/Shri				
1.	S.B. Kulshrestha	Tech. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
2.	M.R. Raghavendran	Tech. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
3.	K.T. Ramaprasad	Tech. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
4.	Ajit Phandis	Tech. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
5.	K.S. Balan	Tech. Assistant C	Englneer SB	1-4-1979
6.	M.S. Phadke	Sci. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
7.	K.N. Sudhakaran	Sci. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
8.	L. Nicholas	Sci. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
9.	N. Haridasan Chettiar	Sci. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
10.	M.V. Ramakrishna	Tech. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979

S. SUBRAMANYAM
Administrative Officer II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 18th July 1979

No. A.38013/1/79-EC.—Shri L. P. Samuel, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay relinquished charge of his office on the 30-6-79 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI,
Director of Administration

New Delhi, the 5th July 1979

No. A.12025/3/71-E.I.—In continuation of this Office Notification No. 12025/3/71-E.I., dated 16-4-1979, the Director General of Civil Aviation is pleased to sanction continued adhoc appointment of Shri K. K. Sharma, to the Post of Hindi Officer, in the Civil Aviation Department, beyond 30-6-79 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A.19014/169/72-E.I.—Dr. P. C. Mathur, an officer of the Indian Statistical Service, Grade IV, relinquished the charge of the office of Statistical Officer, Civil Aviation Department on the afternoon of 31-3-1979, on retirement from Government service.

No. A.32013/8/78-E.I.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Mazumdar, Deputy Director, Air Routes & Aerodromes (Operations), to the post of Director, Air Routes & Aerodromes (Operations), Civil Aviation Department, with effect from the 8th June, 1979 (forenoon) and until further orders.

The 6th July 1979

No. A.12022/1/79-E.I.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Bedi, to the post of Statistical Officer in Civil Aviation Department with effect from the 12th April, 1979 (Forenoon) and until further orders. This Department's Notification No. A.12022/1/79-E.I., dated 3-5-1979 is hereby cancelled.

C. K. VATSA.
Assistant Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 17th July 1979

No. 1/120/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Naresh Gambhir, Officiating Technical Assistant, New Delhi Branch, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 5th May 1979 and until further orders.

The 19th July 1979

No. 1/409/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. R. Nalkur, Supervisor, Bombay Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the Calcutta Branch, with effect from the forenoon of the 26th April, 1979 and until further orders on a regular basis.

Indore, the 18th July 1979

No. 9/79—Consequent upon their promotion as Superintendent of Central Excise Group 'B' the following Inspector (S.C.) of Central Excise have assumed their charges as Superintendents of Central Excise Group 'B' as shown against their names:—

S.No.	Name of Officer	Place of Posting	Date of assumption of charge
S/Shri			
1. A.T. Deshmukh	Suptd. (Prev.) C. Ex. Divl. Office, Raipur.	10-5-79 F.N.	
2. G.M. Daterao	Supdt. (Prev.) C. Ex. Divl. Office, Indore.	29-6-79 F.N.	

S.K. DHAR
Collector

No. 1/439/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. P. Naskar, Supervisor, Calcutta Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch for the period from 11-12-1978 to 25-4-1979 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

The 20th July 1979

No. 1/391/79-Est.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri J. K. Garg, Technical Assistant, Poona Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from the forenoon of the 21st October, 1975 to the 15th August, 1977 (both days inclusive) on ad-hoc basis and with effect from the forenoon of the 16th August, 1977 and until further orders, on a regular basis.

H. L. MALHOTRA,
Dy. Director (Admn.)
for Director General

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-VIDYALAYA

Dehra Dun, the 17th July 1979

No. 16/332/79-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri M. Rangarajan, Assistant Conservator of Forests belonging to Andamans and Nicobar Islands Forest Department as Assistant Instructor, Eastern Forest Rangers College, Kurseong, with effect from the forenoon of 5th June, 1979 until further orders.

GURDIAL MOHAN,
Kul Sachiv,

CENTRAL EXCISE, BARODA

Baroda, the 13th July 1979

No. 9/79.—Shri J. H. Patel, Superintendent of Central Excise, Group 'B' working under Assistant Collector of Central Excise, Division-III Ahmedabad has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-6-79.

No. 10/79.—Shri C. R. Patel, Superintendent of Central Excise, Group-B working under Assistant Collector of Central Excise, Division-II Ahmedabad has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-79.

J. M. VERMA,
Collector of Central Excise,
Baroda.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur, the 19th July 1979

No. 4.—Shri V. G. Tamhane, Superintendent (R.B.C./Audit), Central Excise, Group-B of this Collectorate retired from Government service in the afternoon of 30-6-1979 on attaining the age of superannuation.

K. SANKARARAMAN,
Collector

SOUTH EASTERN RAILWAY
GENERAL MANAGER'S OFFICE

Calcutta-43, the 23rd July 1979

No. P/G/14D/2/Conf/Pt.II.—Shri Shivaji Rakshit, Junior Scale (Class I) Officer of the Accounts Department of this Railway is confirmed in Junior Scale (Class I) of that Department on this Railway with effect from 16th July, 1977.

J.S.D. DAVID,
General Manager

OFFICE OF THE L.A.C., ACQ. RANGE-I,

Calcutta-16, the 23rd February 1979

No. SP 63/354.—It is hereby notified that the property bearing No. 46/1A situated at Chowinghee Road, Calcutta has been taken possession of in terms of the provisions contained in sub-section (1)/(2) of section 269I of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) on 1-12-78 by Shri C. R. Dey, Executive Engineer, Cal. C.D.-I, CPWD, Cal. Shri _____ duly authorised in this behalf. In terms of sub-section (4) of Section 269I of the Act, the said property vests absolutely

in the Central Government, free from all encumbrances with effect from the aforesaid date.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition
Range-I, Calcutta.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Nathan Transports Private Limited.*

Madras, the 20th July 1979

No. 3710/560(3)/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Nathan Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

C. ACHUTHAN,
Assistant Registrar of Company

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE**

Shillong, the 5th July 1979

Ref. No. 264/A-224/DBR/78-79.—Whereas, I, E. J. MAWLONG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 323, New P. Patta No. 6 situated at Santipara of New Amolapatty Ward, Dibrugarh Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dibrugarh on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Amulya Ratan Nag
S/o, Late Mohini Mohan Nag.
2. Smt. Renu Kana Nag
W/o, Late Sudhir Kr. Nag.
3. Shri Adhir Kumar Nag
S/o, Late Mohini Mohan Nag.
Santipara, Dibrugarh.

(Transferor)

1. Shri Amar Ghosh
2. Shri Manik Ghosh
3. Shri Swapan Kumar Ghosh
All Sons of Shri Amulya Chandra Ghosh
Santipara, Dibrugarh.

(Transferee)

1. Shri Paresh Nandi
Prop. Stationary Shop
Natur Bazar, Dibrugarh
2. Shri B. R. Das
Asstt. Teacher
Railway School
Santipara, Dibrugarh.

(Persons in Occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 (four) Katha, 16 (sixteen) Lecha along with two assam type houses measuring 800 sq. ft. and two kitchen measuring 320 sq. ft. situated at Santipara 3rd Lane, Dibrugarh town in the district of Dibrugarh, Assam.

E. J. MAWLONG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 5-7-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raisuddin Ahmad

(Transferor)

(2) Shri Bhudeo Singh and Others

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
57-Ram Tirth Marg, Lucknow.

Lucknow, the 15th May 1979

Ref. No. 83-B/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mauza Daulat Bagh, Moradabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 20-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Arazi measuring 27438 sqr. meter situate at Mauza Daulat Bagh, Pargana Sikandarpur, Distt. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 5268 and sale-deed duly registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 20-11-1978.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-5-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Raisuddin Ahmad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhudeo Singh and Others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th May 1979

Ref. No. B-84/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mauza Daulat Bagh, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on 25-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

15—186GI/79

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Arazi measuring 154-60 sqr. meter situate at Mauza Daulat Bagh, Paragna Sikandarpur, Distt. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the form 37-G No. 5382 and sale-deed duly registered at the Office of the Sub-Registrar, Moradabad on 25-11-1978

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-5-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shyam Saran Shukla

(Transferor)

(2) M/s. Kapoor and Sons

(Transferee)

(3) Shri Shyam Saran Shukla

(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1979

Ref. No. 86-K/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Mohalla Mahatma Gandhi Nagar, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moradabad on 28-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

—

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One tin covered plot of land measuring 388.21 sqr metr. situated at Mohalla Mahatma Gandhi Nagar, Moradabad and all that description of the property mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 5459/78 both duly registered at the Office of the Sub-Registrar, Moradabad on 28-11-1978.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 10-5-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Usha Rani (Transferor)
 (2) Smt. Pushpa Kumari (Transferee)
 (3) 1. Abdul Rehman,
 2. Mohd. Yamin &
 3. Mohd. Naim.
 (Tenants).
 (Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd June 1979

Ref. No. P-71/Acq/79-80.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bazar Chowk, Najibabad, Distt. Bijnore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Najibabad on 17-11-78.
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A shop measuring 43 sqr. fts situated at Bazar Shock Najibabad Distt. Bijnore and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-B No. 1995 duly registered at the office of the Sub-Registrar, Najibabad on 17-11-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AMAR SINGH BISEN,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

Date : 22-6-1979.

Seal :

FORM ITNS(1) Shri K. B. Jindal and
A. C. Gupta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th July 1979

Ref. No. K-87/Acq.—Whereas, I,
AMAR SINGH BISEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. B-8
situated at H. Road, Mahanagar Extension Scheme, Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Lucknow on 3-11-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Kusum Agarwal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. B-8 measuring 10,325 sqr. fts. situated at H. Road, Mahanagar Extension Scheme Lucknow and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 5102 and sale-deed duly registered at the office of the Sub-Registrar Lucknow on 3-11-1978.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 5-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prem Nath Khandelwal.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi

(Transferee)

(3) Principal Jr. Training College

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(4) Does not arise.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE
57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th July 1979

Ref. No. S-175/Acq/79-80.—Whereas, I,

AMAR SINGH BISEN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

941 situated at Mohalla Satti Road, situated at Mirzapur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at

Calcutta on 20-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two storeyed brick built house erected and built on land measuring about (72,00 sqr. ft.) being premises No. 941 situated lying at Mohalla Satti Road, Mirzapur, and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 5310 duly registered with the registrar authorities Calcutta on 20-11-1978.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-7-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohammad Usman

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Goel

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 20th July 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. S-177/Acq/79-80.—Whereas, I,
AMAR SINGH BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Village Bhadaura Rampur Road, Moradabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 17-11-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Factory building including land etc. measuring 1,818.83 sqr. Mtr. situate at Village Bhadaura, Rampur Road, Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 5222/78 which have been registered at the Office of the Sub-Registrar on 17-11-1978.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.Date : 18-7-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Bhatinda, the 20th July 1979

Ref. No. AP-576/BTI/79-80.—Whereas,
I, SUKHDEV CHAND,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Dec. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Rajinder Kaur w/o Sh. Gurcharan Singh, G-1, Police Station, Parliament Street, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Shivdev Singh s/o Sh. Ishwar Singh, Plot No. 521-C, Phase No. 1, Urban Estate, Bhatinda. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot in Urban Estate, Bhatinda as mentioned in the Registration Deed No. 4384 of Dec. 1978 of the Registering Authority, Bhatinda.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-7-1979

Seal :

FORM ITNS

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 20th July 1979

Ref. No. AP-577/79-80/FZR.—Whereas,
I, SUKHDEV CHAND,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
As per Schedule situated at Basti Balochanwali Ferozepur city.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Dec. 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Mohinder Kaur w/o Sh. Darbara Singh r/o Basti Balochanwali, Ferozepur City.
(Transferor)
- (2) Sh. Darshan Lal s/o Sh. Kishore Lal r/o Basti Balochanwali, Ferozepur City.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One House in Basti Balochanwali, Ferozepur City as mentioned in the Registration Deed No. 4479 of December, 78 of the Registering Authority, Ferozepur.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-7-1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. Puran Chand, c/o Munshi Ram, c/o Hira Mal,
M. C. No. 3 Ward No. 9-1/A-i, Row, Maur
Mandi.
(Transferor)
- (2) Sh. Satish Chand, c/o D. S. Dutt, c/o Hira Mal,
Dutt, Hem Raj, c/o D. S. Dutt, c/o Hira Mal,
Arhi, Maur Mandi.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 20th July 1979

Ref. No. AP-573/TS/79-80.—Whereas,
I, SUKHDEV CHAND,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. _____
 As per schedule, situated at Maur Mandi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Saboo on Dec. 1978
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house in Maur Mandi as mentioned in the Registration deed No. 1552 of Dec. 1978 of the Registering Authority, Talwandi Saboo.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 20-7-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sh. Puran Chand s/o Munshi Ram s/o Sh. Hira Mal, M.C. No. 3 Ward No. 9-1-A/III row, Maur Mandi.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Chander, Des Raj, Dev Raj, Brahm Dutt, Hem Raj s/o Hari Ram through Hari Ram Arhti, Maur Mandi.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 20th July 1979

Ref. No. AP-579/TS/79-80.—Whereas,
I, SUKHDEV CHAND,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

As per schedule situated at Maur Mandi,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
At Talwandi Saboo on Dec. 1978.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One double storey building constructed over a plot of
size 296 1/3 sq. yards as mentioned in the registration deed
No. 1570 of Dec. 1978 of the Registering Authority Tal-
wandi Saboo.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 20-7-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Parwati Devi wd/o Sh. Kanahaya Lal, Ferozepur Cantt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 20th July 1979

Ref. No. AP-580/FZR/79-80.—Whereas,
I, SUKHDEV CHAND,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule.
situated at Ferozepur Cantt.

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Jan. 1979.

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) S/Sh. Hukam Chand, Mebar Chand, Ram Parkash, Sat Pal ss/o Sh. Guranditta Mal, Bazar No. 2 Ferozepur Cantt.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storey structure on load bearing walls on a plot of area 224 Sq. Yards situated in a lane of Bazar No. 2, Ferozepur Cantt. as mentioned in the registration deed No. 4914 of 8-1-1979 of registering Authority, Ferozepur.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Ja Sri Pandimalai Mamikaly Mission
(Bombay Unit).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mulchand Javerchand Mehta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 28th May 1979

Ref. No. AI. I/AP301/1C83 3/78 79. Whereas, I V. S. SHESHADRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 90 H. 11 (pt) 1/1 C.T.S. No. 1766 situated at Chembur Lane (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 31st May 1978

for an apparent market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of such property as aforesaid exceeds the apparent consideration by more than fifteen per cent for such transfer. I have also reason to believe that the consideration agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/—

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1857/77 and registered on 30-11-1978 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. S. SHESHADRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely —

Date : 28-5-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

Bombay, the 24th July 1979

Ref. No. AR: I/4080-22.—Whereas, J. V. S. SESHADRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 1/1071 of Girgam Divn. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of theforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property asforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of theforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

at Bombay on 6-12-1978.

(1) Ishwarlal Maganlal Dalal,

(2) Smt. Ranjan Ishwarlal Dalal, (3) Madhusudan Ishwarlal Dalal.

(Transferor)

2. M/s. Nandu Enterprises,

(Transferee)

3. 1. Bank of India

2. Shah B.N.

3. G. B. Patel

4. L. R. Shah

5. Velbai Mulji Shah

6. Popallal Girdharilal

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No. 712/78/Bom. and registered No. 6-12-78 with the Sub-registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 20-7-1979

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 20th July 1979

Ref. No. IAC/Acq.-III/7-79/362.—Whereas J. D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25, 00/- and bearing No. C-II/38 situated at Safdarjung Development Area, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Asa Ram Aggarwal S/o Shri Salig Ram Aggarwal R/o Jeevan Deep, 4th Floor, Parliament Street, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Shri Rajeev Grover S/o Shri K. L. Grover R/o 20-B/1, Desh Bandhu Gupta, Dev Nagar New Delhi-110005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used hereinafter are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storey building, on plot No. C-II/38 measuring 316 sq. yards situated in Safdarjung Development Area, Mehrauli Road, New Delhi-16 bounded as under :—

North : Service Lane
South : Road
East : Service Lane
West : Building No. C-II/37.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 24-7-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Sardar Pradhan Singh, s/o,
Sardar Nirmal Singh, r/o,
D-11/17, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sudershan Kumar Malhotra, s/o. Sh. K. C.
Malhotra & Smt. Veena Malhotra, w/o Sh. S. K.
Malhotra, r/o 42/1, D.I.F. Industrial Area, Kirti
Nagar, Delhi.

(Traneferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov.21/4517/79-80/1925/21/7.—
 Whereas I, R. B. L. Aggarwal,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10/81 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1978
 for a i apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 536.11 sq. yds. bearing No. 10/81 situated in the colony known as Punjabi Bagh, on Rohtak Road, Delhi and bounded as under :—

East : Service Lane
 West: Road No. 81
 North : Building on Plot No. 8
 South : Building on Plot No. 12.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority,
 Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range II
 Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov.51/4547/78-79/1925/21/7.—
 Whereas I, R. B. L. Aggarwal,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
 4736 Part-B, Ward-XI situated at 23-Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1978,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dewan Daulat Rai Kapoor, C-96, Defence Colony, New Delhi (2) Sh. Bal Krishan Kapoor, C-407, Defence Colony, New Delhi (3) Sh. Chaman Lal Bahl (4) Sj. Hari Nath Kapoor (5) Sh. Har Nath Kapoor (6) Smt. Shashi Kapoor / (7) Smt. Shani Kapoor r/o. 4736, Part-B, 23-Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) S.M.C.A. Construction Co., through its Prop. Sh. M.P. Gupta, r/o. 16/F-3, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied building with land underneath measuring 1162 sq. yds. bearing Mpl. 4736 Part-B (New), (old No. 6147) situated at 23-Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-110002 and bounded as under :—

East : Ansari Road.

West : Property No. 22

North : 45' wide Road

South : Property No. Mrs. Feroza Begum.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range II
 Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gulshan Kumar Chawla, s/o Sh. M. L. Chawla,
r/o. I-24, Kirti Nagar, New Delhi-15.
(Transferor)

(2) Smt. Harbhajan Kaur, w/o S. Joginder Singh, r/o
59, Nai Wala, Kraol Nagh, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001**

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 74/4489/78-79/1925/21/7.—
Whereas I, R. B. L. Aggarwal
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. E-108, Part-A situated at Mansrover Garden, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on November, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land measuring 477.75 sq. yds. bearing No. E-108, Part-A situated in the colony known as Mansrover Garden, Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under :—

East : Lane
West : Road
North : Plot No. E-109
South : Plot No. E-107

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
1—186GI/79

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri Jagdish Chander Sachdeva s/o. Sh. R. L. Sachdeva, r/o. I-24, Kirti Nagar, New Delhi-15.
(Transferor)
- (2) Shri S. Sajjan Singh, s/o. S. Mehar Singh, r/o 59, Nai wala, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE II
4/14A ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001**

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 75/4490/78-79-1925.—
Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-109, Part-B situated at Mansrover Garden, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land measuring 477.75 sq. yds bearing No. E-109, Part-B, situated in Mansarover Garden, Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under :—

East : Lane
West : Road
North : Plot No. E-109.
South : Plot No. E-107

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 18/4434/78-79/1925.—
 Whereas I, R. B. L. Aggarwal
 being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'),
 have reason to believe that the immovable property, having
 a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 767(old) 1658-1660 (new) situated at Lothian Road,
 Kashmere Gate, Delhi.
 (and more fully described in the
 Schedule annexed hereto), has been transferred
 under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi
 on November, 1978.
 for an apparent consideration which is
 less than the fair market value of the aforesaid property and
 I have reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent consider-
 ation and that the consideration for such transfer as
 agreed to between the parties has not been truly stated in the
 said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Puran Singh Narula, s/o. Sh. R. C. Narula r/o. 919, Kashmeri Gate, Delhi.
 (Transferor)
- (2) M/s. Asia Builders & Contractors, A/18B, Asaf Ali Road, New Delhi, through its partner Sh. R. K. Aggarwal.
 (Transferee)
- (3) M/s. Power Tools Appliance Co., Ltd.
 [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property No. 767(old) 1658-1660 (New), measuring 150 sq. yds. situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi and bounded as under :—

North : Alnut Building Delhi Polytechnic.
 East: Delhi Polytechnic
 West : Lothian Road
 South : Property No. 1661

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range II
 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sunil Kumar Gupta, s/o. Sh. M. L. Gupta,
r/o 547, Gali Behal Sahib, Kashmere Gate, Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. Asia Builders & Contractors A/18B, Asaf Ali
Road, New Delhi, through its partner Sh. R. K.
Aggarwal.
(Transferee)

(3) M/s. Power Tools Appliance Co. Ltd.,
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 19/4435/78-79/1925.—
Whereas I, R. B. L. Aggarwal

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 767(old) 1658-1660 (New) situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on November, 1978 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 1957);

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property No. 767(old) 1658-1660 (New Delhi), measuring 150 sq. yds. situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi and bounded as under :—

East : Delhi Polytechnic
West : Lothian Road
North : Alnut Building Delhi Polytechnic
South : Property No. 1661.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Anil Kumar, s/o. Sh. N. L. Gupta, r/o 544, Gali Behl Sahib, Ganda Nalah, Kashmere Gate, Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Asai Builders & Contractors 1/18B, Asaf Ali Road, New Delhi through its partner Sh. B. K. Aggarwal.
(Transferee)
- (3) M/s Power Tools Appliance Co. Ltd.,
(Person(s) in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 17/4433/78-79/1925/21/7.—
 Whereas I, R. B. L. Aggarwal
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 767(old) 1658-1660 (New) situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi
 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
 at Delhi on November, 1978,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property No. 767(old) 1658-1660 (New) measuring 150 sq. yds. situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi and bounded as under :—

East : Delhi Polytechnic.
 West : Lothian Road
 North : Alnut Building Delhi Polytechnic
 South : Property No. 1661

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range II
 Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 42/4538/78-79/1925/21/7.—
Whereas I, R. B. L. Aggarwal
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 767 (old) 1568-1660 (New) situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on November, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Shail Gupta, w/o. Sh. P. C. Gupta 1156, Bara Bazar, Kashmere Gate, Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s Asia Builders & Contractors A-18/B, Asaf Ali Road, New Delhi through its partner Sh. R. K. Aggarwal.
(Transferee)
- (3) M/s Power Tools Appliance Co. Ltd.,
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property No. 767 (old) 1568-1660 (New) measuring 150 sq. yds. situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi and bounded as under :—

East : Delhi Polytechnic

West : Lothian Road

North : Alnut Building Delhi Polytechnic

South : Property No. 1661.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pushpa Gupta, w/o Sh. G. C. Gupta, r/o.
1156, Bara Bazar, Kashmere Gate, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 41/4537/78-79/1925-21-7.—
Whereas I, R. B. L. Aggarwal
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 767 (old) 1658-1660 (New) situated at Lothian Road,
Kashmere Gate, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on November 1978.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(2) Asia Builders & Contractors, 1/18B, Asaf Ali
Road, New Delhi through its partner Sh. B. K.
Aggarwal.

(Transferee)

(3) M/s Power Tools Appliance Co. Ltd.,
[Person(s) in occupation of the property]

Obections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property No. 767 (old) 1658-
1660 (New), measuring 150 sq. yds. situated at Lothian Road,
Kashmere Gate, Delhi and bounded as under :—

East : Delhi Polytechnic

West : Lothian Road

North : Alnut Building Delhi Polytechnic

South : Property No. 1661

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range II

Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269-D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Habiburrehnain, s/o. Sh. Hazi Mohd. 2, 5, 7, Canal Road, Vijay Nagar, Delhi.
(Transferor)
- (2) Sawan Kirpal Rushani Mission Society, Regd. through Sh. S. S. Dugal, 23/141/Lodhi Colony, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 50/4546/78-79/1925/21/7.—
Whereas I, R. B. L. Aggarwal
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 2, 5, 7, Canal Road situated at Vijay Nagar, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on November 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A piece of land with building at 2, 5, 7, Canal Road, Village Rajpur, Civil Lines, Vijay Nagar, Delhi, measuring 11.517 sq. yds. and bounded as under :—

East : Najafgarh Drain
West : Road
North : Ashoka Factory
South : Govt. land of Harbans Lal.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Khulilur-Rehman, s/o. Late Haji Mohd. Ismail Kakwan, r/o. 2, 5, 7, Canal Road, Vijay Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 47/4543/78-79/1925/21/7.—
Whereas I, H. B. L. Aggarwal

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 2, 5, 7, Canal Road, situated at Civil Lines, Vijay Nagar, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Sawan Kirpal Rushani Mission Society, through Sh. S. S. Duggal, r/o. 23/141, Lodhi Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or, a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A piece of land with Building etc. at 2, 5, 7, Canal Road, Village Rajpur, Civil Lines, Vijay Nagar, Delhi, measuring 11,517 sq. yds. and bounded as under :—

East : Najafgarh Drain
West : Road
North : Ashoka Factory
South : Govt land and land of Harbans Lal.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—
18—186GI/79

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No IAC/Acq.II/Nov. 48/4544/78-79/1925/21/7.—
 Whereas I, R. B. L. Aggarwal
 being the Competent Authority under Section
 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have
 reason to believe that the immovable property, having a fair
 market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 2, 5, 7, Canal Road
 situated at Civil Lines, Vijay Nagar, Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer
 at Delhi on November, 1978
 for an apparent consideration which is less than
 the fair market value of the aforesaid property, and
 I have reason to believe that the fair market value
 of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent
 of such apparent consideration and that the con-
 sideration for such transfer as agreed to between the parties
 has not been truly stated in the said instrument of transfer
 with the object of:—

(1) Shri Mohd. Sabir, Khalilur Rehaman & Habibur
 Rehman, sons & Smt. Zamrud Hassin & Ikhakul-
 ul-Nisa, d/o. Late Haji Mohd. Ismail, r/o. 2, 5, 7,
 Canal Road, Vijay Nagar, Delhi,
 (Transferor)

(2) Sawan Kirpal Rushani Mission Society, through Sh.
 S. S. Duggal, r/o. 23/141, Lodhi Road, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or which
 ought to be disclosed by the transferee for the pur-
 poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922); or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A piece of land with building measuring 1170 sq. mts.
 bearing No. 2, 5, 7, Canal Road, Village Rajpur Civil Lines,
 Vijay Nagar, Delhi and bounded as under:—

East : Najafgarh Drain
 West : Road
 North : Ashoka Factory
 South : Govt. Land and land of Sh. Harbans Lal

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
 Acquisition Range II
 Delhi/New Delhi,

Date : 21-7-1979
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Zanaurud Hasion, D/o Sh. Hazi Mohd. Islam,
2, 5, 7, Canal Road, Vijay Nagar Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 47/4545/78-79/1921.—
Whereas I, R. B. L. Aggarwal

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2, 5, 7, Canal Road situated at Civil Lines, Vijay Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Sawan Kirpal Rushani Mission Society, through Sh. S. S. Duggal, 23/141, Lodhi Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land with building etc. measuring 1170.835 sq. mts. bearing No. 2, 5, 7, Canal Road, Civil Lines, Village Rajpur, Delhi and bounded as under :—

East : Najafgarh Drain

West : Road

North : Ashoka Factory

South : Govt. Land and land of Sh. Harbans Lal.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Mohd. Sabir s/o. Haji Mohd Ismail 2, 5, 7,
Canal Road, Vijay Road, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sawan Kirpal Rushani Mission Society, through
Sh. S. S. Duggal, 23/141, Lodhi Road, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 56/4542/78-79/1925/21/7.—
Whereas I, R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 2, 5, 7, Canal Road, situated at Civil Lines, Vijay Nagar, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land with building measuring 11,517 sq. yds. bearing No. 2, 5, 7, Canal Road, Village Rajpur, Civil Lines, Delhi and bounded as under :—

East : Najafgarh Drain
West : Road
North : Ashoka Factory
South : Govt. land and land of Sh. Harbans Lal.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II
4/14A ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov.75/4571/78-79/2008/27/7.—
 Whereas I. R. B. L. Aggarwal
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. XIV/218-226 & 239 to 244 situated at Post office Street, Sadar Bazar, Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sethani Indermani Jatia Charitable Trust, Office at Seth Ganga Sagar-Ki-Kothi, Junction Road, Khurja (U.P.)
 (Transferor)

(2) Shri Rameshwar Datt (2) Sh. Narendra Kumar (3) Sh. Jawahar Lal (4) Sh. Madan Mohan, r/o D-13/5, Model Town, Delhi.
 (Transferee)

(3) 1. Sh. Kishan Lal, s/o Jamuna Dass 2 shops No. 219 & 220.
 2. Sh. Kishan Lal, s/o Aishi Lal Shop No. 221.
 3. Sh. Shiam Lal & Mahendra Nath Shop No. 222.
 4. Sh. Braj Bhushan, Shop No. 223.
 5. M/s. Anil Kumar Yaspal 2 shops No. 224 & 225.
 6. M/s. Kishori Lal Krishan Kumar Shop No. 226.
 7. M/s. Rameshwar Datt Narendra Kumar Shop No. 239.
 8. Sh. Sri Chand & Sh. Ramesh Chand Shop No. 241.
 9. Sh. Madan Lal & Avinash Chand Shop No. 241/1.
 10. Sh. Hem Raj Kakkar Shop No. 241/A.
 11. Sh. Amar Singh Shop No. 242.
 12. Sh. Kulidip Singh Shop No. 243/1.
 13. Sh. Harbansh Lal Kakkar Shop No. 243/A.
 14. Sh. Hari Ram Kakkar & Madhu Sudan Shop No. 243/1.
 15. Sh. Krishan Lal Shop No. 243.
 16. Sh. Indra Prakash Kumar & Raghbir Lal Shop No. 244.

FIRST FLOOR

1. M/s Rameswar Datt Narendra Kumar Shop No. 240.
 2. Sh. Balbir Saran Shop No. 240/1.
 3. Sh. Hansraj Prop Hansraj & Co. Shop No. 240/2.
 4. Sh. Amar Nath Shop No. 240/6, 7.
 5. Sh. Mangal Sen Sharma Shop No. 240/8.
 6. Sh. Krishan Singh Gulati Shop No. 240/5.
 7. Sh. Ranjit Singh Gulati Shop No. 240/4.
 9. Sh. Thakur Singh Shop. No. 240/3.

SECND FLOOR

1. Sh. Mata Din 3 rooms No. 240.
 2. Sh. Sukhdeo 1 room No. 240.
 (Persons in Occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 storied building bearing No. XIV/219-226 and 239 to 244, measuring 200 sq. yds. situated at Post Office Street, Sadar Bazar, Delhi and bounded as under :—

East : Jawahar Market
 West : Post Office Street
 North : Portion of Prop. No. XIV/227 to 238
 South : Khurshid Market.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range II
 Delhi/New Delhi.

Date : 26-7-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE II**

4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 28th July 1979

Ref. No. IAC/Acq-II.—Whereas I, R. B. L. AGGRAWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 3620-21 situated at Netaji Subhash Marg, New Delhi-110002,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 24-11-1978,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Dr. Dharam Prakash Gupta S/o Shri R. R. Gupta R/o 3620-21, Netaji Subhash Marg, New Delhi (Now 91 Daryaganj New Delhi).
 (Transferor)

(2) M/s Vidya Builders P. Ltd., 3620-21, Netaji Subhash Marg, New Delhi through its nominee Shri Somendra Khosla S/o late Shri D. P. Khosla R/o B-5/14, Safdarjung Enclave, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot of land measuring 303.3 sq. yds. and the building constructed thereon at Darya Ganj Estate, Old Police Station, Faiz Bazar, Plot No. 3 presently numbered as 3620-21, Netaji Subhash Marg, New Delhi-110 002 bounded as under :—

North : Other's Property.

South : Other's property.

East : Netaji Subhash Marg.

West : Street.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-7-1979

Seal :

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD, ROHTAK**

Rohtak, the 10th May 1979

Ref. No. BGR/DLI/25/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13/6, Mathura Road, Mewla Maharajpur situated at Faridabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Delhi in November 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (i) Smt. Abnash Puri.
(ii) Dr. Khushwant Lal Wig 2-C, Sagar Apartments, 6-Tilak Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/S Nahar Techno Fabrika Pvt. Ltd., 9 Curzon Road, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferee)

(3) M/s Lloyds Tools (India) Regd. G.B. Road, Delhi
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at 13/6 Mathura Road, Mewla Maharajpur, Faridabad and as more fully described in sale deed Registration No. 503 dated 18-11-1978 and Registered in the office of the Registering authority, Delhi.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-5-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 2nd July 1979

Ref. No. PNP/8/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property No. 178 to 184 Ward No. 5 Rajputana Bazar, situated at Panipat,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Panipat in November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagdish Chander adopted s/o Shri Lachhman Dass Jyotsi R/O Panipat Now Rajghat Colony, Delhi.

(Transferor)

(2) (i) Shri Braham Dutt S/O Shri Sunder Lal.
(ii) Smt. Hardevi W/O Shri Braham Dutt.
(iii) Shri Narinder Kumar.
(iv) Shri Sulakh Chand sons of Shri Braham Dutt, resident of House No. 177, Ward No. 2 Panipat.

(Transferee)

(3) (i) Shri Bhagwan Dass S/O Shri Ram Lal Shop No. 179/W-5 Rajputana Bazar, Panipat.
(ii) Shri Chhaju Ram Shop No. 180/W-5, Rajputana Bazar, Panipat.
(iii) Shri Amar Nath S/O Shri Milkhi Ram Shop No. 181/W-5 Rajputana Bazar, Panipat.
(iv) Shri Jiya Lal S/O Shri Ram Chander Shop No. 183/W-5 Rajputana Bazar, Panipat.
(v) Shri Daya Ram S/O Shri Rajinder Sain. Shop No. 184/W-5, Rajputana Bazar, Panipat.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 178 to 184 ward No. 5 Rajputana Bazar, Panipat and as mentioned more in the, Sale deed registration at No. 3219 dated 23-11-1978 with the Sub Registrar, Panipat.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 2-7-1979.

Seal

FORM ITNS

(1) S/Shri Shamsher Singh, Harminder Singh sons of Shri Ripudamman Singh, Kalka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pronilla Puri W/O Shri Balraj Puri 654-ZC, Kalka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Rohtak, the 2nd July 1979

Ref. No. KLK/3/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. 654-Zc situated at Kalka, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka in January 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 654-ZC situated at Kalka and as more fully described in sale deed Registration No. 685 dated 1-1-1979 registered in the office of the Registering authority, Kalka.

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 2-7-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—186 GI|79

FORM ITNS

(1) Shri M. S. Nagra S/O Shri Sain Dass R/O House No. 269/16, Chandigarh.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Ved Pal, Advocate S/O Shri Bishan Singh, R/O Karnal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 19th July 1979

Ref. No. KNL/11/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. H. No. 377-R, Model Town, situated at Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 377-R, Model Town, Karnal and as mentioned more in the sale deed registered at No. 4182 dated 5-11-1978 with the Sub Registrar, Karnal.

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 19-7-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM JTNS

- (1) Shri Priya Kumar Basu Roy Thakur Ltd. Col., Ranchi.
(Transferor)
- (2) M/s Srecha Castings (Pvt.) Ltd. Through its Director Shri Sudhindra Nath Roy 99-A, Garpar Road, Calcutta-700009.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Patna-800001, the 23rd July 1979

Ref. No. III-334/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Plot No. 698 Khata No. 74 situated at Gari, Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ranchi on 16-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 21.5 Kathas together with Bungalow standing thereon bearing Plot No. 698 Khata No. 74 situated at Gari, Ranchi more fully described in Document No. 8111 Dt. 16-11-1978 registered with the District Sub-Registrar, Ranchi.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 23-7-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA-800001

Patna-800001, the 23rd July 1979

Ref. No. III-336/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 213B, Plot No. 722B (Part) Circle No. 9, Ward No. 2 situated at Exhibition Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 29-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mridula Chandra, W/o Shri Nirmal Chandra, Bakarganj, Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Lalita Devi, W/o Shri L. P. Sharma of Mohalla Sultanpur, P.S. Dinapur, Patna.

(Transferee)

(3) M/s Sharma Bros., Patna.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with structure on 600 Sqft, land situated at Exhibition Road, Patna bearing H. No. 213B, M.S. Plot No. 722B (Part) Circle No. 9, Ward No. 2 within Patna Municipal Corporation more fully described in Document No. 7184 registered with the D.S.R., Patna on 29-11-78.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 23-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Mridula Chandra W/o Shri Nirmal Chandra, Bakarganj, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA-800001

Patna-800001, the 23rd July 1979

Ref. No. III-337/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 213B, Plot No. 722B (Part) Circle No. 9, Ward No. 2 situated at Exhibition Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 29-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sudama Devi, W/o Shri R. B. Sharma, Kankerbagh, Patna.

(Transferee)

(2) M/s Shatma Bros. Patna.
(Person in occupation of the property)

(Transferee)

(3) M/s Shatma Bros. Patna.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with structure on 600 Sft. situated at Exhibition Road, Patna bearing H. No. 213B, M.S. Plot No. 722B (Part) Circle No. 9, Ward No. 2, within Patna Municipal Corporation more fully described in document No. 7183 registered with D.S.R. Patna on 29-11-78.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 23-7-1979.
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Mridula Chandra, W/o Shri Nirmal Chandra,
Bakerganj, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA-800001

Patna-800001, the 23rd July 1979

Ref. No. III-338/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 213B, Plot No. 722B (Part) Circle No. 9, Ward No. 2 situated at Exhibition Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 29-11-78, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Sudama Devi, W/o Shri R. B. Sharma, Kankerbagh, Patna.

(Transferee)

(3) M/s Sharma Bros., Patna.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with structures on 1380 Sqt. land situated at Exhibition Road, Patna bearing H. No. 213B, M.S. Plot No. 722B (Part) Circle No. 9, Ward No. 2, within Patna Municipal Corporation more fully described in Document No. 7182 registered with the D.S.R., Patna on 29-11-78.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 23-7-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, PATNA-800001

Patna, the 23rd July 1979

Ref. No. III-339/Acq/79-80.—Whereas, I J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, / being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Circle No. 15, Holding No. 96, Ward No. 6, M.S. No. 58 situated at Subzibagh, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 29-11-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mohammad Sultan Ahmad, S/o Hakim Mohammad Ahmad, resident of Makhania Kuan Road, Patna.

(Transferor)

(2) Sh. Mohammad Khurshid Alam S/o Md. Serajul Haque Md. Aftab Alam / Minor sons of Md. Md. Fazal Haque / Serajul Haque Vill. Kisun Das, P.S. Dariyapur, Distt. Saran.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One double storeyed building on 38½ Kari of land situated at Mohalla Subribagh, Patna bearing Circle No. 15, Holding No. 96, Ward No. 6, M. S. Plot No. 58 more fully described in Document No. 7181 registered with the District Sub-Registrar, Patna on 29-11-78.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Patel Shankerbhai Dahyabhai, Abodra, Anand (Tal) Kheda Dist.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chhaganbhai Purushothamdas Patel 14, Anandnagar, Jetalpur, Road, Baroda.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 1st June 1979

Ref. No. P.R. No. 682 Acq. 23-1400/6-1/78-79.—Whereas—

I, S.C. PARIKH,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 105, Plot No. 14 of Anandnagar situated at Jetalpur road, Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 13-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at "Anandnagar" Plot No. 14, located in Survey No. 105 of Jetapur and fully described in sale deed No. 5279 registered on 13-11-79.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 1-6-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Vinodchandra Muljibhai Patel, Madvi, Baroda.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. C. Barot, 29, Amrakunj Co. op. Housing Soc., Race Course Circle, Baroda.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 6th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. P.R. No. 685 Acq. 23-1401/6-1/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing RS. No. 18-Subhanpura, Plot No. 29 of Amrakunj Soc. situated at Race Course Circle, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda, on 16-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—186GI/79

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 29 of Amrakunj Co. op. Housing Soc. situated at R.S. No. 18 of Subhanpura, Race Course Circle, Baroda and fully described as per sale deed Registered Vide No. 5294 on 16-11-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 6-7-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th July 1979

No. Acq. 23-I-1982 (826)/18-2/78-79.—Whereas,
I, S.C. PARIKH,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
C.S. No. 705 City Ward No. 1 & City S. No. 712 Nr. Bhal-
gunda Darwaja & Parajia Kuva, Limdi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred, under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Limdi on 21-11-1978.
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(1) Shri Nirmalkumar Pritamlat Daftari being power of
Attorney holder of Shri Mugulal Keshavlal Kamdar,
407, Vimal Society, Banganga, Bombay-6.
(Transferees)

(2) Shri Dilipkumar Jamsinh Vaghela guardian of de-
ceased Smt. Maya Kunverba Rana wife of Shri
Bapalalbhai Jivabhai—herself & mother of Minor
Haknbha Bapalal, Address : at Village Mahij, Tal.
Limdi, Dist. Surendranagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Building bearing City S. No. 705—City Ward No. 1 and
City S. No. 712 standing on land adm. 563.31 sq. mtr. & 18.37
sq. mtre situated at Bhalgamdarwaja and Parajia Kuva, Kothri
Sheri, Limdi, duly registered by Registering Officer of Limdi
vide sale-deed No. 1465/21-11-1978 i.e. property as fully
described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Sushi M. Jyorge, Add. R. K. C. Rajkot.
(Transferors)(2) Shri Ravindrakumar I. Bhatt, and Rajindrakumar I. Bhatt, Bilkha House, Kalawad Road, Rajkot.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th July 1979

No. Acq. 23-I-1963 (827)/16-6/78-79.—Whereas,
I, S.C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.
S. No. 443 Paiki Plot No. 2-A-3 situated at Kalawad Road,
Rajkot,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 23-11-1978,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :— The terms and expressions used herein
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 443, Paiki Plot No. 2-A-3, ad-
measuring 875-1-0 sq. yd. situated at Kalawad Road, Rajkot
duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide sale-deed
No. 4693 dt. 23-11-1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Laxman Shamji Sojitra, Geerapa Plot, Upleta, Dist. Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Vinodrai P. Parmar, President of Shri Vir Arjun Co. Op. Hous. Soc. Ltd., Upleta, Dist. Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 20th July 1979

No. Acq. 23-I-1981 (831)/16-7/78-79.—Whereas,
I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 217-I Paiki N.A. land Plot 6056-2-6 sq. yds. & 1694-4-0 Sq. yd. for road situated at Upleta, Dist. Rajkot.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Upleta on 18-11-1978,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 217-1 Paiki Non-agricultural land plot adm. 6056-2-6 sq. yds. and land adm. 1694-4-0 for road situated at Upleta, Dist. Rajkot, duly registered by Registering Officer, Upleta, vide sale-deed No. 1178/18-11-78 i.e. property as fully described therein.

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-7-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 14th May 1979

Acq. Ref. No. 886.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 104-1/ABC situated at Nadimpalem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 14-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Jayalaxmi Ginning Industries, G.T. Road, Guntur, represented by its partners (1) Smt. Ch. Laxmi Narasamma (2) Ch. Venkata Subba Rao (3) Ch. Narasimha Rao (4) N. Vijayasankar.

(Transferor)

(2) Bommidala Bros. Ltd., Tobacco Exporters, Represented by its Managing Director Sri B. Bhanu Murthy, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 5320/78 registered before the Sub-Registrar, Guntur, during the F.N. ended on 15-11-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-17979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 17th May 1979

Ref. No. Acq. File No. 887.—Whereas, I, B. V. Subba Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 159/2, Ward No. 27 situated at Sitaramapuram Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Vijayawada on 15-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Tangirala Srirama Sarma, Varanasivari St., Seetharampuram, Vijayawada.
- (2) T. Chandrasckhar Sastry, GPA Holder Sri T. Sriramasarma, Vijayawada.
- (3) T. Purushotham, Labour Officer, KCP Ltd., Vuyyuru.
- (4) T. Venkata Vidya Sagar, GPA Holder Sri T. Purushotham, Vuyyur.
- (5) T. Viswanath, Central Bank of India, Vijayawada.

(Transferor)

- (2) Sri Satyusai Trust, 1-2-593/14, Gaganmahal Colony, Hyderabad-500 029.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 5105/78 registered before the S.R.O., Vijayawada, during F.N. ended on 15-11-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kakinada.

Date : 17-5-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th May 1979

Ref. No. Acq. File No. 888.—Whereas, I, B. V. Subba Rao being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-33 situated at Ring Road, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Guntur on 28-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Idupulapati Venkata Krishna Rao,
S/o Venkatappaiah
2. Shri Idupulapati Srinivasa Rao, S/o Venkata
Krishnarao, 1st line, Vidyanagar, Ring, Road,
Guntur-522 007.

(Transferor)

(2) Shri K. Mariadhas,
President : The Diocese of Guntur Society,
Hishop's House, P.B. No. 203, Ring Road,
Guntur-522 007.

(Transferee)

(3) The State Trading Corporation,
Ring Road, Guntur.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered Document No. 5585/78 registered before the S.R.O. Guntur during the fortnight ended on 30-11-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kakinada

Date : 30-5-1979.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th June 1979

Ref. No. Acq. File No. 889.—Whereas, I B. V. Subba Rao being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 29-25-4 situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 6-11-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Duggirala Sreeramulu,
S/o Basavayya,
Suryaraopeta, Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Shrimati Gokavarapu Raja Prasannalatha,
W/o Ramalingeswara Rao,
Srinivasa Lorry Supply Office,
Bhavanarayana St., Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered Document No. 5057/78 registered before the Sub Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-11-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ouseph Mathai (For E. Emmanuel)
Chinkallel, Edakkara.

(Transferor)

(2) Dr. Josekutty,
Panakkal Hospital,
Keezhthadiyoo, Palai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 13th June 1979

Ref. L.C. No. 301/79-80.—Whereas I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Palai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meenachil on 3-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

21 cents of land with buildings in Sy. No. 17/2/3 of Palai Municipality.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
21—186GI/79

Date : 13-6-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.**

Cochin-682 016, the 19th June 1979

Ref. L.C. No. 303/79-80.—Whereas I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Kasaragod (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kasaragod on 29-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) (i) Balsavar Shiva Rao,
(ii) Balsavar Sanjiva Rao,
(iii) Balsavar Venugopal Rao,
(iv) Balsavar Shrikar Rao,
(v) Balsavar Jayaram.
(By Gokkanna Gopal Rao), Kasaragod.
(Transferor)

- (2) Shri S. A. Wahab,
Mehboob Motor Service,
M. G. Road, Kasaragod.
(Transferee)
- (3) The Manager, Vijaya Bank, Kasaragod.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

10.12 acres of land with buildings in S.R. Sy. Nos. 42-15 & 42-19 of Kasaragod village.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-6-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.**

Cochin-682 016, the 7th July 1979

Ref. L.C. No. 306/79-80.—Whereas I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Perumbavoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perumbavoor on 2-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri M. A. Abraham, and Smt. Havvamma, Mattummal,
C/o Jayaram Lodge,
Perumbavoor-683 542.

(Transferor)

(2) 1. Shri P. M. R. Ashraf, and
2. Shri P. M. R. Rouf,
Hamza Hajee & Co., Perumbavoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

12 cents of land with a building in Sy. No. 305/3/3, Perumbavoor Village.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 7-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.**

Cochin-682 016, the 10th July 1979

Ref. L.C. No. 307/79-80.—Whereas I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Erumeli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanjirappally on 1-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) 1. Shri N. F. Chacko,
2. Smt. Mary Chacko,
3. Shri O. P. Abraham,
4. Shri Cyriac Velappally,
5. Shri P. G. Paul.
All r/o Ollappillil House, Peroor P.O., Via.
Ettumanoor, Kottayam Dist.

(Transferor)

- (2) Shri K. V. Kurian, Karimpanal House,
Kanjirapally.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

21 acres of rubber estate with buildings in Erumeli Village as per schedule attached to Doc. 4383/78 dated 1-11-78 of SRO, Kanjirapally.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 10th July 1979

Ref. L.C. No. 308/79-80.—Whereas I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Erumeli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanjirapally on 1-11-1978 is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri N. F. Chacko,
2. Shri P. G. Paul
Rep. by N. F. Chacko
3. Shri C. P. Abraham
Rep. by N. F. Chacko.
All r/o Ollappillil House,
Peroor P.O. Via Ettumanoor.

(Transferor)

- (2) Smt. Rosc Kurien, W/o K. V. Kurien,
Karimpanal House, Kanjirapally.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

19 acres of rubber estate with buildings as per schedule to Doc. No. 4382/78 of SRO, Kanjirapally.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 10-7-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.**

Cochin-682 016, the 10th July 1979

Ref. L.C. No. 309/79-80.—Whereas I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Cannanore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cannanore on 1-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Smt. A. P. Rajamani, W/o P. K. Purushothaman
2. Manoj (minor) rep. by P. K. Purushothaman
3. Ranjitha (minor) rep. by P. K. Purushothaman
4. Hira (minor) rep. by P. K. Purushothaman
All r/o Subash Colony, Kakkad, Cannanore.
(Transferor)

- (2) Shri P. Sreedharan, M/s. Srcetex Traders, 10, Community Centre, East of Kailash, New Delhi-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2/3rd right over the property as per schedule attached to Doc. No. 2333/1-11-78 of SRO, Cannanore.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 10-7-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Potheri Sarojini,
W/o P. C. Ramakrishnan,
M/s. Standard Pottery Works,
Alwaye.

(Transferor)

(2) Shri Vannarakkal Kallalathil Sreedharan,
M/s. Kavitha Tourist Home, Cannanore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 11th July 1979

Ref. L.C. No. 310/79-80.—Whereas I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Cannanore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cannanore on 23-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

80 cents of land with buildings in Cannanore as per schedule attached to Doc. No. 2542/78 of SRO, Cannanore.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Frnakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-7-79

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
 ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 12th July 1979

Ref. L.C. No. 311/79-80.—Whereas I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 20-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri P. R. Balakrishnan,
House No. XXXV/574-A, Durbar Hall Road,
Ernakulam, Cochin-16.
(Transferor)
- (2) Islahiya Association, (By Shri K. C. Abdulla)
P.O. Chennamangallur, Kozhikode.
(Transferee)
- (3) (i) P. L. Devarajan (ii) K. K. Ursula (iii) Parekh
(iv) V. V. Francis and Lilly (v) P. J. Joshney
(vi) M. K. Mohamed Ismail (vii) Nedungadl
Bank (viii) M/s. Elmech International (ix) M/s.
Elmech Capacitors.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

7.340 cents of land with building in Ernakulam Village as per Doc. No. 3498 of SRO, Ernakulam.

K. NARAYANA MENON
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Ernakulam

Date : 12-7-1979
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1283/79-80.—Whereas, I D. C. Goel, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 32 situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28th November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) (1) Shri Fakruddin, (2) Taher Ali, sons of Shri Mohd. Ali Bohra, Bohra Bakhsh, Indore. (Transferor)
- (2) (1) Shri Nazar Hussain, (2) Inayat Hussain sons of Shri Haji Jeevakhan Bhai Bohra, 32, Siyaganj Main Road, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 32 on Bakhba 1672 sq. ft. at Siyaganj Main Road, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 28th June, 1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—186GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1284/79-80.—Whereas, I, D. C. Goel, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 17 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13th November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Hafiza Bai, w/o Shri Turab Ali,
2. Smt. Jakiya Bai, w/o Shri Inayat Hussain,
72, Bohra Gali Main St., Dr. Khosla Marg,
Mhow.
(Transferor)
- (2) Smt. Kanchan Bai, W/o Ambalalji,
17/2, Siyaganj, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four-storeyed House No. 17 on Rakba 1274 sq. ft. at Siyaganj, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 28th June, 1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Savitri Bai, W/o Shri Ravidutt Sharma, Vill. Silgaon, Tehsil Khurai, Distt. Sagar.
(Transferor)
- (2) (1) Smt. Sandhya Devi, W/o Shri Arunoday Choube; and
- (2) Smt. Shushila Devi, W/o Pt. R. C. Bargava, Vill. Silgaon, Tehsil Khurai, Distt. Sagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1285/79-80.—Whereas, I D. C. Goel, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Silgaon, Teh. Khurai (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khurai on 28th November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Silgaon, Tehsil Khurai bearing Khasra No. 17/1, Rakba 41.7 acres (16.687 Hectares).

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2nd July, 1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Khushi Ram Kakwani, S/o
Shri Hiranand Kakwani,
Suwarkar Ward, Mudwara.

(Transferor)

(2) 1. Shri Laxmandas, S/o Bhagwandas,
2. Smt. Rukhi Bai, Wd/o Shri Bhagwandas Kundt,
Gurunanak Ward, Mudwara.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1286/79-80.—Whereas, I D. C. Goel,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. House situated Katni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Katni on 16th November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of house No. 249 at Gurunanak Ward, Mudwara (Katni).

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3rd July, 1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Puranchand, S/o Kaluramji Jain,
10/17, South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Narottamal (2) Shyamlal, (3) Rajendra
Kumar (4) Sumati Kumar, sons of
Shri Bhagirathji Gupta, 28, Rajwada Chowk,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1287/79-80.—Whereas, I D. C. Goel, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4th November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on Plot No. 8, House No. 17, South Tukoganj, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3rd July, 1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Ramlalji, S/o Shri Hiralalji Jaiswal,
193, Jawahar Marg, Indore.
(Transferor)
- (2) Smt. Chandabai, W/o Shri Shantilalji Chourdiya,
Chandni Chowk, Ratlam.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1287/79-80.—Whereas, I, D. C. Goel, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Ratlam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ratlam on 7th December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot measuring 6350 sq. ft. at Mitraniwas Road, Ratlam.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3rd July, 1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vishwas Karm, S/o Shri Shridhar Karm,
44, Vasudeo Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1289/79-80.—Whereas, I D. C. Goel, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7th December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 48, Vasudeo Nagar, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3rd July, 1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Dr. Gokuldas, S/o Shri Gulabchand,
28-B, Builders' Colony, Indore.
(Transferor)
- (2) Sr. Gulzar Singh, S/o Shri Balvant Singh Gill,
14/5, R. N. Tagore Marg, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1290/79-80.—Whereas, I D. C. Goel, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29th January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 28-B, Builders' Colony, Ward No. 8, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3rd July, 1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Sri Krishna Kumar Bhargav, S/o Late
Shri Shyam Sunder Bhargav, Bunglow No. 54,
Narbada Road, Rampur, Distt. Jabalpur.
(Transferor)
- (2) Smt. Maharsi Chetna Vigyan Sanstha (M.P.)
Maharsi Institute of Creative Intelligence, through
Shri Prafulla Shrivastava, General Secretary,
Rammivas Vyoharbagh, Jabalpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1291/79-80.—Whereas, I D. C. Goel, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Rampur, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 27th February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House known as 'Poras' bearing No. 54 on Khasra No. 50 2 and its land located on Narbada Road, Rampur, Gwari-ghat, Jabalpur.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
23—186GI/79

Date : 3rd July, 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1292/79-80.—Whereas, I.D.C. Goel, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 5th January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) M/s. Shri Laxmi Saw Mills, Raipur, Fafadih, Raipur.
(Transferor)
- (2) M/s. Shri Dayal Saw Mills, Fafadih, Raipur.
(Transferee)
- (3) M/s. United Tyres Pvt. Ltd. Raipur.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 42,250 sq. ft. (3932 sq. m.) bearing Khasra No. 277/1, Bl. No. 149/349, Plot No. 108 at Fafadih, Raipur.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3rd July, 1979
Seal :

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) S/Shri 1. Murlidhar, S/o Hardeoji Vyas, Jodhpur
and 2. Pannalal, S/o Dhanraj Vlas, Jagdalpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Smt. Sarla Devi Chandak, W/o Jainarayan 2. Ku. Rama Chandak (Minor). 3. Sanjay Chandak (Minor) 4. Ku. Chaya Chandak, C/o Smt. Sarla Devi Chandak, 5. Vallabhdas Chandak, C/o Vasapalaji Chandak; 6. Omprakash Chandak, Fafadih, Raipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1293/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Fafadih, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 19th January, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House in Ward No. 7, Fafadih, Raipur (on Khasra No. 277/1, 277 and 248).

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3rd July, 1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shrimant H. H. Shri Lokendrasinghji, S/o late
Shri Sajjansinghji, Ratlam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ratkumarji S/o Ponamchanji Gandhi, New Road, Ratlam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 4th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1294/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. bearing House situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 9th November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Single-storeyed house (godowns) on Rakba 4248 sft. at Ranjeet Vilas, Baggi Khana, Ghantaghlar Road, Ratlam.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4th July 1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimant H. H. Lokendrasinghji S/o Late Shri Sajjansinghji, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Motichandji S/o Nemichandji Jindani, Tripolia Darwaja, Ratlam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1295/79 80.—Whereas, I, D. C. GOEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Ratlam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 9th November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house comprising of three godowns on rakha 4248 sq. ft. at Ranjeet Vilas, Baggi Khana, Ghanta-ghar Road, Ratlam.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 4th July 1979.

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1296/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open Land situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 24th November, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Vijaya, W/o Keshav Fadke, Flat No. 32 Mala 8, Ambar Building, 13/2 M. G. Road, (Tukaganj), Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ishwar Jhamnani S/o Hotaldasji Jhamnani, 8, Bakshi Colony, Sadar Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot No. 29, Rakba 3840 sq. ft. at Prakash Nagar, Bakshi Colony Extension, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 4th July 1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1299/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Bhatapara, District Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatapara on 4th November, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri 1. Ranchhod Bhai S/o Virjee, 2. Popatil; 3. Chhaganlal and 4. Amritilal, sons of Ranchhod-bhai, Bhatapara, District Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Shyamsunder Agrawal S/o Lakhiram Agarwal, Shanker Ward, Bhatapara, District Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot with House at Village Hathni, P.H. No. 25, Gandhi Mandir Ward,

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7th July, 1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ramesh Kunar S/o Motilalji Lukad, Shahganj,
Tah. Budhni, District Sehore.

(Transferor)

(2) Shri Babulal S/o Kaluramji Goyal, Motia Park,
Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/1297/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing IIhouse situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 15th November, 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two-storeyed house on Rakba 1679 sft. near Madarsa Jehangiria School, Motia Park, Bhopal.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7th July, 1979.

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 7th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1298/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Idgah Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 15th November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—186GI/79

(1) Smt. Shamim Bano W/o M. A. Farooqui, Khawaspura, Shahjehanabad, through S. P. Attorney granted by her to Iqbal Hussain Kidwai, Idgah, Hills, Bhopal. (Transferor)

(2) Dr. Nayab Hasan S/o Late Shri Mahtab Hasan, Professors' Colony, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot measuring 4550 sq ft, bearing No. 150 out of Kh. No. 102 situated at Idgah Hills, Bhopal.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7th July, 1979.
Seal .

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 12th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1300/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 8th November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ravindra Kumar Rishi S/o Shri Jagdish Chandra Rishi, Civil Lines, Bhopal at present A-54, Kailash Colony, New Delhi through father & attorney Shri Jagdishchandra Rishi, S/o Shri Ganeshdas, A-54, Kailash Colony New Delhi.
(Transferor)

(2) Master Rajkumar Sakhlecha, minor through mother and natural guardian Smt. Chetan Kumari Sakhlecha, D/o Shri Harsh Chandji Surana, Chhoti Ghati, Jawad, District Mandsour.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern portion of Plot No. A-4 (part of Khasia No. 1426) measuring 5000 sq. ft. situated at Vidya Vihar, Banganga, Bhopal.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 12th July, 1979,
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 16th July 1979

Ref. No. LDH/124/78-79.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory building No. 45-B Industrial Estate Ludhiana situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Gopal s/o Shri Achhru Ram and Shri Dharan Prakash Bhalla s/o Sh. Munshi Ram Bhalla, residents of 25-26, Green Park, Civil Lines, Ludhiana through Sh. Sudhir Kumar Bhalla s/o Sh. Dharan Parkash Bhalla.

(Transferor)

(2) Sadhu Singh Dua & Co., through Shri Bhupinder Singh, 45-B, Industrial Estate, Ludhiana.

(Transferee)

(3) Shri Dharam Lal, Plot No. 45-B, Industrial Estate, Ludhiana.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building over a plot No. 45-B measuring 266.2/3 sq. yards situated in Industrial Estate, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3106 of November, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Dated : 16th July 1979

Seal :

FORM I.T.N.S.— —

(1) Shri Sardar Chand Chimah s/o Shri Ram Ditta Mal,
r/o 145-C, Model Town, Patiala.
(Transferor)

(2) Shri L. C. Kapur s/o Shri Fateh Chand r/o M. No.
6, Sector 7-A, Chandigarh.
(Transferee)

(3) Shri H. R. Verma (Retd. Major) c/o Delhi Auto-
mobiles, Industrial Area, Chandigarh.
(Person in occupation of the property.)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 12th July 1979

Ref. No. CHD/237/78-79.—Whereas I, G. P. Singh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential House No. 836, Sector 16-D,
Chandigarh situated at Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

THE SCHEDULE

Residential House No. 836, Sector 16-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 647 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12th July, 1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Girdhari Lal s/o Kundan Lal r/o, H. No. 343,
Sector 15-A, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vishwa Mittar Shabi s/o Shri B. N. Shabi r/o
H. No. 735, Sector 22-A, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th July 1979

Ref. No. CHD/244/78-79.—Whereas I, G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Single Storey House No. 343, Sector 15-A, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single Storey House No. 343, Sector 15-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 680 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Competent Authority,
Acquisition Range, Ludhiana

Seal :

Date : 12th July, 1979.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 12th July 1979

Ref. No. PTA/200/78-79.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Shops Building Nos. 1622/2, 1623/2, & 1624/2 situated in Purani Kotwali Chowk, Patiala, situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Subhadra Devi wd/o Sh. Narain Dass,
2. Smt. Krishna Dhawan,
3. Smt. Sashi Seth,
4. Sh. Pawan Kumar,
5. Sh. Sarwan Kumar,
6. Sh. Satish Kumar all d/s ss/o Sh. Nara in Dass r/o H. No. 213, Jorian Bhatian, Patiala.

(Transferor)

- (2) Smt. Parmilla Aggarwal w/o Sh. Varinder Aggarwal t/o 4145/2, Mohalla SuaiGiran, Patiala.

(Transferee)

- (3) 1. Sh.R . C. Sheggal, Stationery Merchant
2. Sh. Varinder Aggarwal of Boxin Optical Company.
3. Sh. Bhai Parkash Singh Shamsher Singh Book Sellers.

- 4. Sh. Joginder Singh 'Tea Stall,
all r/o Shops No. 1622/2, 1623/2 & 1624/2,
Near Purani Kotwali Chowk, Patiala.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops property Nos. 16622/2, 1623/2 & 1624/2 situated in Purani Kotwali Chowk, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4778 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 12 July 1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th July 1979

Ref. No. PTA/260/78-79.—Whereas, I, G. B. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 852½ Sq. yds. situated opposite Polo Ground, Rajbhara Road, near Modi College, Patiala situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Sajjan Singh s/o Sh. Mehtab Singh, r/o Opposite Polo Ground, Rajbhara Road, near Modi College, Patiala.
(Transferor)

(2) Smt. Ravinder Kaur w/o Sh. Ripudaman Singh, r/o Opposite Modi College, Patiala.
(Transferee)

(3) Shri Ripudaman Singh Sethi s/o Gopal Singh Opposite Modi College, Patiala.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-17/423, measuring 852½ SQ. Yds. opposite Modi College, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 55615 of February, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 12 July 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th July 1979

Ref. No. PTA/269/78-79.—Whereas, I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House property No. 74-B/2, Model Town, Patiala situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Saran Singh &/o Sh. Kishan Singh r/o 84 Masjid Road, New Delhi-110084.
(Transferor)
- (2) Smt. Tejinderpal Kaur w/o Sh. Jagteshwar Singh, r/o 6-River Driver Society, Adajan Road, Surat (Gujrat).
(Transferee)
- (3) The Confirmation Section, Punjab State Electricity Board, H. No. 74-B/2, Model Town, Patiala.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 74-B/2, Model Town, Patiala.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5738 of February, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 12 July 1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sunder Lal Sehgal s/o Shri Mathura Dass Sehgal, r/o H. No. 3261, Sector 27-D Chandigarh.
(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal Chawla s/o Shri Bakhtu Ram Chawla and Smt. Parmeshwari Devi w/o Shri Roshan Lal Chawla, r/o S.C.F.No. 35, Sector 29-C Chandigarh.
(Transferee)

(3) 1. Shri Devi Dayal,
2. Shri Jatinder Singh,
3. Shri Suresh Chand Singla,
4. Shri Inderjit Singh,
5. Shri Tilak Raj Sabharwal,
6. Shri Sunil Jain,
7. Shri K. C. Bajaj,
8. Shri Sikander Lal,
9. Shri Madan Lal Sehgal and
10. Shri Amrit Lal Rastogi, all r/o 3261, Sector 27-D Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th July 1979

Ref. No. CHD/238/78-79.—Whereas, I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property No. 3261, Sector 27-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—186G1/79

THE SCHEDULE

House property No. 3261, Sector 27-D Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 649 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated : 16th July 1979

Sgn'd : _____

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 16th July 1979

Ref. No. GHD/240/78-79.—Whereas, I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.C.F. 7, Sector 18-D, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Mussadi Lal Garg s/o Sh. Lachmi Narayan, r/o H.No. 1629, Sector 7-C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Sh. Bhagwan Dass s/o Sh. Latkan Ram, r/o S.C.F. No. 10, Sector 19-D, Chandigarh. (Transferee)
- (3) M/s Ashok Sweets, S.C.F. 7, Sector 18-D, Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S.C.F. No. 7, situated in Sector 18-D, Chandigarh.
(The property as described in the Registered Deed No. 653 of November, 1978 of the Registering Authority Chandigarh).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated : 16th July 1979/

Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —————

(1) Smt. Amar Kaur wd/s/o Late Dharam Singh, r/o H. No. 368, Model Town, Panipat.
(Transferor)

(2) Shri H. S. Soin s/o Shri Dalip Singh Soin, r/o H. No. 273, Greater Kailash 2, New Delhi-110048.
(Transferee)

(3) Punjab State Cooperative Training Institute H. No. 1007, Sector 21-B, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th July 1979

Ref. No. CHD/241/78-79.—Whereas I, G. P. SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Residential House No. 1007, Sector 21, situated at Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer
at Chandigarh in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 1007, Sector 21-B, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 654
of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :

Dated : 16th July 1979/
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 16th July 1979

Ref. No. PTA/165/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of Kothi situated at Tafjalpura, near Guru Nanak Colony, Patiala situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Brij Lal Gupta, s/o Shri Jiwa Ram and Smt. Tarawati w/o Sh. Brij Lal Gupta r/o Tafjalpura, Patiala.
(Transferor)

(2) Sh. Anokh Singh Sandhu s/o Sh. Arjan Singh Sandhu & Smt. Paramjit Kaur w/o Shri A. S. Sandhu, S.D.O. Pb. State Electricity Board, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Kothi situated at Tafjalpura near Guru Nanak Colony, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4045 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated : 16th July 1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Brij Lal Gupta s/o Sh. Jiwa Ram & Smt. Jiwati w/o Irij Lal, r/o Tafjalpura, Patiala
(Transferor)

(1) (1) Smt. Paramjit Kaur w/o Sh. A. S. Sadhu,
S.D.O.I.S.E.B., Ludhiana.
(2) Shri Alok Singh Sandhu s/o Sh. i Arjan Singh
Sandhu S.D.O. Electricity Board, Ludhiana.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th July 1979

Ref. No. PIA/164/78-79.—Whereas I NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of Kathi situated at Tafjalpura, near Guru Nanak Colony, Patiala situated at Patiala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Part of Kathi situated at Tafjalpura, near Guru Nanak Colony, Patiala.

The property as mentioned in the Registered deed No. 4044 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Dated : 16th July 1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mela Singh s/o Shri Ram Singh, R/o Jatiwal,
Tehsil Nabha, Distt. Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 16th July 1979

Ref. No. NBA/79/78-79.—Whereas I, C. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land measuring 15 bighas situated at village Jatiwal, tehsil Nabha, Khalsa No.

234	212	233	241	241
0-6	6-5	4-3	1-6	3-0

situated at —

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nabha in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEMULE

Agricultural land measuring 5 bighas situated at village Jatiwal, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1811 of November, 1978 of the Registering Officer, Nabha).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Dated : 16th July 1979

Seal :